C M Y K

आज का विचार

जो जिन्दगी से लड़ा है वही जीवन में आगे बढ़ा है, किस्मत को जिसने कोसा है, वो आज भी वहीं पर खड़ा है।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-241 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, सोमवार 23 जून, 2025

सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास, पाक के दिग्गज तेज गेंदबाज को पछाड़कर बने नंबर 1 बॉलर

छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन-केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह

◆ नक्सल विरोधी अभियान में सफलता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ की ◆ पहली बार वर्षा ऋतु में भी चलेगा नक्सल विरोधी अभियान-केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह ◆ केंद्रीय गृह मंत्री ने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने और छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में शामिल होने की की अपील ◆ केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय के अस्थायी परिसर एवं आई-हब रायपुर का किया वर्चुअली उद्घाटन

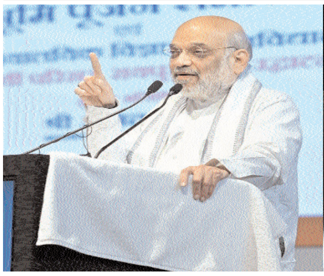

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने आज नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के अस्थायी परिसर तथा आई-हब रायपुर का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन है। एनएफएसयू के अस्थायी परिसर के साथ-साथ नवा रायपुर में स्थायी परिसर के लिए भूमि पूजन एवं केंद्रीय फॉरेंसिक साइंस लैब की स्थापना की भी शुरूआत की गई है। कुल 268 करोड़ रुपये की लागत से ये संस्थान विकसित किए जा रहे हैं। अस्थायी परिसर में सत्र 2025-26 से बीएससी, एमएससी फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी, मनोविज्ञान, डिजिटल फॉरेंसिक एवं प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्सेस प्रारंभ हो जाएंगे। लगभग 180 छात्र पहले बैच में प्रवेश लेंगे।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि इन संस्थानों के निर्माण से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत को आधुनिक न्याय प्रणाली और अपराध जांच में सशक्त आधार मिलेगा। नई फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी, जैसे डीएनए फिंगरप्रिंटिंग, एलएसडी साइंस, साइबर सिक्योरिटी, बायोटेक्नोलॉजी और डिजिटल फॉरेंसिक अब स्थानीय स्तर पर सुलभ होंगी, जिससे जाँच प्रक्रिया तेज और सटीक होगी। उन्होंने बताया कि अब फॉरेंसिक जांच के लिए राजधानी या दिल्ली की आवश्यकता नहीं होगी, सारी जांच अटल नगर, नवा रायपुर में ही संभव होगी।

आई-हब की स्थापना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्टार्टअप कल्चर से जोड?, तकनीकी सहायता देने, फंडिंग मुहैया कराने और मार्केटिंग एवं अनुबंध जैसी प्रोफेशनल सेवाएं देने में सहायक होगा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे खुद उद्योगपति बनें, स्टार्टअप शुरू करें और राज्य के औद्योगिक विकास में भागीदार बनें। यह आई-हब, गुजरात के मॉडल पर आधारित है, और भविष्य में रायपुर से भी कई वैश्विक स्टार्टअप उभरने की संभावना है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनने के बाद 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर एमओयू हुए हैं, जिससे रोजगार, राजस्व और औद्योगिक संस्कृति को बल मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों ने नक्सल विरोधी अभियान को निर्णायक गति दी है। पहली बार ऐसा हुआ है कि वर्षा ऋतु में भी सुरक्षा बल सक्रिय हैं और नक्सलियों को चैन से रहने नहीं दे रहे। उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने और छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में शामिल होने की अपील की।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि एनएफएसयू का स्थायी परिसर तीन वर्षों में पूर्ण रूप से विकसित होगा, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए फॉरेंसिक क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं खुलेंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मोदी सरकार के तहत एनएफएसयू से स्नातक करना रोजगार की गारंटी बनेगा। साथ ही देशभर में लागू हुए नए तीन आपराधिक कानूनों के संदर्भ में श्री शाह ने कहा कि इनका उद्देश्य है झ तीन वर्षों के भीतर न्याय सुनिश्चित करना, और विज्ञान आधारित साक्ष्यों पर आधारित आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली की स्थापना करना। उन्होंने बताया कि अब 7 वर्ष से अधिक की सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य कर दी गई है। सभी पुलिस थानों को सीसीटीएनएस से जोड़ दिया गया है, जिससे राज्य सरकारें जांच और निगरानी की प्रक्रिया में तकनीकी रूप से दक्ष हो सकेंगी। यह बदलाव न केवल न्यायिक प्रक्रिया को मजबूत करेगा, बल्कि भारत को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सजा सुनिश्चित करने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में ले आएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने यह भी बताया कि देशभर में एनएफएसयू के 16 परिसरों की स्थापना हो चुकी है और 10 अन्य प्रस्तावित हैं। भारत को आत्मनिर्भर बनाने में फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। एक हालिया सर्वेक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 तक फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी का वैश्विक बाजार 55 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा और उसमें भारत की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि आज एक साथ तीन महत्वपूर्ण संस्थानों की नींव रखी गई है जो प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनएफएसयू विश्व का पहला और एकमात्र विश्वविद्यालय है जो फॉरेंसिक साइंस, साइबर सुरक्षा, व्यवहार विज्ञान जैसे विषयों के अध्ययन के लिए पूर्णतः समर्पित है। इसका रायपुर परिसर नवा रायपुर को एक उभरते हुए राष्ट्रीय शैक्षणिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। यह संस्थान न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे मध्य भारत के लिए कानून व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया और फॉरेंसिक अनुसंधान का सशक्त आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बंजारी, नवा रायपुर में विश्वविद्यालय के लिए 40 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है और ट्रांजिट कैंपस को समय पर तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कैंपस में फॉरेंसिक साइंस, डिजिटल फॉरेंसिक, साइकोलॉजी सहित विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित होंगे। साइबर क्राइम, सड़क दुर्घटना विश्लेषण, मादक पदार्थों की जांच जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण से राज्य की कानून व्यवस्था को बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में लगभग एक सदी बाद तीन नए आपराधिक कानून लागू किए गए हैं। एनएफएसयू जैसे संस्थान इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। छत्तीसगढ़ सरकार इन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु पुलिस बल एवं जांच एजेंसियों को आवश्यक प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध करा रही है, जिसकी सतत निगरानी भी की जा रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने आई-हब छत्तीसगढ़ के शुभारंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संस्थान राज्य के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार की दुनिया से जोड? का सशक्त माध्यम बनेगा। इसमें को-वर्किंग स्पेस की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जो नवाचार को प्रोत्साहित करेंगी।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि एनएफएसयू का रायपुर परिसर न केवल प्रशिक्षण बल्कि फॉरेंसिक अनुसंधान और इन्वेस्टिगेशन में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि यह संस्थान न केवल पढ़ाई, शोध, प्रशिक्षण और परामर्श का केंद्र बनेगा बल्कि भारत में ही फॉरेंसिक साइंस से जुड़े उपकरणों के नवाचार और निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह सपना माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में साकार हो रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने एनएफएसयू के लिए जमीन आवंटित की है और निर्माण कार्य भी शीघ्र आरंभ होने वाला है। उन्होंने कहा कि इस परिसर में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, और यह फॉरेंसिक साइंस, डिजिटल फॉरेंसिक, साइकोलॉजी एवं विभिन्न शॉर्ट टर्म कोर्सेस में युवाओं को दक्ष बनाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिका सुरक्षा संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन में फॉरेंसिक प्रणाली की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ उन अग्रणी राज्यों में शामिल है जहाँ एनएफएसयू की स्थापना की जा रही है, जबकि उड़ीसा, बिहार, राजस्थान और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में अभी इसकी शुरूआत नहीं हुई है। यह राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 33 जिलों में मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट स्थापित करने के लिए राज्य सरकार को केंद्र से 24 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। हर जिले में मोबाइल वाहन, आधुनिक उपकरण और प्रशिक्षित टीम होगी ताकि मौके पर ही घटनाओं की सटीक जांच संभव हो सके। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं श्री अरुण साव, केंद्रीय गृह सचिव श्री गोविंद मोहन, निदेशक आसूचना ब्यूरो श्री तपन कुमार डेका, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, परिसर निदेशक एनएफएसयू गांधीनगर के प्रोफेसर डॉ एसओ जुनारे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

पहलगाम हमले के आतंकियों के 2 मददगार गिरफ्तार

◆ आतंकियों को पनाह देने वाले आ गए पकड़ में ◆ अब इनसे पूछताछ में खुल सकते हैं बड़े राज ◆ पता लग सकता है आतंकियों का ठिकाना

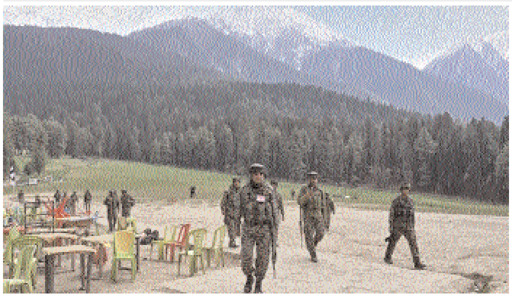

अनन्तनाग,22 जून (ए)। पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। एनआईए ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर कथित तौर पर हमलावरों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान करने का आरोप है। दोनों व्यक्तियों की पहचान परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर के रूप में हुई है। इन्होंने पहलगाम हमले में शामिल 3 आतंकवादियों के नामों का भी खुलासा किया है।

एनआईए ने कहा, पहलगाम के बटकोट निवासी परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के ही हिल पार्क निवासी बशीर अहमद जोथर ने हमले में शामिल 3 सशस्त्र आतंकवादियों की पहचान बताई है और यह भी पुष्टि की है कि वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तान के नागरिक थे। एनआईए ने बताया कि परवेज और बशीर ने हमले से पहले जानबूझकर 3 सशस्त्र आतंकवादियों को हिल पार्क स्थित एक झोपड़ी में पनाह दी थी।

एनआईए ने बताया कि परवेज और बशीर पहलगाम घाटी में ही दुकान लगाते थे। हमले वाले दिन से पहले उन्होंने हिल पार्क में मौसमी ढोक (झोपड़ी) में 3 हथियारबंद आतंकवादियों को पनाह दी थी। कथित तौर पर दोनों ने आतंकवादियों को खाने, रहने और रसद में भी मदद की थी। इन्हीं आतंकियों ने अगले दिन दोपहर को वहां पर मौजूद पर्यटकों पर धार्मिक पहचान के आधार पर हमला किया था। पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हमला कर दिया था और 26 निर्दोष पुरुष पर्यटकों की उनका धर्म पूछकर हत्या कर दी थी। हमले में 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। भारत ने इसका आरोप पाकिस्तान पर लगाया था और पाकिस्तान के साथ व्यापार पूरी तरह बंद कर दिया था, पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने को कहा था, राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था और सिंधु जल संधि भी रद्द कर दी थी। पहलगाम हमले की जांच पहले स्थानीय पुलिस कर रही थी, लेकिन बाद में इसे एनआईए को सौंप दिया गया। एनआईए अब तक 100 से ज्यादा को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें कई ओवरग्राउंड वर्कर्स हैं, जिन्हें जेल भेजा गया है। एनआईए 3,000 से ज्यादा लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इनमें पर्यटक, स्थानीय लोग, घोड़ागाड़ी वाले, दुकानदार, मृतकों के परिजन समेत कई लोग शामिल हैं। एनआईए ने घटनास्थल की 3डी मैपिंग की है और डिजिटल डेटा भी खंगाल रही है।

पहला कॉलम

ईरान-इजरायल युद्ध से भारत में नौकरियों पर मंडराया खतरा, सर्वे में किया दावा

नईदिल्ली ,22 जून (ए)। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच भू-राजनीतिक तनाव का असर भारतीय कंपनियों पर भी पड़ता शुरू हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 63 प्रतिशत कंपनियों ने इन परिस्थितियों में या तो भर्तियां रोकने या कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। दूसरी तरफ कुछ कंपनियां नए कर्मचारी अनुबंध के आधार पर या फ्रीलांस के तौर पर ले रही है। यह रिपोर्ट 12 मई से 6 जून के दौरान 2,006 कर्मचारियों के बीच हुए ऑनलाइन सर्वे पर आधारित है। स्टाफिंग समाधान और मानव संसाधन सेवा प्रदाता जीनियस कंसल्टेंट्स के अनुसार, सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनी या तो भर्ती रोक रही है या टीम का आकार घटा रही है। दूसरी तरफ 15 प्रतिशत ने बताया कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच अनुबंध-आधारित या फ्रीलांस भूमिकाओं की ओर बदलाव देखने को मिल रहा है। 36 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि युद्ध के हालात से उनकी वेतनवृद्धि, बोनस या मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। सर्वे में 21 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने यह भी बताया कि उन पर कार्य का दबाव बढ़ा है, जबकि 22 फीसदी ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार संपर्क या यात्रा बाधित होने का दावा किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे बेहद चिंतित हैं और पहले से ही चेतावनी के शुरूआती संकेत देख रहे हैं। दूसरी तरफ, 31 प्रतिशत का कहना था कि वे नौकरी के नए अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

कुछ अलग

चेन्नई से 209 यात्रियों को लंदन ले जा रहा था विमान, परिचालन संबंधी कारणों से लौटा वापस

चेन्नई ,22 जून (ए)। एक और हवाई उड़ान में दिक्कत आई है। लंदन जाने वाला एक विमान रविवार को परिचालन संबंधी कारणों से वापस लौट आया है। चेन्नई हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। चेन्नई हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि करीब 209 यात्रियों को लेकर उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान लौट आया। उन्होंने कहा कि यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि 168 यात्रियों को लेकर गुवाहाटी से चेन्नई जा रहे इंडिगो का एक विमान को गुरुवार रात बेंगलुरू के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी, क्योंकि विमान के कैप्टन ने अपर्याप्त ईंधन के कारण मेडे (संकट) की चेतावनी दी थी। इंडिगो फ्लाइट 6ई-6764 (ए321) के पायलट ने शनिवार शाम 4.40 बजे गुवाहाटी से उड़ान भरी थी। शाम 7.45 बजे चेन्नई में उतरने का प्रयास किया लेकिन लैंडिंग गियर रनवे को छूने के बाद बाल्क्ड लैंडिंग नामक प्रक्रिया में गो अराउंड करने का फैसला किया। एक सूत्र ने कहा, बेंगलुरू हवाई अड्डे से लगभग 35 मील की दूरी पर कप्तान ने मेडे कॉल किया।

खरी-खरी

पहला कालम

सेप्टिक टैंक निर्माण कार्य का विवाद पुनः गहराया

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

ग्राम पंचायत तेलईकछार केनापारा में स्थित आदिशक्ति मां समलेश्वरी महामाया मंदिर समिति द्वारा पंचायत की सहमति पर पुजारी के निवास हेतु मकान व शौचालय हेतु सेप्टिक टैंक का निर्माण कराया जा रहा है। सेप्टिक टैंक निर्माण को लेकर उपजा विवाद दिनोंदिन गहराता जा रहा है। राजस्व विभाग द्वारा सोमवार २३ जून को पुनः गांव में पहुंच सैप्टिक टैंक के गड्ढे को भराए जाने की पहल की जाएगी। ग्रामीणों द्वारा अब इस मामले को लेकर उग्र आंदोलन की बात कही जा रही है। ग्रामीणों द्वारा मामले में अधिकारियों पर पक्षपात का आरोप लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत तेलईकछार केनापारा में स्थित आदिशक्ति मां समलेश्वरी महामाया मंदिर समिति द्वारा पंचायत व ग्रामीणों की सहमति पर पुजारी के निवास हेतु मकान व शौचालय हेतु सेप्टिक टैंक का निर्माण कराया जा रहा है। सेप्टिक टैंक निर्माण को लेकर पिछले दिनों उक्त भूमि के बाजू में स्थित भू स्वामी द्वारा सेप्टिक टैंक निर्माण कार्य पर रोक लगवाए जाने हेतु पिलखा नायब तहसीलदार के माध्यम से स्थगन आदेश जारी कराकर निर्माण कार्य को अवरूद्ध करा दिया गया था। इसके पश्चात यहां पर राजस्व विभाग की टीम द्वारा सीमांकन कार्य भी कराया गया, जिसमें सेप्टिक टैंक निर्माण स्थल को सड़क मद की भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दर्ज बताया गया था और आपत्तिकर्ता की बाउंड्रीवाल के कुछ हिस्से को भी शासकीय भूमि बता दिया गया था। इसके पश्चात ग्रामीणों द्वारा भटगांव विधायक व कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के अलावा सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज, प्रेमनगर विधायक भुलन सिंह मरावी, कलेक्टर से मुलाकात करके त्रुटि सुधार कराए जाने की मांग की गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से यहां पर स्थित खसरा नंबर ३८ में मंदिर के बाजू में सड़क मद की भूमि पूर्व के राजस्व रिकार्ड में दर्ज नहीं थी, वर्तमान राजस्व रिकार्ड में सड़क मद की भूमि दर्ज कराकर गलत तरीके से परेशान किया जा रहा है। यहां पर सेप्टिक टैंक निर्माण कार्य हेतु खोदाई कराए गए गढ्ढे स्टे की वजह से ज्यों की त्यों पड़ी हुई है। अब मामले में राजस्व विभाग द्वारा पुनः पहल शुरू करते हुए सोमवार २३ जून को उक्त सैप्टिक टैंक के गड्ढे को भरे जाने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

कोरोना से राजनांदगांव में हुई पहली मौत

राजनांदगांव। राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में शनिवार और रविवार की मध्य रात्रि में ग्राम लखोली के रहने वाले तुलाराम नामक व्यक्ति की कोरोना से मौत हो गई। हालांकि मृतक हृदय रोग के अलावा अन्य शारीरिक बीमारियों से ग्रसित था। मेडिकल कॉलेज में वह हृदय रोग के उपचार के लिए दाखिल हुआ था। कोरोना जांच के दौरान वह पॉजिटिव पाया गया। रात लगभग 1.30 बजे उसकी मृत्यु हो गई। कोविड-19 से स्थानीय मेडिकल कॉलेज में किसी की मौत की पहली जानकारी सामने आई है। मेडिकल कॉलेज प्रबंधन लगातार कोविड 19 से निपटने के सुरक्षा के उपाय कर रहा है।

रामानुजगंज प्रीमियर लीग के फायनल में बोहला ब्लास्टर की टीम रही विजेता

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)।

स्पोर्ट क्लब रामानुजगंज के तत्वावधान में चल रहे रामानुजगंज प्रीमियर लीग(आरपीएल) रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच नगर के हाई स्कूल मैदान में छत्तीसगढ़ रामानुजगंज के बोहला ब्लास्टर एवं झारखंड राज्य के गोदरमाना इलेवन के बीच नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल के मुख्यआतिथ्य में तथा वरिष्ठ अधिवक्ता आर के पटेल की अध्यक्षता में खेला गया। फाइनल मैच के विजेता टीम बोहला ब्लास्टर को ७१ हजार रूपए एवं शील्ड तथा उप विजेता टीम गोदरमाना इलेवन को ४१ हजार रुपए और शील्ड प्रदान किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने आयोजन समिति की प्रशंसा करते हुए कहां की लंबे समय के बाद रामानुजगंज में रात्रि कालीन क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। क्षेत्र के खिलाड़ी काफी समय से रामानुजगंज में रात्रि कालीन क्रिकेट मैच के आयोजन का इंतजार कर रहे थे। जिस प्रकार से इस मैच में आप दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी है यह क्रिकेट के प्रति आपके प्रेम को दर्शाता है निश्चित रूप से ऐसे आयोजनों से क्षेत्रीय प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलता है। क्षेत्र में क्रिकेट के एक से बढ़कर एक खिलाड़ी है जिन्हें यदि सही मार्गदर्शन एवं प्लेटफार्म मिले तो निश्चित रूप से बहुत अच्छा करेंगे, मेरा पूरा प्रयास रहता है कि ऐसे आयोजनों एवं क्षेत्र के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में अपना भरपूर योगदान दे सकूं। वरिष्ठ अधिवक्ता आर के पटेल ने भी आयोजन समिति की प्रशंसा करते हुए कहा की समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन होते रहने चाहिए जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बना रहे।

आयोजन समिति के प्रमुख अंकित गुप्ता कल्टू ने बताया की रात्रि कालीन क्रिकेट टूनार्मेंट में ३२ टीमों ने भाग लिया प्रतिदिन दो मैच हुए जो १५ दिनों तक चले। क्रिकेट टूनार्मेंट में छत्तीसगढ़ के साथ साथ झारखंड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की टीमें भी सम्मिलित हुए। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम गुप्ता, पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष बीडी लाल गुप्ता, पार्षद पवन गुप्ता, सुमित गुप्ता, विजय रावत, अर्जुन दास, मुकेश जायसवाल, अर्पित जायसवाल, अमित गुप्ता, अनूप कश्यप, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वहीं आयोजन को सफल बनाने में गोलू कश्यप, संतोष ठाकुर, भारती, कलीम, अंकित गुप्ता महामाया, मनजीत कश्यप, आकाश कश्यप, सनी दास, मिठू गुप्ता सक्रिय रहे।

६१ रन से बोहला ब्लास्टर ने किया जीत हासिल

क्रिकेट टीम के फाइनल मैच के विजेता बोहला ब्लास्टर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए १५१ रन बनाए वही गोदरमाना इलेवन को ९० रन में ऑल आउट कर दिया इस प्रकार ६१ रन से बोहला ब्लास्टर ने जीत हासिल की। बेस्ट बॉलर रेहला झारखंड के अमित, मैन ऑफ द सीरीज विक्रांत बारी रामानुजगंज, बेस्ट बॉलर पुट्टी कुमार, मैन ऑफ द मैच विक्रांत बारी को दिया गया। अंतिम मैच में विक्रांत ने ७५ रन बनाते हुए तीन विकेट चटकाए थे।

दो राज्यों के हजारों की संख्या में दर्शक रहे उपस्थित

लंबे समय के बाद रामानुजगंज में हो रहे रात्रि कालीन क्रिकेट मैच को लेकर दर्शकों का उत्साह देखते बन रहा था। १५ दिन तक चले मैच में प्रतिदिन हजारों की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे वही फाइनल मैच में तो दोनों राज्यों के दर्शकों से मैदान खचाखच भरा रहा। दो राज्यों के बीच में रोमांचकारी मैच को देखने के लिए दर्शक अंतिम तक डटे रहे।

शेड एवं चार लाइट की नगर पालिका अध्यक्ष ने की घोषणा

फाइनल मैच के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि हम सभी लगातार प्रयासरत है कि नगर की खिलाड़ियों के लिए बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो, यहां आने पर मुझे महसूस हुआ कि मंच पर शेड एवं खेल मैदान में और लाइट की आवश्यकता है जिसे देखते हुए उन्होंने मंच पर सेड निर्माण सहित लाइट लगवाने की घोषणा की।

पटना गांव में खदान विस्तार पर हंगामा, प्रबंधन के साथ हुई बैठक भी बेनतीजा

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र अंतर्गत आमगांव ओपन कास्ट परियोजना के विस्तार के लिए ग्राम पटना में खदान हेतु नए पैच की शुरूआत का प्रयास कर रही प्रबंधन टीम को लगातार कई दौर की बैठक में भी ग्रामीणों के लगातार विरोध का सामना करना पड़ा। बैठक के बाद एक बार फिर एसईसीएल प्रबंधन को खाली हाथ लौटना पड़ा,बताया गया कि इस बार की बैठक में विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी। गौरतलब है कि इस बार प्रबंधन ने विरोध की आग को शांत करने के बजाय एक नया कदम उठाते हुए पूर्व में नौकरी दिए गए ११४ ग्रामीणों को बैठा देने की चेतावनी दे डाली। साथ ही इन्हीं लोगों को समझाने का जिम्मा देकर कुसमुंडा व बैकुंठपुर क्षेत्र से ग्राम पटना बुलाया गया था, लेकिन यह दांव उलटा पड़ गया। ग्रामीणों के आक्रोश ने माहौल को गर्म कर दिया और बैठक विवाद में तब्दील हो गई। सूत्रों के अनुसार बैठक के दौरान ग्राम पंचायत की महिला सरपंच और समझाइश देने आए कर्मचारियों के बीच तीखी नोंकझोंक भी हो गई। एसईसीएल प्रबंधन का कहना है कि अगर ग्रामीण खदान खोलने की सहमति लिखित में दें, तो वे अगले छह महीने के भीतर उनकी सभी मांगें पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन ग्रामीणों का सीधा और सख्त जवाब है पहले काम, फिर बात। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक मुआवजा, नौकरी और विस्थापन से जुड़ी लंबित मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक वे जमीन किसी भी कीमत पर नहीं देंगे। ग्रामीणों के मुताबिक प्रबंधन दावा करता है कि वर्ष २००६ में भूमि अधिग्रहण किया गया था, लेकिन २०१७झ१८ के बीच मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू की गई, जो आज तक अधूरी है। कुल ३३४ किसानों की जमीन का अधिग्रहण हुआ, लेकिन अब तक महज करीब ११४ लोगों को ही नौकरी दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि ४६४ लोगों को नौकरी मिलनी थी, लेकिन आज भी सैकड़ों युवा दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। एसईसीएल प्रबंधन का कहना है कि वे केवल उन्हीं लोगों की भूमि पर कार्य शुरू करेंगे जिन्हें नौकरी और मुआवजा दे दिया गया है, लेकिन ग्रामीण इसे छलावा मान रहे हैं। उनका कहना है कि खदान शुरू होते ही बाकी लोगों के हक की लड़ाई दबा दी जाएगी और फिर कोई सुनवाई नहीं होगी। गांव के बुजुर्गों से लेकर युवाओं और महिलाओं तक में नाराजगी साफ देखी जा रही है। पटना गांव में खदान विस्तार की कोशिशें अब सिर्फ एक परियोजना नहीं रहीं, यह ग्रामीणों के हक, पहचान और भविष्य की लड़ाई बन चुकी है। जब तक मुआवजा और रोजगार के वादे पूरे नहीं होते, तब तक खदान की राह आंदोलन के अंगारों पर ही चलेगी। सूत्रों की मानें तो इन्हीं ११४ कर्मचारी के सहारे बड़ी तैयारी के साथ प्रबंधन गांव में पहुंचकर १-२ दिन के भीतर खदान शुरूआत करने की तैयारी में है।

राशन दुकान में सडे गले चावल का ग्रामीणों ने किया वीडियो वायरल, अधिकारियों ने की कार्रवाई की बात

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

ग्राम पंचायत मकनपुर के सोसायटी संचालक के घोर लापरवाही के वजह से ग्रामीणों को एवं गरीबों को मिलने वाला चावल लापरवाही की वजह से बरसात के दिनों में सडे गले चावल का ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर क्षेत्र के पत्रकारों को दिया है। ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम पंचायत मकनपुर का पीडीएस भवन काफी जर्जर अवस्था में है ,जिसकी रिपेयरिंग का भी कार्य किया गया था मगर क्षेत्र में बारिश होने के कारण पीडीएस भवन के छत से पानी बरसात की तरह गिर रहा है। न इसकी चिंता सोसायटी संचालक को है ना अधिकारियों को है।

बद से बत्तर स्थिति में सड़ते गलते चावलों को देखकर ग्रामीण का आक्रोश फूट पड़ा। ग्रामीणों ने कहा कि सड़े गले चावल को भी सोसाइटी में भेजा जा रहा है। जहां आए दिन इस तरह का समस्या के कारण छत्तीसगढ़ शासन को एक-एक ब्लॉक से अरबो अरबो रुपए का नुकसान हो रहा है। फिलहाल तो यह मामला देखने के लिए मिला है कि किस तरह से चावल सड़े गले चावल जिसके बोरी में फफूंद आ गए हैं शक्कर बह रहा है और सड़े गले चावल बहुत ही बदबू आ रही हैं। अब बात यह रह गई की ऐसी स्थिति स्थिति में बरसात के दिनों में ग्रामीण गरीबों गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोग इस तरह का चावल लेने पर मजबूर हो रहे हैं। यह इस क्षेत्र का कोई पहला मामला यह नहीं है बल्कि ११० पंचायत प्रतापपुर विकासखंड का रहने के बाद हर गांव का इसी तरह से समस्या बनी हुई है। सोसाइटी प्रबंधक किस तरह से सरकार के आंखों में धूल झोंक कर गरीब जनता को बेवकूफ बनाते हुए गरीबों का शोषण कर रहे हैं इसे सरकार को भी गंभीरता बढ़ाते हुए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

जांच कराई जाएगी- एसडीएम

एसडीएम ललिता भगत ने कहा कि इस विषय में तत्काल फूड इंस्पेक्टर से संपर्क कर मौका जांच के लिए भेजती हूं। जिसमें पूरा स्टाफ की गिनती की जाएगी और भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

मामला गंभीर -फूड इंस्पेक्टर

इस विषय में फूड इंस्पेक्टर शशि जायसवाल ने बताया कि मामला के गंभीरता को देखते हुए कारण बताओं नोटिस जारी कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी, ग्रामीणों को स्वच्छ चावल दिया जाएगा।

नियमित योग से बढ़ती है शारीरिक व मानसिक कार्यक्षमता- शुक्ला

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय डंगनिया रायपुर में योग महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें सुबह सैकड़ों कर्मियों ने सामूहिक योग अभ्यास का किया। पूरे प्रोग्राम की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग की गई, जिसका फायदा फील्ड में पदस्थ पावर कंपनी के कर्मचारियों अधिकारियों पेंशनरों के अलावा आम जनता ने भी उठाया। अब सभी के लिए पूरे वर्ष निशुल्क ऑनलाइन योग की व्यवस्था भी व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से की जारही है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा है, आज पूरे विश्व में योग को अपनाया जा रहा है।

योग अभ्यास से शारीरिक और मानसिक विकास होती है। स्वस्थ जीवनशैली के लिये योग को दिनचर्या में शामिल करना चाहिये, इससे मन प्रसन्न रहता है और कार्यक्षमता भी बढ़ती है। आज हमें अच्छे तरीके से योग की प्रक्रिया बताई गई है, इसे नियमित करने से ही लाभ मिलेगा। पॉवर कंपनी के भार प्रेषण केंद्र में योग की व्यवस्था की गई, इंटरनेशनल योग विशेषज्ञ डॉ. आनंद भारतीय ने योग प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया। उन्होंने वर्तमान तनावमुक्त रहने एवं बीमारियों से निदान के लिए भी योग अभ्यास कराये। उनके साथ योग प्रशिक्षक पलाश चंद्राकर एवं प्रदीप सिन्हा सहायक के रूप में उपस्थित थे। अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री विनोद अग्रवाल ने कहा कि भारत में पांच हजार साल पहले से योग की शुरूआत हुई। महर्षि पंतजलि ने योग दर्शन के जरिये इसे सूत्रित किया। आज पूरी दुनिया में योग भारतीय संस्कृति का गौरव बढ़ा रही है।

वन मंत्री ने किया बम्बूर तालाब अधोसंरचना कार्य का निरीक्षण,

नारायणपुर। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, सहकारिता, कौशल विकास एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने आज वार्ड क्रमांक 13, कुम्हारपारा में स्थित बम्बूर तालाब निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस तालाब का 30 लाख रुपए की लागत से अधोसंरचना का निर्माण किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत रिटेनिंग वॉल, पचरी निर्माण व अन्य कार्य शामिल है।

मंत्री श्री कश्यप ने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि कार्य को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जाए। इस दौरान उन्होंने तालाब में चल रहे सफाई में श्रमदान कर सफाई कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत साहू समाज की जिला और विकासखंड इकाई द्वारा एक अहम सामाजिक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर आयोजित हुआ। बैठक का उद्देश्य समाज में सिकल सेल बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना और इससे बचाव के उपायों को जन-जन तक पहुंचाना था। बैठक की शुरूआत खंड शिक्षा अधिकारी डीआर पैकरा ने सिकल सेल एनीमिया के वैज्ञानिक पहलुओं को समझाते हुए की। उन्होंने बताया कि यह बीमारी शरीर में हीमोग्लोबिन की अनुवांशिक गड़बड़ी के कारण होती

है, जिससे लाल रक्त कोशिकाएं अर्धचंद्राकार बन जाती हैं। परिणामस्वरूप मरीज को बार-बार एनीमिया, थकावट, हड्डियों में दर्द, बुखार और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं होती हैं। मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट इमरान खान ने इस बात पर जोर दिया कि अब समय आ गया है कि विवाह से पहले सिर्फ जाति और गुण नहीं, स्वास्थ्य भी मिलाया जाए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि विवाह से पहले सिकलिंग टेस्ट अवश्य कराएं और यदि दोनों पक्षों में यह बीमारी पाई जाती है तो सावधानीपूर्वक निर्णय लें, जिससे आने वाली पीढ़ी को इस बीमारी से बचाया जा सके। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित भगत ने सिकल सेल ग्रसित व्यक्तियों के लिए कुछ जरूरी सावधानियों को साझा किया, जैसे कि रोज ८झ१० गिलास पानी पीना, शरीर को निर्जल न होने देना, गर्म पानी की सिकाई से दर्द कम करना और हाइड्रोक्सीयूरिया दवा का नियमित सेवन करना। कार्यक्रम के अंतिम चरण में साहू समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष रामकृपाल साहू ने कहा कि समाज इस बीमारी के प्रति गंभीर है। उन्होंने घोषणा किया कि समाज में विवाह से पहले स्वास्थ्य कुंडली बनाना अनिवार्य किया जाएगा और गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।कार्यक्रम में समाज के मनीष दीपक साहू, सुशील साहू, रामप्राण साहू, नंदलाल साहू, पुष्पावती, फूलमती, गंगाराम, और शांति बाई प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनीष दीपक साहू ने कर इसे समाज के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक नई शुरूआत बताया। ज्ञात हो कि सिकल सेल जैसे गंभीर बीमारी के खिलाफ साहू समाज का यह जागरूकता प्रयास निश्चित ही न केवल समाज को बचाव की राह दिखाएगा, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील सामाजिक बदलाव की मिशाल भी बनेगा।

नक्सलियों ने आत्मसमर्पित नक्सली सहित 2 की हत्या कर दी

बीजापुर। पामेड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नक्सल प्रभावित ग्राम सेंड्राबोर और एमपुर में नक्सलियों ने शनिवार देर रात 2 ग्रामीणों समैय्या और वेको देवा का अपहरण के बाद मुखबिरी का आरोप लगाकर हत्या कर दी । बताया जा रहा है कि इनमें एक समैय्या पहले नक्सली था, उसने 2025 में आत्मसमर्पण कर दिया था, वहीं वेको देवा ग्रामीण है। इन्हें मिलाकर बीजापुर जिले में एक सप्ताह में यह 5 वीं हत्या है। लगातार नक्सलियों द्वारा की जा रही हत्या की वारदात से गांव में इतनी दहशत है कि कोई भी ग्रामीण घटना को लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि ऐसी घटना की जानकारी उनको मिली है, इसकी पुष्टि के लिए तस्दीक कारवाई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात बड़ी तादाद में हथियारबंद नक्सली सेंड्राबोर और एमपुर पहुंचकर आत्मसमर्पित नक्सली समैय्या और ग्रामीण वेको देवा का अपहरण कर ले गए। इस दौरान दोनों को नक्सलियों ने बेरहमी से पीटा, उन पर मुखबीरी का आरोप लगाते हुए नक्सलियों ने दोनों की बेरहमी से हत्या कर दी। नक्सली हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद दोनो ग्रामीण के शव को गांव में ही फेंककर फरार हो गए। वहीं इसकी जानकारी जब पुलिस को मिली तो जवानों को मौके के लिए भेजा गया है, पुलिस आज रविवार को मौके पर पंहुचकर नक्सली हत्या की वारदात के मामले की जांच कर रही है। पुलिस एवं सुरक्षाबलों के द्वारा की रही लगातार कार्यवाही में बड़े नक्सली कैडरों के मारे जाने एवं बड़ी तादाद में आत्मसमर्पण और गिरफ्तारी से पूरा नक्सली संगठन बेहद कमजोर पड़ चुका है,

एसईसीएल कर्मियों को ड्यूटी के लिए खदान ले जा रही बस नदी में गिरी,चालक की मौत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

शनिवार देर रात करीब १०:३० बजे एक बड़ा हादसा उस वक्त हो गया जब एसईसीएल कर्मचारियों से भरी यात्री बस खड़गवां थाना क्षेत्र के सोनगरा-खड़गवां मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत सुखदेवपुर के पास सुखाड पुलिया से सीधे नदी में जा गिरी। हादसे में बस चालक भटगांव निवासी रौशन लाल पिता चम्रकेश्वर ३७ वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार लगभग दर्जन भर से अधिक कोयला कर्मचारी घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही खड़गवां पुलिस और कंपनी की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए तत्काल एसईसीएल भटगांव अस्पताल लाया गया, जहां से गंभीर घायलों को अंबिकापुर के निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस में सवार सभी कर्मचारी भटगांव और जरही से महान-३ कोयला खदान (जगरन्नाथपुर) ड्यूटी हेतु ले जाए जा रहे थे। इस दौरान सुखाड पुलिया पर सड़क में बने गहरे गड्ढे की और वाहन की गति अधिक होने की वजह से चालक बस पर नियंत्रण नहीं रख पाया और बस अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। हादसे में चालक बस के नीचे दब गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

गंभीर हादसे की सूचना पर कलेक्टर-एसपी अस्पताल पहुंचे

हादसे की खबर से जरही और भटगांव कॉलोनी में हड़कंप मच गया। अस्पताल में परिजनों की

भीड़ उमड़ पड़ी। सूचना पर सूरजपुर कलेक्टर एस जयवर्धनऔर एसपी प्रशांत ठाकुर जीएम भटगांव श्री बोबडे,सहक्षेत्र प्रबंधक जगन्नाथपुर जी के रॉय रीजनल अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल लिया। अधिकारियों ने इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

टेंडर खत्म बाबजूद कंडम बस का उपयोग

सूत्रों के अनुसार, हादसा जिस बस से हुआ वह आठ दस वर्ष पुरानी बताई जा रही है। बता दें कि एसईसीएल में निविदा नियमों के मुताबिक टेंडर खुलने की तिथि में हायर किए जा रहे वाहन का रजिस्ट्रेशन दो वर्ष पहले का ही हो सकता है जबकि यहां आठ दस वर्ष पुरानी बस को ठेकेदार उपयोग कर रहा था।सूत्रों ने बताया कि उक्त बस का अनुबंध तिथि भी समाप्त हो चुका था ऐसे में आखिर किस तरह उक्त बस को कंपनी के अधिकारी चलवा रहे थे

इसकी जांच आवश्यक हो गई है।बता दे एसईसीएल में वाहन संचालन के लिए हर तीन वर्ष में नई गाड़ी की निविदा होती है, लेकिन ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से पुरानी गाड़ियां ही चल रही हैं। इस एक्सटेंशन के बदले अधिकारियों को कथित तौर पर कमीशन दिया जाता है।

गौरतलब है कि इसी स्थान पर चार साल पहले भी कर्मचारियों से भरी एक बस हादसे का शिकार हुई थी। तब भी कारण यही झ खस्ताहाल पुलिया और कंडम बस वजह बनी थी लेकिन इन सबके बावजूद महाप्रबंधक भटगांव मुख्यालय के अधिकारियों ने कोई सबक नहीं लिया और अब फिर मजदूरों की जान जोखिम में पड़ गई।

आईआर की बैठक में बीएमएस की बातों को तवज्जो नहीं

एसईसीएल में बीएमएस से नामित कंपनी सुरक्षा समिति सदस्य संजय सिंह ने बताया कि सप्ताह भर पहले एरिया आईआर की बैठक में श्रमिकों को खदान लाने ले जाने के कार्य में लगी बसों के कंडम हाल में होने जीएम सहित अधिकारियों को चेताया गया था लेकिन तब उनकी बात नहीं सुनी गई परिणाम स्वरूप हादसा हो गया।

कलेक्टर के सख्त निर्देशों की खुली उड़ रही धज्जियां, तान नदी से बेखौफ हो रहा अवैध रेत उत्खनन- प्रशासन बना मौनदर्शक

कोरबा अम्बिकावाणी – जिले में अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाने कलेक्टर के सख्त आदेश के बावजूद तान नदी सहित अन्य क्षेत्रों में रेत माफिया पूरी तरह बेखौफ नजर आ रहे हैं। प्रतिदिन ट्रैक्टर और ट्रेलरों के माध्यम से भारी मात्रा में रेत का अवैध खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि यह उत्खनन वन अधिकार क्षेत्र से किया जा रहा है, लेकिन वन विभाग और खनिज विभाग की चुप्पी से गहरी मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि रेत निकासी का यह अवैध कारोबार प्रशासन की नाक के नीचे संचालित हो रहा है। क्षेत्रीय मुंशी गौरव यादव और मनोज ने बताया कि कुछ ट्रैक्टर मालिक तान नदी से रेत निकालकर उसे कोनकोना गौठान में डंप करते हैं। इसके बाद यह रेत बिना किसी रॉयल्टी भुगतान के प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाए जा रहे पुल निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही है। गौर करने वाली बात यह है कि यह सारा खेल बांगो थाना से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर चल रहा है, फिर भी पुलिस व प्रशासनिक अमला कार्रवाई से कन्नी काटता नजर आ रहा है। इससे न केवल शासन को हर दिन लाखों रुपये के राजस्व की हानि हो रही है, बल्कि रेत माफियाओं को प्रशासनिक शिथिलता का लाभ भी मिल रहा है। हाल ही में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन, भंडारण और विक्रय पर रोक लगाने हेतु जिला टॉस्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी।

इस बैठक में वनमंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल, अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, उप संचालक खनिज विभाग प्रमोद नायक, सीआईएसएफ के कमांडेंट, एसडीएम, तहसीलदार और पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया था कि अवैध रेत कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध राजस्व एवं पुलिस विभाग समन्वय बनाकर कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके पूर्व भी इस विषय को लेकर मीडिया के माध्यम से अवगत कराया गया था, साथ ही संबंधित अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन भी दिया था। बावजूद इसके, महीनों बीत जाने के बाद भी किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई न किया जाना गंभीर सवाल खड़े करता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि रेत माफिया और जिम्मेदार अधिकारियों के बीच सांठगांठ के चलते यह गैरकानूनी गतिविधियां धड़ल्ले से जारी हैं। जिले में शासन के राजस्व को हो रहे इस व्यापक नुकसान और कलेक्टर के आदेशों की खुलेआम अवहेलना से यह संदेश स्पष्ट है कि यदि जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो यह माफिया तंत्र और अधिक मजबूत हो जाएगा और कानून का डर पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

वर्षों बाद युक्तियुक्तकरण से मिले गणित और विज्ञान के व्याख्याता

00 अभिभावकों ने जाहिर की खुशी

रायपुर। मोहला मानपुर जिले के हाई स्कूल वासड़ी में वर्षों बाद गणित और विज्ञान के व्याख्याता मिलने पर अभिभावकों और छात्रों में खुशी देखी जा रही है। अभिभावकों ने कल स्कूल में पहुंचकर खुशी अपनी जाहिर की। उन्होंने शिक्षकों की युक्तिकरण योजना की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

अभिभावकों ने कहा कि युक्तिकरण की योजना के कारण ही उन्हें इतने सालों बाद विज्ञान और गणित के व्याख्याता मिल पाए हैं।

सरयूपारीण ब्राह्मण सभा ने सभी शंकराचार्यों को परशुराम भगवान के जन्मदिन की घोषणा करने लिखा पत्र

रायपुर। ब्राह्मण कुलगौरव चिरंजीवी भगवान परशुराम जी के जन्म दिन के निर्धारण हेतु देश के चारों शंकराचार्य धर्मगुरुओं को पत्र लिख दिन तय कर घोषणा करने सरयूपारीण ब्राह्मण सभा ने आग्रह किया है। अध्यक्ष डॉ सुरेश शुक्ला ने बताया कि भगवान परशुराम जी ब्राह्मण कुलवंश के गौरव है,कलयुग में 8चिरंजीवी में 6 वें क्रम में वे आते हैं। सरयूपारीण ब्राह्मण समाज इनके सप्ताह के दिन में (जन्मदिन) सभी प्रमुख चौक चौराहों पर परशुराम जी का चित्र रख पूजा पाठ कर प्रसाद वितरण कर उनके आशीर्वाद प्राप्त करने की योजना बनाई हे। डॉ सुरेश शुक्ला ने बताया कि परशुराम जी का जन्म बैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को वर्ष में एक बार मनाया जाता हे लेकिन सप्ताह के सात दिनों में किस दिन जन्म हुआ इसकी स्पष्ट जानकारी किसी को नहीं है। इसी दिन के स्पष्ट निर्धारण हेतु देश के सभी चारों शंकराचार्य स्वामी सदानंदजी शारदा मठ गुजरात। शंकराचार्य जी श्रृंगेरी पीठ कर्नाटक। शंकराचार्य जी गोवर्धन पीठ पूरी ओडिशा। शंकराचार्य जी ज्योर्तिमठ बद्रिकाश्रम उत्तराखंड। एवं ब्रह्मचारी इंदुभवनंदन जी दांडी स्वामी शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला रायपुर। राजेश्री महंत डॉ महंत रामसुंदर दास दुधाधारी मठ रायपुर।

भू-राजस्व बकाया पर कुर्क की गई संपत्ति की होगी सार्वजनिक नीलामी

21 जुलाई को कटघोरा तहसील कार्यालय में होगा आयोजन

कोरबा अम्बिकावाणी - भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत बकाया राशि की वसूली के लिए तह सील कटघोरा अंतर्गत ग्राम नवागांव निवासी की स्थावर संपत्ति को कुर्क कर नीलामी की प्रक्रिया आरंभ की गई है। छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, १९५९ की धारा १४७(ग) के तहत की गई कार्रवाई में संबंधित व्यक्ति पर कुल १,७०,६७,०३७/- (एक करोड़ सत्तर लाख सड़सठ हजार सैंतीस रुपए) की राशि बकाया है, जिसमें आदेशिका शुल्क भी सम्मिलित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्ति ख.नं. ३६/१/क/१ एवं ३६/१/क/२, रकबा क्रमश ०.००९ हेक्टेयर और ०.०८९ हेक्टेयर भूमि की है। यदि नियत तिथि तक सम्पूर्ण बकाया राशि जमा नहीं की जाती है, तो उक्त संपत्ति को सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से दिनांक २१ जुलाई (सोमवार) को प्रातः ११ बजे, तहसील कार्यालय कटघोरा के सभाकक्ष में विक्रय किया जाएगा। नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक व्यक्तियों को संपत्ति की गाइडलाइन मूल्य १,४९,६५,२९५ रुपये के १० प्रतिशत के बराबर १४,९६,५३० रुपये की अमानत राशि डिमांड ड्राफ्ट के रूप में तहसीलदार कटघोरा के पक्ष में, निर्धारित नीलामी तिथि से दो दिन पूर्व यानी १८ जुलाई तक कार्यालय में जमा करनी होगी। नीलामी में भाग लेने के लिए यह अमानत राशि अनिवार्य है। नीलामी में उच्चतम बोली लगाने वाले को तत्काल २५ प्रतिशत राशि चेक के माध्यम से जमा करनी होगी तथा शेष ७५ प्रतिशत राशि १५ दिवस के भीतर जमा करनी होगी। निर्धारित समयसीमा में भुगतान नहीं करने पर अमानत राशि राजसात की जाएगी, एवं द्वितीय बोलीदाता को संपत्ति का क्रेता घोषित किया जाएगा। साथ ही, प्रथम बोलीदाता से अंतर की राशि भू-राजस्व की बकाया वसूली की भांति वसूल की जाएगी। नीलामी केवल गाइडलाइन मूल्य (आफसेट मूल्य) या उससे अधिक की बोली पर ही मान्य होगी। घोषित क्रेता द्वारा संपत्ति के पंजीयन से संबंधित समस्त शुल्कों का वहन स्वयं करना होगा। संबंधित बोलीदाताओं को अपने साथ वैध पहचान पत्र तथा विगत तीन वर्षों के इनकम टैक्स रिटर्न की प्रतिलिपि लाना अनिवार्य है। बोली के बाद, सबसे अधिक बोलीदाता के पक्ष में विक्रय तभी प्रभावी माना जाएगा जब सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसकी पुष्टि की जाएगी। नीलामी की प्रक्रिया को किसी भी स्तर पर, बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार संबंधित प्राधिकृत अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा।

जो प्रतिभागी सफल नहीं होंगे, उनकी अमानत राशि (द्वितीय बोलीदाता को छोड़कर) १५ दिनों के भीतर लौटा दी जाएगी, जिस पर किसी भी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा।

एक पृथ्वी , एक स्वास्थ्य की थीम पर नागरिक आपूर्ति निगम ने मनाया योग दिवस

रायपुर। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नागरिक आपूर्ति निगम में राज्य स्तरीय योग शिविर का आयोजन उत्साह और अनुशासन के साथ किया गया। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव ने योग के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग आज केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण मानवता के लिए स्वस्थ जीवन का मार्ग बन चुका है। प्रातः 7 बजे प्रारंभ हुए इस योग शिविर में श्री श्रीवास्तव के आह्वान पर निगम मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एक साथ योगाभ्यास में सम्मिलित हुए। प्रशिक्षकों के निर्देशन में विविध योग क्रियाओं का अभ्यास किया गया। श्रीवास्तव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का विज्ञान है। यह जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी। इस वर्ष की थीम ़योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ़ है, जो पृथ्वी और मानव स्वास्थ्य के गहरे संबंध को दशार्ती है।

न्यू रेल क्लब ऑडिटोरियम में महाप्रबंधक एवं अधिकारियों ने किया योगाभ्यास, नियमित योग करने का लिया संकल्प

बिलासपुर। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्यालय सहित तीनों रेल मंडलों, प्रमुख स्टेशनों एवं विभिन्न कार्यस्थलों पर योग शिविरों एवं योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इसी श्रृंखला में, प्रातः 08 बजे से न्यू रेल क्लब ऑडिटोरियम, तितली चौक, बिलासपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यालय सेक्रो अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी शर्मा उपस्थित रहीं। समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। योग शिक्षक श्री एल.पी. नायक के मार्गदर्शन में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, सेक्रो अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार साहू, विभागाध्यक्षगण, मंडल रेल प्रबंधक (बिलासपुर), अधिकारीगण, कर्मचारी, उनके परिजन एवं स्कूली बच्चों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। इस अवसर पर योग की विभिन्न क्रियाओं, आसनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया एवं योग से शरीर और मन पर पड? वाले सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी गई।

महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि ़योग भारत की प्राचीन परंपरा का अमूल्य उपहार है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखता है। रेलवे जैसी 24म7 कार्यसंस्कृति में योग न केवल मानसिक शांति देता है, बल्कि कार्यक्षमता और ऊर्जा को भी बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि ़योग को केवल एक दिन का आयोजन न मानें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाएं। 'करें योग, रहें निरोगइ को हम सभी को जीवन का मंत्र बनाना चाहिए। कार्यक्रम में भारतीय योग संस्थान, बिलासपुर के प्रशिक्षक श्री एल.पी. नायक द्वारा प्रतिभागियों को योग की बारीकियों से अवगत कराया गया और विभिन्न आसनों व प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इसके अतिरिक्त, एनईआई स्केटिंग ग्राउंड, रेल संस्कृति निकेतन, रेलवे स्कूलों एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर भी योग सत्रों का आयोजन किया गया, जहाँ कर्मचारियों, उनके परिजनों और स्थानीय स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, नागपुर एवं बिलासपुर मंडलों में भी योग दिवस के अवसर पर व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। रायपुर और नागपुर मंडलों में सभी कार्यालयों, स्टेशनों एवं कार्य स्थलों पर प्रातः 06:30 बजे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक साथ योगाभ्यास किया।

शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने जिला प्रशासन द्वारा की जा रही निरंतर कार्यवाही, हनुमान मंदिर आईटीआई रामपुर के पास किए गए अतिक्रमण को कराया गया मुक्त

नगर निगम कोरबा की अतिक्रमण दस्ता द्वारा की गई कार्यवाही

कोरबा अम्बिकावाणी - शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है।

कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में प्रशासन द्वारा नजूल भूमि पर कब्जा या अवैध निर्माण पर सतत कार्यवाही करते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम कोरबा की अतिक्रमण दस्ता टीम द्वारा नगरीय क्षेत्र कोरबा के आईटीआई चौक रामपुर के समीप हनुमान मंदिर के पास अतिक्रमण कर्ता राजेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण कर किए गए कब्जे पर बेदखली की कार्यवाही करते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। साथ ही अतिक्रमण कर्ता के विरुद्ध पुलिस विभाग द्वारा प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी किया गया है। गौरतलब है कि अतिक्रमण कर्ता राजेंद्र सिंह ठाकुर पिता दिलहरन सिंह एवं दिलहरन सिंह पिता स्नेही सिंह के द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण कर अतिक्रमण किया जा रहा था, जिस पर नगर निगम की टीम द्वारा बेजा कब्जा को हटाने उपरांत सिविल लाइन थाना रामपुर द्वारा बीएनएसएस की धारा १२६, १३५ (३) के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया।

अदालती नोटिस
हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण)
प्रारूप
न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, सोनभद्र
वाद संख्या-170 सन् 2023
सुनैना गुप्ता बनाम सिद्धान्त गुप्ता

सुनैना गुप्ता पत्नी सिद्धान्त गुप्ता व उम्र लगभग 20 वर्ष, निवासी ग्राम भटगांव, थाना भटगांव (हाट मैन) जिला सूरजपुर, छत्तीसगढ़। हाल मुकाम पुत्री श्याम मुरारी, ग्राम बंरवे, थाना बभनी, जिला, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश। ....परिवादिनी।
बनाम
सिद्धान्त गुप्ता पुत्र जय प्रकाश गुप्ता निवासी ग्राम भटगांव (हाट मैन) थाना भटगांव (हाट मैन) जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़। हालपता शुभम किराना स्टोर ग्राम व पोस्ट भटगांव (हाट मैन) जिला सुरजपुर छत्तीसगढ़। ....विपक्षी।
(अं०धारा-125 सी०आर०पी०सी०, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र)

चूंकि उपर नामांकित सुनैना गुप्ता ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि सिद्धान्त गुप्ता पुत्र जय प्रकाश गुप्ता, निवासी ग्राम भटगांव (हाट मैन) थाना भटगांव (हॉट मैन) जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ संदर्शित करने के लिए सन् 2025 के 07 के 10 दिवस को 10 बजे पूर्वाह्न स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उप सजात हो अड़ैर ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय सुना जाएगा और आवणारित किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 2025 के 06 के 21 दिवस की निकाली गयी है।

न्यायालय की आज्ञा से
मुंसरिम

नाम परिवर्तन/ संसोधन सूचना

मैं मो० अर्श अन्सारी आत्मज मो० अयुब अन्सारी उम्र 18 वर्ष जाति मुस्लिम निवासी नमना कला पावर हाउस अम्बिकापुर का निवासी हूँ।

मेरा उपरोक्त नाम बचपन का था चूंकि अब मेरा वास्तविक नाम मोहम्मद अरमान अन्सारी है। 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, आधार कार्ड नं० 4269 9147 2878 में सही नाम अंकित है।

अतः मेरे 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं का अंकसुचि एवं आधार कार्ड नं 4269 9147 2878 अंकित नाम मोहम्मद अरमान अन्सारी से जाना जाए एवं उसी को वास्तविक नाम माना जाए।

नाम- मोहम्मद अरमान अन्सारी
नमनाकला, पावर हाउस
अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)
//ईश्तहार//
(अंतर्गत धारा 247(4) छ०ग० भू राजस्व संहिता 1959)

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक संस्था श्री सिमेंट लिमिटेड, सिविल लाईन रायपुर वर्तमान पता ग्राम खपराडीह पोस्ट रावन, तहसील सुहेला जिला बालौदाबाजार, भाटापारा (छ०ग०) द्वारा छ.ग. भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 247(4) अंतर्गत ग्राम कुम्दा तहसील लटोरी जिला सूरजपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 377, 399/1, 400, 401/1, 402, 403, 404, 407, 414/1, 414/3, 414/4, 414/6, 414/8, 415/1, 426, 427/3, 427/6, 428/2, 431 कुल रकबा 5.100 हेक्टेयर भूमि का भू-सतही अधिकार आवेदक कम्पनी को प्रदाय किये जाने का अनुरोध किया गया है। कार्यालय कलेक्टर सूरजपुर के पत्र क्रमांक 792/ भू-अर्जन/ 2024 दिनांक 07.02.2024 द्वारा श्री सीमेंट लिमिटेड के आवेदन पत्र क्रमांक 98 दिनांक 12.12.2023 पर नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु लेख किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 08/07/2025 तक न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।
स्थान-सूरजपुर।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

यदि आप अपना अवगुणों रूपी कचरा भगवान को दे दें तो कोई भी व्यक्ति आप पर कीचड़ नहीं उछालेगा।

0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

नक्सलियों का हिंसक होना

सरकार के आक्रामक रुख के बावजूद नक्सलियों का हिंसक होना वाकई दुखद है। छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंग विस्फोट में एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहीद हो गए। इस घटना में दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए। जबकि नक्सलवाद पर नकेल बीते वर्ष की उपलब्धि कही जा सकती है।

इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृह मंत्री अमित शाह को जाता है, पर इसमें राज्यों की भूमिका भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं रही है। बीते वर्ष अकेले छत्तीसगढ़ में ही करीब एक हजार से अधिक नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। सबसे अधिक नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए।

नक्सलियों की कमर सबसे अधिक छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है। यहां लगभग 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इस चोट के बावजूद नक्सली संगठन गाहे-बगाहे सुरक्षा बलों को निशाना बना ही रहे हैं। ये जानते हुए कि अब उनके दिन गिनती के रह गए हैं। हिंसा का रास्ता वैसे भी लंबी दूरी तय नहीं करता है। नक्सलियों ने अपने गिरेबान में झांकने के बजाय भोले-भाले ग्रामीणों के कंधे पर रख अपना उल्लू सीधा किया। यह धत कर्म ये नक्सली संगठन लंबे वक्त से करते रहे हैं।

हालांकि मोदी सरकार ने अपने 11 वर्ष के शासनकाल में नक्सलियों की कमर लगभग तोड़ दी है, लेकिन सुरक्षा बल के अधिकारी की हत्या करना यह दर्शाता है कि वो निराश हो चुके हैं और समाज की मुख्यधारा में लौटने की उनकी मंशा बिल्कुल भी नहीं है। जबकि सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की भी शुरू आत की।

इससे न केवल हिंसा में कमी आई, बल्कि स्थानीय लोगों की दुारियां भी कम हुई। इस कारण उन लोगों का मन बदला। तमाम उपायों के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था। सरकार ने इस मोर्चे पर भी काम किया। सुरक्षा बलों की प्रभावी उपस्थिति हर संभव स्तर पर की। स्वाभाविक तौर पर सरकार बचे-खुचे नक्सलियों के खात्मे के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाएगी। हां, इस अभियान में निर्दोष लोगों को बेवजह परेशान न किया जाए, इस बात का ख्याल रखने की महती जरूरत है।

नारी शक्ति की डिजिटल उड़ानः तरक्की की नई परिभाषा

सावित्री ठाकुर

वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक निर्णायक बदलाव की शुरूआत हुई, तभी से भारत ने डिजिटल प्रगति की एक नई दिशा पकड़ी। इन 11 वर्षों में 'डिजिटल इंडिया मिशनइ जैसे जन-केंद्रित अभियानों ने करोड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित किया है-विशेषकर महिलाओं के लिए यह परिवर्तन आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण और सम्मान की ओर एक ऐतिहासिक कदम साबित हुआ है। आज की 21वीं सदी में तकनीक सिर्फ शासन और अर्थव्यवस्था को ही नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना को भी बदल रही है।

और इस बदलाव की सबसे सशक्त मिसाल हैं वे महिलाएं, जो डिजिटल युग में नए अवसरों के साथ नई उड़ान भर रही हैं। पहले डिजिटल साक्षरता बड़े शहरों तक ही सीमित थी, लेकिन वहां भी इसकी पहुंच कम थी, और ग्रामीण महिलाओं के लिए तो तकनीक जैसे कहीं थी ही नहीं। लेकिन 'डिजिटल इंडियाइ मिशन के तहत शुरू किए गए योजनाबद्ध प्रयासों ने इस तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है। विशेष रूप से 2017 में प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान ने करोड़ों ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल रूप से सशक्त किया है। अब वे स्मार्टफोन, इंटरनेट और डिजिटल टूल्स के माध्यम से सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सेवाओं, टेलीमेडिसिन और अन्य सुविधाओं का सीधे लाभ उठा रही हैं। इस अभियान के तहत 6 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें 53त्न से ज्यादा महिलाएं हैं। साथ ही, स्वयं सहायता समूहों को ऑनलाइन लेनदेन, उद्यमिता और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसरों से जुड़ पा रही हैं।

2014 में शुरू हुई प्रधानमंत्री जन धन योजना, जो जेएएम ट्रिनिटी ट्रिनिटी (जनधन, आधार, मोबाइल) के साथ मिलकर विश्व का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम बन चुकी है, ने भारत में आर्थिक सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी है। पहले जहाँ करोड़ों महिलाओं के पास बैंक खाते तक नहीं थे और सरकारी लाभ बिचौलियों के हाथों में चले जाते थे, वहीं अब जनधन, आधार और मोबाइल की ट्रिनिटी ने वित्तीय समावेशन को एक नई दिशा दी है। इस डिजिटल क्रांति के कारण महिलाएं सीधे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए अपने बैंक खातों में योजनाओं का लाभ पा रही हैं। इससे पारदर्शिता के साथ-साथ महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और पारिवारिक फैसलों में उनकी भूमिका भी मजबूत हुई है।

डिजिटल कौशल और भविष्य की तैयारी

तकनीक आधारित प्लेटफॉर्म्स ने शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। स्किल इंडिया मिशन और ई-स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों से लाखों लड़कियों और महिलाओं को उनके मोबाइल पर अब प्रशिक्षण मिल रहा है। इससे वे बेहतर कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन रही हैं और नए रोजगार के अवसर प्राप्त कर पा रही हैं। यह बदलाव पहले के सीमित संसाधनों और पहुंच से कहीं अधिक व्यापक और सशक्त है।

स्वयं और दीक्षा जैसे पोर्टल्स ने महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है, विशेषकर कोरोना महामारी के दौरान जब समस्त दुनिया ठहर सी गई थी। अब महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और कौशल विकास मंत्रालय की संयुक्त पहल के अंतर्गत 19 राज्यों के 27 जिलों में किशोरियों को डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में अग्रसर हो सकें।

डिजिटल युग में महिला उद्यमिता को नया संबल

एक समय था जब महिलाओं के छोटे व्यवसाय घर की चारदीवारी तक ही सीमित रहते थे और बाजार तक पहुंच बनाना एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन बीते वर्षों में महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स और लघु उद्योगों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है। महिला ई-हाट और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस जैसे मंचों के माध्यम से अब महिलाएं न केवल अपने उत्पाद ऑनलाइन बेच रही हैं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपनी पहचान बना रही हैं। सोशल मीडिया, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम ने उन्हें एक उद्यमी के रूप में आगे बढ़ने और अपना ब्रांड खड़ा करने का आत्मविश्वास दिया है।

स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा में तकनीक की भूमिका

पोषण ट्रैकर, आरसीएच पोर्टल और ईसंजीवनी जैसे डिजिटल टूल्स ने माताओं एवं एवं बच्चों से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी को बेहद आसान और प्रभावशाली बना दिया है। अब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा बहनें मोबाइल ऐप्स की मदद से लाभार्थियों की निगरानी, रिपोर्टिंग और सेवा वितरण का कार्य आसानी से कर पा रही हैं। महिलाओं की सुरक्षा लंबे समय तक एक ऐसा क्षेत्र रहा, जहाँ तकनीक और त्वरित सहायता तंत्र की गंभीर कमी महसूस होती थी। इस कमी को दूर करने के लिए मोदी सरकार ने ईआरएसएस-112, पैनिक बटन और महिला सुरक्षा ऐप्स जैसे प्रभावशाली उपाय लागू किए, जिनसे अब महिलाएं सार्वजनिक स्थलों पर खुद को पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित महसूस कर रही हैं।

एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, और गणित) में महिलाओं की भागीदारी

एसटीईएम जैसे क्षेत्रों में लड़कियों की भागीदारी कभी सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। विज्ञान ज्योति और बुद्धिमान-किरण योजना जैसी पहलें छात्राओं को एसटीईएम क्षेत्रों में आगे बढ? के लिए प्रेरित कर रही हैं। भारतीय महिलाएं अब अंतरिक्ष अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम

पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल तकनीक महिलाओं के जीवन में अभूतपूर्व क्रांति लाई है। 2014 से अब तक समावेशी नीतियों, योजनाबद्ध प्रशिक्षण और तकनीक की पहुँच के जरिए लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर किया गया है। अमृत काल की ओर बढ़ते भारत में यह परिवर्तन महिलाओं को केवल भागीदार ही नहीं, बल्कि विकास यात्रा की अगुवा बना रहा है। एक डिजिटल रूप से सशक्त महिला आज केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकसित भारत की निमार्ता है।

चित्र विवरणः एआई द्वारा निर्मित चित्र

लेखिका महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री भारत सरकार हैं

संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल

अनिल चमड़िया

मीडिया के करोबार का विश्लेषण करने वाले एक बेहद उलझे हुए प्रश्न से जूझ रहे हैं। एक तरफ तो यह दावा किया जाता है कि पढ? और खासतौर से समाचार पत्र और पत्रिका की संस्कृति खत्म हो रही है, लेकिन दूसरी तरफ भारत सरकार ने 2024-2025 में पत्र-पत्रिकाओं की संख्या और उनकी प्रसार संख्या में बढ़ोतरी का दावा किया है।

एक प्रश्न तो यहां एक दूसरे के विरोध में खड़े दावों का है। दूसरा; सरकार के समाचार पत्र-पत्रिकाओं, टीवी और दूसरे माध्यमों के विस्तार होने का दावा क्या इस दावे की पुष्टि करता है कि देश में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हुई है? क्योंकि मीडिया की आजादी की स्थिति पर नजर रखने वाले वैश्विक संगठनों का दावा है कि भारत में मीडिया के आजाद होने की स्थिति में लगातार गिरावट आई है। तब क्या इसका मतलब यह लगाया जा सकता है कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के विकास और विस्तार का मापक संचार माध्यमों की संख्या का बढ?ा तो हो सकता है, लेकिन उसका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के उपयोग की स्वतंत्रता का विस्तार के दावे से कोई संबंध नहीं है। तब इसका अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि लोकतंत्र में नागरिकों के अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का संविधान में उल्लेख तो हो सकता है, लेकिन उस अधिकार का इस्तेमाल मीडिया कंपनियां अपने हितों में करती है। पूरी दुनिया की तरह भारत में भी प्रिंट की तकनीक पर आधारित संचार माध्यमों ने जन जीवन को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। इतिहास में यह विश्लेषण मिलता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से राजनीतिक सत्ताएं इसे नये तरह के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगी। भारत में भी संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल की प्रवृत्ति के बढ? को लेकर स्वतंत्रता के बाद से ही चिंता जाहिर की जा रही है। संचार माध्यमों खासतौर से समाचार माध्यमों की राजनीतिक सत्ता के पक्षधर होने की आलोचना होती है।

आपातकाल के बाद से यह आलोचना ज्यादा मुखर हुई है। आंकड़े संख्या की भाषा में प्रस्तुत होते हैं, लेकिन उनका विश्लेषण आंकड़ों के भीतर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात के कड़वे विवरणों को सतह पर ला देता है। आंकड़ों के रूप में संचार माध्यमों के विस्तार पर नजर डालें तो यह तथ्य काबिले गौर है कि 1857 में तब के भारत में 475 अखबार निकलते थे और उनमें से अधिकांश प्रांतीय भाषाओं में निकलते थे। इन समाचार पत्रों की प्रसार संख्या भी आबादी की तुलना में बेहद कम होती थी। 2025 की तुलना में इस समय छपी सामग्री को पढ? की क्षमता अपेक्षाकृत बेहद कम थी, लेकिन स्वतंत्रता के आंदोलन से नागरिकों में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के प्रति चेतना इतनी गहरी थी कि अपने अधिकार के इस्तेमाल के लिए संचार माध्यमों पर निर्भरता ज्यादा नहीं बढ़ी। यही वजह हो सकती है 1957 तक रोजाना छपने वाले समाचार पत्रों की तादाद महज 446 थी। भारत सरकार के आंकड़े बताते हैं कि चुनावी वर्षो के आसपास रोजाना के समाचारपत्रों की संख्या तुलनात्मक रूप से ज्यादा हो जाती है। चुनाव के बाद के वर्षो में संख्या में विस्तार की गति कमजोर हो जाती है।

मसलन 1984, 1985 और 1986 में प्रकाशित समाचार पत्रों की संख्या का विश्लेषण किया जा सकता है। इसी तरह 1989 और 1999 में भी समाचार पत्रों की संख्या की गति तेज होने का उदाहरण मिलता है। बाद के चुनाव के इर्द-गिर्द के वर्षो पर नजर डालने के बाद 2014 से पूर्व समाचार पत्रों की संख्या पर नजर डालें तो इसके स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि चुनाव के मद्देनजर समाचार पत्रों की उपयोगिता की गति पहले के मुकाबले ज्यादा बढ़ी। 2012-13 में 12109 रोजाना के समाचार पत्र थे और उसके के बाद 2013-2014 में समाचार पत्रों की संख्या 13350 यानी एक हजार से ज्यादा नये पत्र निकले। 2012-2013 में समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 8.43 प्रतिशत है। यह प्रवृत्ति 2024 तक देखी जा सकती है। 2019-2020 के आंकड़े बताते हैं कि अकेले इस वर्ष समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 19.52 प्रतिशत है। देश में राजनीतिक सत्ता आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सतहों पर आकार लेती है। जाति और घर्म तो राजनीतिक सत्ता के आधार में होते ही हैं, लेकिन जाति और धर्म का भी एक भाषाई आधार देखने को मिलता है। हिन्दी में सबसे ज्यादा 60107 प्रकाशन होने की जानकारी मिलती है। इसके बाद अंग्रेजी में 20175 प्रकाशन हुए मगर इनकी तुलना में कश्मीरी और डोगरी में सबसे कम संख्या देखने को मिलती है। उर्दू में प्रकाशन की संख्या 7027 है। भाषा के आधार पर समाचार पत्रों पत्रिकाओं के विस्तार का विश्लेषण करें तो इनकी छवि राजनीतिक प्रचारक के रूप में दिखती है। संचार माध्यमों के विस्तार का आधार क्या शैक्षणिक, नागरिकों की आर्थिक स्थितियां, आबादी आदि होती है। आंकड़े इस तरह के तकरे व कसौटी को स्वीकार नहीं करते हैं।

जाति जनगणना का निर्णय मजबूरी या जरूरत

पहलगाम आतंकी हमले के पश्चात देश में भारत-पाक युद्ध की आशंका बन रही थी। इस तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संकट के समय में राजनीतिक मामलों पर कैबिनेट कमिटी की बैठक से जातिगत जनगणना कराने की खबर ने देशवासियों को चौंका दिया था।

आश्चर्यचकित होने का पहला कारण था फैसले का समय और दूसरा इस मुद्दे पर भाजपा का यू-टर्न। गौरतलब है कि इस सवाल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प-यात्रा के एक कार्यक्रम में कहा था कि उनके लिए देश में सिर्फ चार जातिया हैं- मजदूर, युवा, महिला और किसान। इस आलोक में यह भी बताना जरूरी है कि उपरोक्त टिप्पणी का उद्देश्य बिहार में तत्कालीन महागठबंधन सरकार द्वारा कराई जा रही जाति सर्वे को सार्वजनिक तौर पर खारिज करना था। अब जबकि इस वर्ष बिहार विधानसभा चुनाव आसन्न है, भाजपा के इस निर्णय को यू-टर्न कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। जातिवार जनगणना के पक्षकारों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि देर आए, दुरु स्त आए, लेकिन निर्णय के टाइमलाइन पर संशय व्यक्त किया गया था जिसके प्रति-उत्तर में अब एनडीए सरकार ने अगामी प्रक्रिया के समय सारणी की भी घोषणा कर दिया। आखिर क्यों? बीते वर्षो में भाजपा ने सदन से सड़क तक इसका जमकर विरोध किया था। कहा जा सकता है कि क्या यह निर्णय मजबूरी में लिया गया या इसके जरूरत को स्वीकारा गया है। यह जानना बेहद दिलचस्प है। उत्तर-मंडल काल में जातिगत जनगणना की मांग निस्संदेह ओबीसी राजनीति के केंद्र में निरंतर रही है। तत्कालीन प्रधानमंत्री एच. डी. देवगौड़ा के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा सरकार ने पहली दफा फैसला लिया था कि 2001 में जातिगत जनगणना होगी, परंतु वर्ष 1999 में सरकार बदली और फैसला भी बदल गया। एनडीए सरकार में तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने सदन को सूचित किया था कि सरकार जातीय जनगणना नहीं कराएगी। सर्वविदित है कि भारतीय समाज का सबसे बड़ा हिस्सा सामाजिक-शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग था जिसमे लगभग तीन हजार जातियां शामिल थी। इन्हें मुख्यधारा से जोड?ा और विकसित करना किसी भी सरकार के लिए संवैधानिक प्रतिबद्धता मानी गई है। इस उद्देश्य से संविधान का एक पूरा का पूरा भाग -16 (अनुच्छेद 330-342) राष्ट्र को समर्पित है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए काका कालेलकर आयोग (प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग) एवं मंडल आयोग (दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग) का गठन हुआ किया गया था। इन रिपोर्ट में जाति जनगणना की जरूरत अंकित होने के बावजूद दशकों से यह मांग लंबित पड़ी थी।

0 प्रो. नवल किशोर

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1358

1		2	3	4		5	
		6			7		
8	9			10			
	11		12		13	14	15
16					17		
18	19	20			21		
22				23			
		24				25	

संकेत: बाएं से दाएं

1. दुनिया की सबसे लंबी गुफा इस देश में है इसकी लंबाई का अंदाजा इसी बात से लगया जा सकता है किस इसमें एक नदी और जंगल भी है (5)
5. किसी संख्या को उसी संख्या से गुणा करने पर प्राप्त होने वाला गुणनफल (2)
6. लुब्ध करना, चुग्गा डालना या दाना डालना (5)
8. एक प्रशंसा सूचक संबंधी उद्गार (3)
10. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी)(2)
11. सनिश्चय नहीं, बिल्कुल नहीं (3)
13. आसान, सरल, सामान्य (3)
17. रस्म, प्रथा, दस्तूर, रीति (3)
18. दौड़ने वाला, दौड़ाक (3)
21. दोष, मनोविकार, तकलीफ (2)
22. हीन होने का भाव, अभाव (3)
24. एक स्त्री से प्रेम करने वाले आपस में दो व्यक्ति (2)
25. निशाना, अनुमेय (2)

ऊपर से नीचे

1. पंजाब की व्यास नदी का नाम, जिसका अर्थ होता है पाशमुक्तकारिणी (3)
2. खोजना, चाहना (4)
3. कमल, कुमुद आदि की लंबी और खोखली डंडी, लोहे का अर्धचंद्राकार टुकडा (2)
4. मचलने का भाव, लालसा, हठ (3)
5. यह देश पश्चिमी अफ्रीका में है जिसकी राजधानी अक्रा है (2)
7. गंगा नदी को यह भी कहा गया है (5)
9. नाट्य वेश , परिधान, वर्णधर्म (2)
12. असम की पहाड़ियों में बसने वाली एक जंगली जाति, अनुपस्थिति, गैर हाजिरी (2)
14. विविध भारती से नाटकों पर आधारित एक दैनिक कार्यक्रम (5)
15. न्यायाधी, फैसला करने वाला (2)
16. अवरोधहीन, अबाधित (4)
19. जंगल, अरण्य, कानन (2)
20. पंक्ति, श्रेणी, क्रम, सिलसिला (3)
23. समस्त, एक प्रसिद्ध टीवी चेनल (2)

वर्ग पहेली 1357 का हल

मा	ल	दी	व		लो	हि	त
ली	ल	ना		न	भ	च	र
	क	पा	ल			क	फ
गु		ठ	ग		पा	ना	
ल	ट	क	न		श्वे		बु
ब	ल			लू		शा	खा
द	ना	द	न		सा	द	र
न		ही	र	रां	झा		

एकदा

हिंसक होते प्रदर्शन

मणिपुर में इम्फाल जिले के क्वाकेथेल सिंगजामेई में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई। तुलिहाल के उप-विभागीय कलेक्टर कार्यालय को जलाये जाने से सरकारी रिकॉर्ड नष्ट हुए और इमारत को भी नुकसान हुआ। मैतई संगठन अरम्बाई तेंगोल के नेता कानन सिंह समेत चार की गिरफ्तारी का बाद निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए रात भर मशाल जुलूस निकाला। महिला समूहों ने भी इस प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों की आवाजाही में अवरोधक बनाए, सड़कों पर मिट्टी के ढेर लगा दिए और जगह=जगह टायरों को जलाया। हिंसक होते प्रदर्शन को रोकने के लिए इम्फाल पश्चिम व पूर्व, थौबल, बिष्णुपुर, काकचिंग जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई। मई 2023 से मैतई और कुकी के दरम्यान चलल रही जातीय हिंसा में ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। राज्य विधानसभा के निलंबन के बाद से 13 फरवरी से राज्य में राष्ट्रपति शासन के अधीन है। स्थानीय जनता तत्काल सरकार के गठन की मांग कर रही है। सीबीआई विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के चलते गिरफ्तारियां भी कर रही है। केंद्र द्वारा जून 2023 में तीन सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था। उसी साल अगस्त में सबसे बड़ी अदालत ने राज्य की संवैधानिक मशीनरी के पूरी तरह ध्वस्त होने की बात भी की थी।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

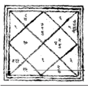

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल

10 :43 से 12 :23 तक- लाभ

12 :23 से 14 .04 तक- अमृत

20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः मेष वालों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। लॉ के क्षेत्र से जुड़े स्टूडेंट के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज कहीं से एक केस आपके हाथ लग सकता है। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है।

वृष राशिः वृष वालों के लिए आज का दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान भी बन सकता है। आज अचानक से आपके घर पर आपका करीबी रिश्तेदार आ सकता है। दोस्तों के साथ लंबे टूर की प्लांनिग बन सकती है। आज आपके बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे है। स्वास्थ्य पहले से अच्छा रहेगा।

मिथुन राशिः मिथुन वालों के लिए आज के दिन मन में नए झ नए विचार आ सकते है। सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा है, मेहनत का फल अच्छा मिलेगा। आप दोस्तों के साथ बाहर हिल स्टेशन पर जा सकते है। दाम्पत्य जीवन में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशिः कर्क वालों के लिए आज का दिन ठीक झ ठाक रहेगा। बिजनेस में थोड़ी सी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जल्द ही सब नॉर्मल हो जाएगा। आज अपनी वाणी पर कंट्रोल रखने से आपको ही फायदा होगा। आज स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी सावधानी रखें।

सिंह राशिः सिंह वालों के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज आनंद की प्राप्ति के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। निश्चित ही घर में खुशियों का आगमन होगा। पारिवारिक सम्बन्धी परेशानियां आज खुद-ब-खुद दूर हो जाएगी। आज के दिन आपका करीबी आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा।

कन्या राशिः आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा मंदिर जाने या किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आपको शत्रु पक्ष से सावधान रहने की जरुरत है, लेकिन अपनी समझदारी से आप कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे।

तुला राशिः तुला वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते है। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेंगें।

वृश्चिक राशिः आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़े हुए ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। आज आपकी अन्दरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में भी मददगार साबित होगी। व्यापारियों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के शादीशुदा लोग किसी रेस्टोरेंट में डिनर का प्लान बना सकते हैं।

धनु राशिः कालात्मक कार्यों में आज आपकी रूचि बढ़ेगी। आज व्यापारियों को बिजनेस में बढि?ा लाभ होगा। आज नये प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज धार्मिक स्थलों की यात्रा जीवनसाथी के साथ जाने पर शुभफल प्राप्त होंगे।

मकर राशिः मकर वालों के लिए आज का दिन ठीक झ ठाक रहेगा। आज उन लोगों से सावधान रहें जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। घर में चल रही विवाह संबंधी समस्या जल्द ही सॉल्व हो जाएगी।

कुंभ राशिः कुंभ वालों आज का दिन यात्रा में बीतेगा। ये यात्रा ऑफिस के काम से रिलेटेड हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। जो इस राशि के इंजीनियर्स है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कम्पनी से जॉब के लिए ऑफर आ सकती है।

मीन राशिः मीन वालों आज अपने बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है। बच्चों के करियर के लिए आप किसी से उधार ले सकते हैं। आज आपको व्यापार में अचानक से धनलाभ का अवसर प्राप्त हो सकता है।

कीटनाशकों का ज्यादा उपयोग खतरनाक

देश की निरंतर बढ़ती आबादी के लिए खाद्यान्न की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कृषि उत्पादन एवं पौध संरक्षण तकनीकी की अहम भूमिका है। अनुमानतः देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 50 प्रतिशत हिस्सा कीड़ों-मकोड़ों, पौध रोग उत्पादकों खरपतवार, चूहों, चिड़ियों एवं निमेटोड के कारण कृषि उत्पादन की विभिन्न अवस्थाओं एवं भण्डारण के दौरान नष्ट हो जाता है। अच्छे कृषि उत्पादन एवं कीड़े तथा बीमारियों से बचाव के लिए कृषि रसायनों का प्रयोग विगत वर्षों की तुलना में तेजी से बढ़ा है। चारे एवं रेशे की लगातार बढ़ती जरुरतों के कारण कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी के लिए कृषि रसायनों जैसे कीटनाशी, पौध वृद्धि नियंत्रक, जंतुनाशी, शाकनाशी, कवकनाशी, संरक्षी रसायन, रसायनिक उर्वरक, सूक्ष्म तत्व उर्वरक आदि का प्रयोग अनिवार्य होता जा रहा है। परंतु उपरोक्त के असंतुलित एवं अव्यवहारिक प्रयोग के गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे है।

देश की निरंतर बढ़ती आबादी के लिए खाद्यान्न की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कृषि उत्पादन एवं पौध संरक्षण तकनीकी की अहम भूमिका है। अनुमानतः देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 50 प्रतिशत हिस्सा कीड़ों-मकोड़ों, पौध रोग उत्पादकों खरपतवार, चूहों, चिड़ियों एवं निमेटोड के कारण कृषि उत्पादन की विभिन्न अवस्थाओं एवं भण्डारण के दौरान नष्ट हो जाता है। अच्छे कृषि उत्पादन एवं कीड़े तथा बीमारियों से बचाव के लिए कृषि रसायनों का प्रयोग विगत वर्षों की तुलना में तेजी से बढ़ा है। चारे एवं रेशे की लगातार बढ़ती जरुरतों के कारण कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी के लिए कृषि रसायनों जैसे कीटनाशी, पौध वृद्धि नियंत्रक, जंतुनाशी, शाकनाशी, कवकनाशी, संरक्षी रसायन, रसायनिक उर्वरक, सूक्ष्म तत्व उर्वरक आदि का प्रयोग अनिवार्य होता जा रहा है। परंतु उपरोक्त के असंतुलित एवं अव्यवहारिक प्रयोग के गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे है।

कीटनाशियों का पर्यावरण पर प्रभाव

कृषि उत्पादन बढ़ाने में कृषि रसायनों का बहुत बड़ा योगदान है परंतु इन रसायनों के मनुष्य एवं अन्य जीवों पर अनचाहे दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। अनुमान के अनुसार सम्पूर्ण विश्व में कीटनाशियों की विषाक्तता से लगभग एक करोड़ व्यक्ति प्रतिवर्ष दीर्घकालीन बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। अथवा मर जाते हैं। वास्तव में एक कीटनाशी केवल लक्षित कीट अथवा बीमारी के प्रति घातक होना चाहिए न कि अलक्षित प्रजातियों एवं मानव के लिये परंतु दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं है इसलिए कीटनाशियों के प्रयोग पर लोगों के अलग अलग मत हैं। कृषि रसायनों के प्रयोग के बारे में उपयोगकर्ताओं के मन में भ्रांति है कि यदि थोड़े प्रयोग का परिणाम अच्छा है तो अधिक प्रयोग का परिणाम और अच्छा होगा जिसके कारण मानव एवं अन्य जातियों के जीवन में गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

कीटनाशियों के अतिरिक्त विषाक्त अवशेष मृदा जीवों में दीर्घकालिक विषाक्तता उत्पन्न कर देते हैं जिससे मृदा उर्वरता एवं फसलों की सूखा सहिष्णुता घट जाती है। कीटनाशियों के विषाक्त अवशेषों का प्रभाव तालिका में वर्णित है।

आरगेनो-फास्फोरस
मैलाथियान फल
तीव्र विषाक्तता, तंत्रिका विषाक्तता
पैराथियान फल, सब्जियां
तीव्र विषाक्तता, तंत्रिका विषाक्तता

भूमिगत जल में कीटनाशी अवशेष

भूमिगत जल शहरी एवं ग्रामीण मानव जीवन हेतु पेयजल का मुख्य स्त्रोत है। यह लगभग 80 प्रतिशत ग्रामीण एवं 50 प्रतिशत नगरवासियों के पानी के आवश्यकता की पूर्ति करता है। यह सतही जल की तुलना में प्रदूषण से कम प्रभावित है। वर्षा जल की प्राकृतिक अशुद्धियों भूमिगत जल में नहीं मिल पाती क्योंकि ये मृदा संस्तरों में छनकर इकट्ठी हो जाती है। भूमिगत जल सिंचाई एवं उद्योग जगत द्वारा बहुतायत में उपयोग किया जाता है। विभिन्न भूमि एवं जल आधारित मानव क्रियायें इस अमूल्य संसाधन को प्रदूषित कर रही हैं एवं इसका अतिरिक्त दोहन कुछ स्थानों पर भूमिगत जल स्त्रोतों को प्रदूषित कर रहा है। कृषि रसायनों (उर्वरक एवं कीटनाशी) तथा कारखानों के कचरे से सतही एवं भूमिगत जल प्रदूषण पर्यावरण स्वास्थ्य के प्रमुख संकट है। अधिकांश भारतीय नदियां एवं अन्य सतही जल धारायें बहुत अधिक प्रदूषित हैं। मल-मूत्र एवं नगरपालिका के गंदे पानी द्वारा नदियों में 75 प्रतिशत प्रदूषण होता है शेष 25 प्रतिशत प्रदूषण कृषि रसायनों एवं कारखानों के गंदे पानी द्वारा नदियों में फैलता है। सतही एवं भूमिगत जल में कुछ कीटनाशियों अवशेष की मात्रा तालिका में दी गई है।

कीटनाशकों का मनुष्यों पर प्रभाव

मानव वसा

भारत एवं अन्य देशों के अध्ययन बताते हैं कि कीटनाशियों का मनुष्य के प्रतिरोधी तंत्र पर प्रभाव पड़ता है। मानव शरीर की वसा में विश्व का सबसे अधिक कीटनाशी अवशेष दिल्लीवासियों में ज्ञात किया गया।

मानव रक्त में कीटनाशी अवशेष

मानव रक्त में डीडीटी, एचसीएच एवं अन्य क्लोरीन युक्त कीटनाशी जैसे हेप्टोक्लोर इपोआक्साइड, एल्ड्रिन, ऑक्सीक्लोरडेन, हैक्याक्लोरोबेन्जीन (एससीबी) एवं डाइएल्ड्रिन आदि विश्लेषित किये जा चुके हैं।

मानव दुग्ध में कीटनाशी अवशेष

नवजात शिशु काफी समय तक माँ के दूध पर निर्भर रहते हैं। दूध में उपस्थित कीटनाशी इनके लिए गंभीर खतरा साबित हो सकते है।

भोज्य वस्तुओं एवं नित्य आहार में कीटनाशी अवशेष

भोज्य पदार्थों में कीटनाशी अवशेषों की उपस्थिति क्षेत्र दर क्षेत्र व वर्ष दर वर्ष ही नहीं वरन एक ही भोज्य वर्ग के समस्त भोज्य वस्तुओं में है। भारत के विभिन्न राज्यों से एकत्रित भोज्य वस्तुओं में कीटनाशी अवशेष विश्लेषण में पाया गया कि 12 राज्यों के 2205 गौदुग्ध नमूनों में से 82 प्रतिशत नमूनों में डीडीटी अवशेष उपस्थिति था जिसमें 37 प्रतिशत नमूनों डीडीटी सहनशील स्तर (0.05 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम) से अधिक दर्ज किया गया। उपरोक्त नमूनों में डीडीटी का उच्चतम स्तर 2.2 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम रिकार्ड किया गया। बाजार में बिकने वाले 20 व्यवसायिक शिशु नुस्खों के 186 नमूनों में डीडीटी एवं एचसीएच अवशेष क्रमशः 70 एवं 94 प्रतिशत नमूनों में दर्ज किये गये तथा इनका उच्चतम स्तर (वसा आधारित) 4.3 एवं 5.7 मिग्रा प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। वर्ष 2004 में किये गये एक अध्ययन के अनुसार 666 विभिन्न सब्जी नमूनों में से 56.5 प्रतिशत नमूने विभिन्न कीटनाशी समूहों यथा आरगेनो-क्लोरीन्, आरगेनो फास्फेट व सिंथेटिक पाइरीथ्रिड से प्रदूषित पाये गये। इन प्रदूषकों में मुख्यतः इंडोसल्फान, साइपरमेथ्रिन, साइहेलोथ्रिन, फेनवलेरेट, क्लोरोपाइरीफॉस, डीडीव्हीपी, फोरेट व लिण्डेन सम्मिलित थे जबकि इन नमूनों में से केवल 53व नमूनें ही कीटनाशियों के उच्चतम अवशेष स्तर से अधिक प्रदूषित पाये गये। सब्जियों की अपेक्षा फलों में कम प्रदुषण पाया गया। कुल 317 फल (आम, संतरा, सेब व अंगूर) नमूनों में से 118 नमूने प्रदूषित पाये गये परंतु महाराष्ट्र के एक नमूने को छोड़कर सभी में प्रदूषण उच्चतम अवशेष स्तर से कम था।

दूध की धार रहेगी बरकरार

तनाव/नमी के कारण

यह मुख्य रूप से तीन कारणों-तापमान, नमी एवं हवा की गति से उत्पन्न होता है। इन सभी कारणों में पर्यावरण दबाव का प्रमुख कारण तापमान है। अधिकांश परिस्थितियों में तीनों कारक सम्मिलित रूप से पाये जाते हैं। दुधारू गाय की आरामदायक तापमान की सीमा 5 से 20 डिग्री सेन्टीग्रेट है जो कि गाय की नस्ल, वातावरण में ढलान, उत्पादन, आहार ग्रहण मात्रा पर निर्भर करती है।

जलग्रहण

तापमान दबाव से पशु की पानी की आवश्यकता 120 से 200 प्रतिशत तक बढ़ जाती है क्योंकि ज्यादा पानी पीने से पशु अपनी शारीरिक तापमान, श्वास एवं पसीने द्वारा कम करने का प्रयास करते हैं। सामान्यतः गाय 3 लीटर पानी प्रति कि.ग्रा. शुष्क आहार ग्रहण करती है, जब कि वातावरण का तापमान 5 डिग्री सेन्टीग्रेट से कम होता है। परन्तु जब वातावरण का तापमान अधिक होता है तो पशु 7 लीटर पानी प्रति कि.ग्रा. शुष्क आहार तक पानी देना होता है। अतः पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में जल 24 घंटे उपलब्ध करवाना भी जटिल समस्या है।

आहार ग्रहण

गर्मी एवं अन्य दबावों से रूमन (गौवंशीय पशु के आमाशय का एक भाग) की गतिशीलता एवं पचे हुए आहार की आंत में गति कम हो जाती है, जिससे पशु की भूख घट जाती है।

पाचन

अनुसंधान द्वारा ज्ञात हुआ है कि गर्मी के कारण आहार के शुष्क तत्वों की पाचनशीलता कम हो जाती है। अतः अत्यधिक वातावरण के तापमान के कारण पशुओं की भूख कम होने के साथ-साथ चारे की गुणवत्ता पर भी प्रतिकू ल प्रभाव पड़ता है, परिणाम स्वरूप चारे की पाचनशीलता घट जाती है।

अवशोषण

गर्मी के कारण तनाव से थाईराईड ग्रंथी की गतिशिलता कम हो जाती है जिससे आंतों की गतिशिलता एवं पचे हुए आहार की आंतरिक अंगों में खून का बहाव कम हो जाता है। जिससे पोषकों को अवशोषण आंतो में घट जाता है।

तापमान एवं नमी का दुग्ध उत्पादन पर प्रभाव

यह देखा गया है कि होलिस्टीन नस्ल की गायों पर जब तापमान 25-26 सेन्टीग्रेट तक होता है तो कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं होता है। परंतु जब तापमान 25 सेन्टीग्रेट से अधिक होने पर उसका कृत्रिम (भौतिक) रूप से कम तापमान 29 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं नमी 40 प्रतिशत होने पर आर्द्रता उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं होता है परन्तु जब 80 प्रतिशत हो जाती है तो 20-40 प्रतिशत तक दुग्ध उत्पादन घट जाता है।

गर्मी के कारण उत्पन्न तनाव को दूर करने के उपाय

मुख्य रूप से पशु के रखरखाव प्रबंधन एवं पोषण व्यवस्था पर निम्न तीन बिन्दुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

- भौतिक साधनों के उपयोग से वातावरण के तापमान के कुप्रभाव को रोकना।
- ऐसी नस्ल तैयार करना जो कि गर्मी सहन कर सकें।
- पौष्टिक हरा चारा युक्त संतुलित आहार प्रदाय करना।

प्रचलित पोषण व्यवस्था में निम्नानुसार सुधार कर गर्मी से पशुओं में तनाव को कम किया जा सकता है।

- पशु आहार में अधिक रेशेयुक्त चारे (गेहूं या अन्य भूसे) की मात्रा को कम कर सांद्र पदार्थ, दाना, बाटे, अनाज की मात्रा को बढ़ाना। परन्तु दाने की मात्रा इतनी भी न बढ़ाई जाये की पाचन प्रक्रिया प्रभावित हो। यह पाया गया है कि दाना मिश्रण (सांद्र मिश्रण) में अनाज का प्रतिशत 60 से 65 तक किया जाता है।
- दुधारू गायों को उच्च गुणवत्ता वाला हरा चारा खिलायें। यह पशु शरीर का तापमान को कम करता है एवं आवश्यक मात्रा में रेशा भी प्रदाय करता है।
- पशु आहार में सोयाबीन का छिल्का, खमीरीकृत पदार्थ, शराब फैक्ट्री से प्राप्त अनाज का सहउत्पाद चुकंदर पल्प की पेलेट्स का उपयोग किया जा सकता है।
- पशु आहार में वसा की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। साधारणतः दुधारू पशुओं के आहार में 4 प्रतिशत वसा दी जाने की अनुशंसा की जाती है। गर्मी के दुष्प्रभाव को रोकने के लिये वसा का स्तर 6-7 प्रतिशत तक बढ़ा देवें। यह पशु आहार में कुछ मात्रा में तेलयुक्त दाने जैसे सोयाबीन, बिनोले इत्यादि खिलाकर बढ़ा सकते है।
- प्रोटीन की मात्रा एवं गुणवत्ता वाला प्रोटीन प्रदाय करना, क्योंकि तापमान के दबाव से भूख की कमी से पशु शरीर में प्रोटीन का स्तर घट जाता हैं। प्रोटीन मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार की खलियों से प्राप्त होता है।

कोरिया

अम्बिकावाणी

अम्बिकापुर, सोमवार 23 जून, 2025

योग दिवस पर पतंजलि योगपीठ परिवार ने समूचे रायपुर को कर दिया योगमय

रायपुर। पतंजलि योगपीठ के तत्वावधान में योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग महोत्सव में श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ राज्य प्रभारी (छ.ग., म.प्र., उड़ीसा), श्रीराम शर्मा छत्तीसगढ़ राज्य महामंत्री पतंजलि योग समिति, राजेन्द्र अग्रवाल भारत स्वाभिमान जिला कोषाध्यक्ष, राकेश दुबे भारत स्वाभिमान जिला अध्यक्ष, राममणि पतंजलि योग समिति जिलाअध्यक्ष, निकेश सह राज्य प्रभारी किसान, बेबीलोन टॉवर, महादेव घाट, टाटीबंध के सह योग प्रशिक्षक, साधक, महासमुंद गुरुकुल के बटुक प्रणवानंद विद्यालय के विद्यार्थियों तथा गणमान्य नागरिकों के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अतिथियों का सम्मान प्रतीक चिन्ह भेंट कर, योग प्राणायाम के अभ्यास के साथ ही हवन यज्ञ भी संपन्न हुआ। साथ हीं साथ पतंजलि योग परिवार रायपुर ने 15 अन्य स्थानों पर व 25 विद्यालयों में योग शिक्षक भेज कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे रायपुर को योगमय कर दिया, इस अवसर पर लगभग 3000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रूप से योग सिखाया।

धरती आबा अभियान- आदिवासी विकास की नई बयार कोरिया जिले में, शासन और समाज के बीच विश्वास और सहयोग का सेतु

कोरिया बैकुंठपुर - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की नीति और प्रदेश में सुशासन की बयार लाने वाले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों में चलाया जा रहा 'धरती आबा जनभागीदारी अभियान' अब जमीनी स्तर पर साकार हो रहा है। कोरिया जिले के १५४ ग्रामों में १५ जून से प्रारंभ इस अभियान के तहत हजारों आदिवासी परिवारों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का त्वरित लाभ मिलने लगा है।

जनकल्याण का संगठित प्रयास- कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के नेतृत्व में जिले के बैकुंठपुर एवं सोनहत विकासखण्डों में आयोजित इन शिविरों में १७ विभागों की करीब २५ योजनाएं आमजन तक पहुँचाई जा रही हैं।कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 'कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे।'

शिविरों में मिल रहे ये प्रमुख लाभ - आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, श्रमिक कार्ड, जनधन खाता, मुद्रा लोन, पीएम किसान निधि, विश्वकर्मा योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, सिकलसेल व एनीमिया जांच, स्वास्थ्य परीक्षण, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, सीएससी के माध्यम से ई-केवाईसी और दस्तावेज सत्यापन जैसे अनेक कार्य शिविर स्थल पर किए जा रहे हैं।

शिविरों में पहुंच रही बड़ी संख्या में हितग्राही, लाभार्थियों की खुशी - बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग शिविरों में भाग ले रहे हैं और योजनाओं का लाभ भी ले रहे हैं। ग्राम नरकेली की श्रीमती पूनम कुजूर ने बताया कि वह अपने बच्चे के जाति प्रमाण पत्र हेतु आई थीं, जो शीघ्रता से बन गया। ग्राम बस्ती की श्रीमती लीलावती ने आधार कार्ड अपडेट कराया। टेंगनी की श्रीमती सितमिया देवी ने राशन कार्ड में नाम जुड़वाया। रघुशंकर ने आयुष्मान कार्ड बनने पर प्रसन्नता जताई। एक पालक ने बताया कि उनकी बेटी आन्या का आधार कार्ड कुछ घंटों में ही बन गया, जो काम पहले पूरा होने में कई दिन लगते थे, वह अब शिविर में त्वरित होने लगा है।सभी लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया।

आदिवासियों के समावेशी विकास की भावना से प्रेरित यह 'धरती आबा' अभियान शासन और समाज के बीच विश्वास और सहयोग का सेतु बनकर उभर रहा है। इससे न केवल योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन हो रहा है, बल्कि आदिवासी समाज को आत्मनिर्भरता और गरिमा की ओर अग्रसर किया जा रहा है।

मंगलसाय को पेयजल हेतु हैंडपंप, चांदनी को मिली पेंशन की सुविधा

जनभागीदारी शिविर में शामिल होकर ग्रामीणों को मिल रही खुशियां

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले में बैकुंठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कंचनपुर में रहने वाले वनवासी परिवार के सदस्य मंगलसाय को पेयजल हेतु परेशान होना पड़ता था और अब उनकी इस समस्या का निदान हो गया है जल्द ही उनके घर के समीप हैंडपंप लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। इसी तरह कंचनपुर में ही रहने वाली चांदनी कुमारी को दिव्यांगता से जूझना पड़ रहा है और ऐसे में उन्हें एक आवेदन पत्र पर अपने गांव में ही पेंशन की सुविधा मिल गई है। यह ऐसी छोटी छोटी खुशियों के अवसर हैं जब जनजातीय समुदाय से आने वाले ग्रामीणों को उनके एक पहल पर आवश्यक संसाधन प्राप्त हो रहे हैं।

कोरिया जिले में कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन में धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों में योजनाओं से संतृप्त अवस्था तक पहुंच बनाने हेतु लगातार शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में बड़ी संख्या में नियमित रूप से जुड़ने वाले आदिवासी परिवारों को जनधन खाते, बीमा योजनाओं, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड पंजीयन जैसे २५ सुविधाओं का सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है। विदित हो कि गत १७ जून से आरंभ हो चुके यह शिविर आगामी ३० जून तक लगाए जाएंगे।

कचरे से कमाई कर चैनपुर की महिलाएं बना रहीं नई मिसाल

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मनेंद्रगढ़ जिले की चैनपुर ग्राम पंचायत में स्वच्छता को लेकर एक सकारात्मक और प्रेरणादायक बदलाव देखा जा रहा है। यह बदलाव केवल गांव को स्वच्छ बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़ी महिलाओं के जीवन में भी नई रोशनी लेकर आया है।

चैनपुर पंचायत में स्वच्छता ही सेवा को जीवनशैली का हिस्सा बनाते हुए स्वच्छता समूह की महिलाएं हर घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से नियमित रूप से डोर टू डोर कचरा संग्रहण और उसका पृथक्करण कर रही हैं। यह कार्य न केवल गांव को साफ-सुथरा बनाए रखने में मदद कर रहा है, बल्कि इससे जुड़ी महिलाएं ठोस अपशिष्ट को बेचकर आय भी अर्जित कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने 3 हजार 981 रुपये का ठोस अपशिष्ट विक्रय किया, जो इस दिशा में उनकी सफलता का प्रमाण है। विगत एक वर्ष में यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 22 हजार रुपये तक पहुंच चुका है, जो स्वच्छता के क्षेत्र में उनके समर्पण और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। इतना ही नहीं ये महिलाएं लगभग 150 घरों और दुकानों से मासिक स्वच्छता शुल्क भी संग्रहित करती हैं, जिससे उन्हें प्रति माह लगभग 5 हजार रुपये की अतिरिक्त आय होती है। इस आय से वे अपनी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पा रही हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना सशक्त हो रही है। चैनपुर की यह पहल यह दशार्ती है कि यदि स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ा जाए, तो वह केवल एक अभियान नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक क्रांति बन सकती है। कचरे से कमाई और कचरे से कंचन की यह यात्रा अब ग्रामीण विकास की एक नई मिसाल बनकर उभर रही है।

चरामेति शिक्षा सेवा के तहत किया गया कॉपियों का वितरण

रायपुर। चरामेति फाउंडेशन ने शिक्षा सेवा के अंतर्गत खो खो पारा, पुरानी बस्ती स्थित शासकीय प्राथमिक शाला के बच्चों के बीच कॉपियों सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। काव्या, त्रिषा, भूमिका, कुबेर, श्याम, मयंक सहित समस्त छात्रों ने सत्र 2025 - 26 के प्रथम सप्ताह में ही शैक्षणिक सामग्री प्राप्त होने पर खुशी जताई एवं कहा कि इससे वे बाधा रहित पढ़ाई कर पायेंगे। चरामेति फाउंडेशन के राजेंद्र ओझा ने बताया कि छात्रों को पूरे शैक्षणिक सत्र में उपयोग में आए इतनी कॉपियां दी गई। यह कार्यक्रम नीलेश अग्रवाल, जितेन्द्र दामा, डॉ. शीला गोयल, डॉ. जे. के. गोयल, सुभाषिनी जतिन्दर भनोट, प्रेम नारायण सोलंकी, डॉ. मृणालिका ओझा, जी. पी. अखिलेश, रोशन बहादुर सिंह, वीरेंद्र आडिल एवं शालेय स्टाफ मनबोधी कुर्मी, मनहरण लाल कैवर्त, लोकेश साहू आदि की उपस्थिति एवं सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र कुमार मरकाम एवं आभार श्रीवास्तव मैडम ने व्यक्त किया।

भाजपा में सक्रिय कद्दावर शख्सियत रविशंकर राजवाड़े बने जिला उपाध्यक्ष

कोरिया बैकुंठपुर - गत दिवस भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा घोषित कार्यसमिति में रविशंकर राजवाड़े को बड़ी जिम्मेदारी मिली है, पूरे जिले में इस घोषणा से खुशी की लहर है।

रविशंकर राजवाड़े ४२ वर्ष तक शिक्षक के रूप में शासकीय सेवा में रहते हुए सामाजिक विकास एवं सेवा के लिए सरगुजा संभाग में विशेष स्थान बनाने वाले रविशंकर राजवाड़े की सामाजिक एवं राजनीतिक भूमिका पिछले तीन दशकों से बहुत प्रभावी रही है. भाजपा से वैचारिक रूप से जुड़े होने के कारण इनका भाजपा से मजबूत लगाव दिखता था. भाजपा के प्रति लगाव के कारण श्री राजवाड़े को वर्ष २००२-०३ में कॉंग्रेस की सरकार में कोरबा जिले में ट्रांसफर कर दिया गया था. श्री राजवाड़े सामाजिक क्षेत्र में प्रभावी शख्सियतों में शामिल रहे हैं. अविभाजित सरगुजा जिले में रजवार समाज के जिला कोषाध्यक्ष ५ वर्षों तक रहे. बैकुंठपुर क्षेत्र के रजवार समाज में १० वर्ष तक अध्यक्ष की भूमिका में रहते हुए सामाजिक उत्थान के लिए कार्य किए. रजवार समाज जिला कोरिया दो कार्यकाल जिलाध्यक्ष रहे और वर्तमान में २०२० से जिला अध्यक्ष रहते हुए इनके द्वारा कई नए कार्यक्रमों की शुरूआत की गई. जिनमें प्रमुख प्रतिभावान छात्राओं का सम्मान, प्रगतिशील कृषकों का सम्मान, खिलाड़ियों एवं कलाकारों का सम्मान, रजवार समाज की जनगणना, समाज का पत्रिका प्रकाशन, महिला सम्मेलन, युवा सम्मेलन जैसे ऐतिहासिक कार्य किए गए.

जनजागृति में उल्लेखनीय योगदान - लंबे समय तक शिक्षक रहते हुए सभी जाति समाज में लोकप्रिय रहे श्री राजवाड़े जनजाति वर्ग में शिक्षा स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति के लिए भी कार्य किए. उन्होंने शराब,जुआ जैसी बुराइयों के विरुद्ध सामाजिक गतिविधियों का संचालन किया. आज भी सभी वर्गों में इनकी खास पहचान बनी हुई है.

शासकीय सेवा के बाद से भाजपा में सक्रिय अपनी शासकीय सेवा पूर्ण करते ही श्री राजवाड़े ने भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय भूमिका शुरू कर दी थी. विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव और स्थानीय चुनाव में पार्टी के लिए पूरे जिले में मजबूती से कार्य किया.

संगठन ने दी बड़ी जिम्मेदारी - रविशंकर राजवाड़े भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यसमिति में जिला उपाध्यक्ष बनाये गये हैं. गत दिवस भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा घोषित कार्यसमिति में यह बड़ी जिम्मेदारी रविशंकर राजवाड़े को मिली है. पूरे जिले में इस घोषणा से खुशी की लहर है. भाजपा कार्यकताओं ने इस नियुक्ति के लिए भाजपा प्रदेश संगठन एवं भाजपा जिलाध्यक्ष के प्रति आभार जताया है.

बारिश में 11 केवी लाइनें बनी मुसीबत, घंटों बिजली गुल, ग्रामीण बेहाल

कर्मचारी की कमी से फॉल्ट सुधारने में हो रही देरी, सर्प-बिच्छुओं का भी खतरा

कोरिया बैकुंठपुर। मानसून की दस्तक ने जहां एक ओर लोगों को राहत दी है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था की पोल खोल दी है। बारिश शुरू होते ही ११ केवी बिजली लाइनें बार-बार फॉल्ट का शिकार हो रही हैं। ग्रामीण फीडरों में लगातार फॉल्ट आने से कई-कई घंटों तक बिजली गुल रहती है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बन जाती है जब फॉल्ट सुधरवाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है, क्योंकि बिजली विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी है।

३३/११ केवी विद्युत उपकेंद्र बैकुंठपुर और मनसुख के अंतर्गत आने वाले टेंगनी, जगतपुर, मेको, नगर और कंचनपुर जैसे पांच ग्रामीण फीडरों की हालत सबसे खराब है। ये सभी फीडर लगभग १०० किलोमीटर के क्षेत्र में फैले हुए हैं। इनमें बारिश के समय ११ केवी के तार टूटने या किसी न किसी तकनीकी कारण से फॉल्ट आना एक आम समस्या बन गई है। स्थिति यह है कि एक बार लाइन बंद होने के बाद उसे दुरुस्त करने में विभाग को १० से १२ घंटे तक का समय लग जाता है।

स्थानीय लोगों और विभागीय सूत्रों की मानें तो फॉल्ट की जानकारी मिलते ही कर्मचारी मौके पर पहुंचने की कोशिश करते हैं, लेकिन विभाग में लाइनमैन और तकनीकी स्टाफ की संख्या सीमित होने के कारण सभी जगह एक साथ व्यवस्था बहाल करना संभव नहीं हो पाता। जिससे एक ही कर्मचारी को १५-२० किलोमीटर दूर-दूर तक फॉल्ट देखने जाना पड़ता है। कई बार तो ऐसे हालात बन जाते हैं कि पूरी रात बिजली गुल रहती है और ग्रामीणों को अंधेरे में ही रात बितानी पड़ती है। बारिश के कारण न केवल बिजली व्यवस्था बिगड़ रही है बल्कि अंधेरा होने की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में सर्प और बिच्छुओं का खतरा भी बढ़ जाता है। अंधेरे में अक्सर सांप घरों में घुस जाते हैं, जिससे जान-माल का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले बिजली रहने से ऐसी घटनाएं कम होती थीं लेकिन अब जब-तब लाइन बंद हो जाती है, तो डर बना रहता है। ग्रामीण रामप्रताप चिकंजूरी बताते हैं, च्मेको फीडर में पिछले सप्ताह तीन बार लाइन फॉल्ट हुआ। एक बार तो १६ घंटे बिजली नहीं थी। ना मोबाइल चार्ज हो पाया, ना ही बच्चे पढ़ पाए। विभाग को फोन करो तो जवाब मिलता है झ स्टाफ नहीं है, फॉल्ट ठीक होने में वक्त लगेगा। सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामपंचायत सलका सरपंच श्रीमती दुर्गा बताती हैं, जब तक कर्मचारियों की संख्या नहीं बढ़ाई जाएगी और तकनीकी सुधार नहीं किए जाएंगे, तब तक हर साल बारिश में ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर होंगे।

बारिश में बिगड़ी आपूर्ति, किसान भी परेशान

इस समय जब खेतों में धान की रोपाई का कार्य शुरू हो गया है, बिजली कटौती ने किसानों को भी परेशान कर दिया है। मोटर चलाकर खेतों में पानी देने वाले किसान जब बिजली का इंतजार करते हैं और वह नहीं आती, तो उनका समय और मेहनत दोनों बर्बाद होता है। कई किसानों को डीजल इंजन का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे उनकी लागत में भी भारी बढ़ोतरी हो रही है। किसान रमेश ने बताया, हमारे खेत में पंप है, लेकिन तीन दिन से कभी बिजली रहती है, कभी नहीं। रात भर जागकर इंतजार करते हैं कि कब लाइन आए और पानी दें। डीजल इंजन चलाने से खर्च बहुत बढ़ गया है।

तकनीकी संसाधन भी सीमित

सूत्रों के अनुसार विद्युत उपकेंद्रों में न केवल मानव संसाधन की कमी है, बल्कि तकनीकी संसाधन भी सीमित हैं। फॉल्ट ढूंढ़ने और मरम्मत करने के लिए पर्याप्त वाहन, उपकरण और सुरक्षा किट उपलब्ध नहीं हैं। जिससे कर्मचारियों को बारिश के समय भी असुरक्षित तरीके से काम करना पड़ता है।

मांगः हो स्थायी समाधान

ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि मानसून के मौसम में बिजली आपूर्ति की समस्या को गंभीरता से लिया जाए। ११ केवी की पुरानी और जर्जर लाइन को बदला जाए, फॉल्ट के त्वरित सुधार के लिए पर्याप्त स्टाफ की तैनाती की जाए और विद्युत उपकेंद्रों को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया जाए।

विज्ञापन

बैकुंठपुर स्थित फर्म ₹श्री नरेंद्र कमर्शियल₹

डिस्ट्रीब्यूटर - M.D.H. मसाले को सेल्स Representative (S.R.) की अतिशीघ्र आवश्यकता है,

* S.R. की नियुक्ति M.D.H. मसाले के कंपनी पे-रोल पर रहेगी।
* सैलरी - योग्यतानुसार
* बायो डाटा के साथ अतिशीघ्र सम्पर्क करें,
* स्थानीय युवकों को वरीयता

पता -"श्री नरेंद्र कमर्शियल" मिश्रा काम्प्लेक्स, भांड़ी, मेन रोड, बैकुंठपुर जिला कोरिया (छत्तीसगढ़)

संपर्क नंबर - 9340945160, 8889909241

स्कूली बच्चों ने किया योग

जनकपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। वंदना शिशु शिक्षा निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल जनकपुर में एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आधारित 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्राचार्या नीरजा सिंह द्वारा योग के महत्व को बताते हुए नियमित योग करने का आग्रह किया गया। योग से काया निरोगी रहती है तथा मन प्रसन्न रहता है। नियमित योग करने वाला व्यक्ति अधिक ऊजार्वान रहता है जैसी महत्वपूर्ण बातें बताई गई। सभी बच्चे, शिक्षक एवं पालक उक्त कार्यक्रम में शामिल हुए।

तन और मन दोनों को स्वस्थ्य रखता है योग - वर्मा

जनकपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। योग को हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने से शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने में सहायता मिलेगी हमारे स्वास्थ्य से जुड़ी अधिकांश समस्याओं का निदान हो जायेगा।

एक पृथ्वी -एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आधारित 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय नवीन महाविद्यालय जनकपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य अतुल कुमार वर्मा ने कहा कि योग को हमें अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर योग का महत्व बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी परमानन्द के द्वारा कहा गया कि सभी स्वयंसेवक प्रतिदिन योग करें और अपने घर परिवार के सभी लोगों को करने के लिए प्रेरित करें। मौसम की प्रतिकूल स्थिति के बाद भी काफी संख्या में विद्यार्थी एवं स्टाफ के सदस्य उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक प्रधानपाठक शारदा प्रसाद त्रिपाठी के द्वारा आयुष्य मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा निर्धारित सामान्य योग अभ्यास (प्रोटोकॉल) के अनुरूप विभिन्न आसनों का अभ्यास महाविद्यालय के स्टाफ एवं विद्यार्थियों को कराया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधान पाठक शिवकुमार शर्मा, स्वास्थ्य विभाग से सौरभ त्रिपाठी, हिन्दी के सहायक प्राध्यापक महावीर पैकरा, ऋषभ कुमार बोरकर, डॉ. विनीत कुमार पाण्डेय, प्रयोगशाला तकनीशियन रामप्रसाद बैगा, सुरजीत सिंह, महरोज बेगम, डॉ. झुमका सरकार, सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षक अमित मिश्रा, कल्पना मिश्रा, गेंदलाल, पटेल, सुनीता सिंह, कार्यालय सहायक शमीम खान, कमलेश कुमार बैगा, रघुवीर सिंह बंसल, निखिल केंवट, एवं दीपक आदि उपस्थित रहे।

Sports Live

एचडीएफसी का अधिग्रहण चाहता था आईसीआईसीआई, दीपक पारेख ने किया खुलासा

नईदिल्ली,22 जून। आईसीआईसीआई बैंक कभी एचडीएफसी को अधिग्रहित करना चाहती थी, लेकिन इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। यह खुलासा एचडीएफसी लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष दीपक पारेख ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चंदा कोचर से बातचीत के दौरान किया। उन्होंने यह भी बताया कि चंदा कोचर ने इस मर्जर का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने कहा कि जब एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक का मर्जर हुआ, तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विलय को लेकर काफी सपोर्ट किया। दीपक पारेख ने चंदा कोचर से साक्षात्कार में खुलासा किया, मुझे याद है कि आपने एक बार मुझसे बात की थी, आपने कहा था कि आईसीआईसीआई ने एचडीएफसी की शुरूआत की थी।

ओली पोप के शतक के बावजूद बैकफुट पर इंग्लैंड

0-3 विकेट चटकाने वाले जसप्रीत बुमराह पर तीसरे दिन रहेगी नजर

लीड्स,22 जून। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच लीड्स के हेडिंग्ले में खेले जा रहे पहले टेस्ट का पहला दिन पूरी तरह से टीम इंडिया के नाम रहा. दूसरे दिन के पहले घंटे में भारतीय बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया लेकिन फिर मैच में इंग्लैंड की वापसी शुरू हो गई. भारत ने अपने आखिरी 7 विकेट सिर्फ 41 रन पर गंवा दिए. टीम इंडिया की पहली पारी 471 रन पर सिमट गई. जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में इंग्लैंड को झटका दिया, लेकिन दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड का स्कोर 3 विकेट पर 209 रन हो गया. भारत के पास अभी भी 262 रनों की बढ़त है.

इंग्लैंड की पहली पारी बारिश के कारण देरी से शुरू हुई. जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में आउटस्विंगर पर जैक क्रॉली का विकेट लिया. करुण नायर ने उन्हें पहली स्लिप में कैच आउट किया. इसके बाद ओली पोप और बेन डकेट की जोड़ी क्रीज पर टिकी रही. इस बीच भारतीय फील्डर्स ने कई कैच भी छोड़े. डकेट ने चाय से पहले अपना अर्धशतक पूरा किया और पोप ने इसके तुरंत बाद अपना अर्धशतक पूरा किया. 29वें ओवर में बुमराह ने डकेट को आउट कर 122 रन की साझेदारी तोड़ी. इसके बाद बुमराह के ही ओवर में यशस्वी जायसवाल ने ओली पोप को जीवनदान दिया. उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया और शतक बनाया. यह इंग्लैंड के उप-कप्तान का 9वां शतक है, जो अपना 57वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं. उन्होंने 125 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से अपना शतक पूरा किया. इसके बाद अगली ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने जो रूट का विकेट ले लिया. स्टंप्स के समय ओली पोप 100 रन बनाकर खेल रहे हैं. हैरी ब्रूक का खाता नहीं खुला है. बुमराह ने दिन के आखिरी ओवर में ब्रूक को आउट कर दिया था लेकिन नो बॉल से उन्हें बचा लिया.

इससे पहले दूसरे दिन के पहले सत्र में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शानदार शतक और शुभमन गिल ने अपने करियर का सर्वोच्च टेस्ट स्कोर बनाया. कप्तान गिल 147 रन और उपकप्तान पंत 134 रन बनाकर आउट हुए. भारत ने पहले दिन तीन विकेट पर 359 रन से आगे खेलना शुरू किया. 65 रन पर बल्लेबाजी कर रहे पंत ने अधिकतर समय स्ट्राइक अपने पास रखी. उन्होंने चौथे विकेट के लिए गिल के साथ 209 रन की साझेदारी की.

इस दौरान पंत ने एक छक्के की मदद से 94 रन और फिर एक-एक रन की मदद से 99 रन बनाए. इसके बाद उन्होंने बशीर की गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक पूरा किया. इसके साथ ही वह महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़कर भारत के लिए सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए. गिल को बशीर ने बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर जोश टोंग के हाथों कैच कराया. इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया. आठ साल बाद टीम में लौटे करुण नायर चार गेंद खेलने के बाद भी अपना खाता नहीं खोल सके.

भारत को बड़ा झटका तब लगा जब लंच से पहले अंतिम मिनटों में पंत को टोंग ने एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया. भारत ने दूसरे सत्र में एक के बाद एक विकेट गंवाए और लंच ब्रेक से पहले आखिरी गेंद पर बेन स्टोक्स ने शार्दुल ठाकुर (1) को आउट कर दिया. भारत के आखिरी तीन विकेट चार ओवर में गिर गए. इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स और जोश टोंग ने 4-4 भारतीय बल्लेबाजों को आउट किया.

छोटी खबरें

जो रूट ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड, जानिए उनके शानदार आंकड़े

0-इंग्लैंड बनाम भारत

लीड्स, 22 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन जो रूट ने नया इतिहास रचा। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह भारत के खिलाफ इंग्लैंड की धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रूट 28 रन बनाकर आउट हुए। अब इंग्लैंड में भारत के खिलाफ उनके 1,602 रन हो गए हैं। इस बल्लेबाज को जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा।

रूट ने तेंदुलकर के लंबे समय से कायम रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। तेंदुलकर ने इंग्लैंड की धरती पर भारत की ओर से खेलते हुए 54.31 की औसत से 1,575 रन बनाए थे। उन्होंने यह आंकड़ा 17 टेस्ट मैचों में 4 शतक की मदद से हासिल किया था। इस सूची में रूट और तेंदुलकर के बाद राहुल द्रविड़ (1,376), एलिस्टेयर कुक (1,196) और सुनील गावस्कर (1,152) जैसे दिग्गज शामिल हैं।

रूट का भारत के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर टेस्ट प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 16 टेस्ट मैचों में 72.81 की औसत से कुल 1,602 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ अपनी धरती पर उनसे ज्यादा रन सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के हैं, जिनके नाम 1,893 रन दर्ज हैं। भारत के खिलाफ घर में सबसे ज्यादा 7 शतक लगाने का रिकार्ड भी रूट के पास ही है। रूट के नाम भारत के खिलाफ घर में 5 अर्धशतक भी हैं।

रूट ने भारत के खिलाफ अपना 31वां टेस्ट खेलते हुए अब तक कुल 2,874 रन बना लिए हैं। उनकी औसत 57.48 की है। टेस्ट क्रिकेट में किसी भी बल्लेबाज ने भारत के खिलाफ इतने ज्यादा रन नहीं बनाए हैं। 2,600 रन के आंकड़े को भी कोई अन्य बल्लेबाज नहीं छू सका है। रूट ने भारत के खिलाफ अब तक 10 शतक और 11 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट करियर की बात करें तो उन्होंने 154 मैचों में 13,034 रन बनाए हैं।

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास, पाक के दिग्गज तेज गेंदबाज को पछाड़कर बने नंबर 1 बॉलर

नई दिल्ली,22 जून। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नाम पूरी दुनिया में गूंजता है. अब बुमराह ने भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स के हेडिंग्ले में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में कुछ ऐसा कारनामा कर दिया है, जिससे पूरे एशिया में एक बार फिर से उनका नाम गूंजने लगा है. जसप्रीत के इस कारनामे से सेना कंट्री भी हिल गई हैं. तो आइए आपको बुमराह की इस अद्भुत उपलब्धि के बारे में बताते हैं. दरअसल, हेडिंग्ले टेस्ट के दूसरे दिन जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट भारत के लिए चटकाए. उन्होंने पहले जैक क्रॉली (4) और फिर बेन डकेट (62) को पवेलियन की राह दिखाई. इसके बाद बुमराह ने तीसरा और दिन का अपना अंतिम विकेट जो रूट (28) के रूप में चटकाया. इस पहले टेस्ट के दूसरे दिन 3 विकेट लेने के साथ ही जसप्रीत बुमराह ने इतिहास रच दिया.

इन 3 विकेट के साथ जसप्रीत बुमराह सेना (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) कंट्री में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले एशिया के नंबर 1 गेंदबाज बन गए हैं. इस रिकॉर्ड को अपने नाम करने के साथ ही बुमराह ने पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पछाड़ दिया है. अब जसप्रीत बुमराह वसीम अकरम को पीछे छोड़कर टेस्ट क्रिकेट में सेना कंट्री में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन गए हैं.जसप्रीत बुमराह से पहले ये मुकाम वसीम अकरम के नाम था. अब बुमराह के नाम सेना कंट्री में 147 टेस्ट विकेट दर्ज हो गए हैं जबकि अकरम के नाम 146 विकेट मौजूद हैं. भारत के लेग स्पिनर अनिल कुंबले भी इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं. उनके नाम सेना कंट्री में 141 विकेट दर्ज हैं.

इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया. टीम इंडिया ने यशस्वी जायसवाल 101, शुभमन गिल 147 और ऋषभ पंत 134 की बदौलत पहली पारी में 471 रन बनाए. अब तक इंग्लैंड दूसरे दिन के खेल के खत्म होने के बाद 209 रन 3 विकेट खोकर बना चुका है. इंग्लैंड के लिए ओली पोप 100 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद हैं. भारत के लिए जसप्रीत बुमराह 3 विकेट ले चुके हैं.

जोफ्रा आर्चर की 4 साल बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में हुई वापसी, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,22 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 4 साल बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। उन्हें ससेक्स की टीम में शामिल किया गया है जो रविवार से डरहम के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। पहले घोषित की गई टीम में आर्चर का नाम नहीं था। हालांकि, अब इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि आर्चर टीम का हिस्सा हैं। उनकी वापसी इंग्लैंड की चोटिल तेज गेंदबाजी इकाई के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है।

आर्चर ने फरवरी 2021 के बाद से एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। उन्होंने आखिरी बार प्रथम श्रेणी क्रिकेट मई 2021 में ससेक्स की ओर से खेला था। इसके बाद लगातार चोटों के कारण उनकी वापसी बार-बार टलती रही। हालांकि, इस बीच वह इंग्लैंड की ओर से वनडे और टी-20 क्रिकेट खेले हैं। उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान में आयोजित की गई चैंपियंस ट्रॉफी में आखिरी बार इंग्लैंड की ओर से मैदान पर कदम रखा था। आर्चर इस समय चोट से जूझ रहे कई तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। उनके अलावा मार्क वुड, ओली स्टोन और गस एटकिंसन भी फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। वुड ने हाल ही में कहा था कि वह भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले 5वें टेस्ट में वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं। वहीं, आर्चर की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी भारत-इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में हो सकती है।

बेन स्टोक्स ने आर्चर को लेकर एक दिलचस्प किस्सा साझा किया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, ₹कभी-कभी वह अचानक मुझे संदेश भेज देता था, जिसमें बस इतना लिखा होता - 'जिम्बाब्वे?' मैं जवाब देता- जरा रुको, अभी वहीं रुकते हैं। मैं जानता हूं कि तुम अच्छी स्थिति में हो लेकिन इतनी जल्दी भी नहीं। उसे पिछले कुछ समय में बेहद कठिन दौर से गुजरना पड़ा है, लेकिन उन्होंने सीमित ओवरों के प्रारूप में अच्छा खासा क्रिकेट खेला है।₹ आर्चर ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2019 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। आखिरी बार वह भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ 2021 में खेलते हुए नजर आए थे। इस खिलाड़ी ने अब तक 13 मुकाबले खेले हैं और इसकी 24 पारियों में 31.04 की औसत से 42 विकेट लिए हैं।

6 कंपनियों के पूंजीकरण में 1.62 लाख करोड़ रुपये का इजाफा, एयरटेल सबसे आगे

नईदिल्ली,22 जून। ईरान-इजरायल युद्ध से दुनियाभर के शेयर बाजारों में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है, लेकिन भारतीय बाजार पर इसका कुछ खास असर नहीं पड़ा है। पिछले सप्ताह देश की शीर्ष-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 6 ने मुनाफा कमाया है। उनके संयुक्त बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह 1.62 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है, जिसमें भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे हैं। बीएसई सेंसेक्स सूचकांक में भी उछाल देखा गया, जो 1,289.57 अंक या 1.58 फीसदी बढ़ा है। पिछले सप्ताह भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 54,055 करोड़ रुपये बढ़कर 11.04 लाख करोड़ रुपये हो गया। दूसरी तरफ, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने मूल्यांकन में 50,070 करोड़ रुपये जोड़े हैं, जिससे यह 19.82 लाख करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार मूल्यांकन में 38,503 करोड़ रुपये, इंफोसिस का 8,433 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का 8,012 करोड़ और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मूल्यांकन में भी 3,212 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

पिछले सप्ताह 4 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में गिरावट देखी गई। इनमें सबसे बड़ा नुकसान बजाज फाइनेंस हो हुआ है, जिसके मूल्यांकन में 17,876 करोड़ रुपये कम हुआ है।

-------------------------- व्यापार/फिल्म --------------------------

रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा की भारत में बिक्री घटी

नईदिल्ली, 22 जून। दिग्गज यूरोपीय कार निमार्ता कंपनियां रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा को भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जाटो डायनेमिक्स के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 3 वित्तीय वर्षों में इन कंपनियों की बिक्री में गिरावट देखी गई है। इसके पीछे एसयूवी सेगमेंट में पिछड़ना, मॉडल्स को अपडेट करने में देरी, छोटे शहरों में डीलरशिप का अभाव और भारतीय टैक्स संरचना जैसे कई कारण बताए जा रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार, रेनो की बिक्री में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज हुई है। यह वित्त वर्ष 2022-23 की 78,926 से 2023-24 में गिरकर 45,439 रह गई और 2024-25 में 37,900 पर आ पहुंची। स्कोडा की बिक्री में भी 2022-23 की 52,269 बिक्री के मुकाबले 2023-24 में 44,522 रह गई, लेकिन 2024-25 में थोड़ा इजाफा होकर 44,866 पर पहुंच गई। फॉक्सवैगन की बिक्री 2023-24 की 43,197 से घटकर 2024-25 में घटकर 42,230 हो गई, जबकि 2022-23 में यह 41,263 थी।

जाटो डायनेमिक्स के अध्यक्ष रवि भाटिया ने बताया, रेनो, स्कोडा और फॉक्सवैगन को भारत में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इन कंपनियों ने शुरू में वेंटो, रैपिड और स्काला जैसी सेडान कारों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया, जिससे तेजी से बढ़ते एसयूवी सेगमेंट तक उनकी पहुंच सीमित हो गई। इसके अलावा ये कंपनियां मौजूदा मॉडल्स को अपडेट करने में धीमे थे। कई मॉडल लंबे समय तक अपरिवर्तित रहे।

रिपोर्ट में बिक्री में गिरावट के लिए नेटवर्क की पहुंच सीमित होने का भी कारण बताया है, खासकर टियर 2 और टियर 3 बाजारों में, जिससे व्यापक ग्राहकों तक पहुंच सीमित हो गई है। इन ब्रांडों की परेशानियों में भारत की टैक्स संरचना भी शामिल है, जहां सब-4-मीटर गाडि ?ों को कम शुल्क का लाभ मिलता है। इससे जापानी और कोरियाई कंपनियों को फायदा हुआ, जो किफायती कॉम्पैक्ट कारों के लिए जाने जाते हैं, जबकि ये कंपनियां बड़े मॉडल बनाती हैं।

जाटो डायनेमिक्स के अध्यक्ष ने यह भी बताया कि टाटा, महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी कंपनियों को उच्च स्थानीयकरण, लगातार मॉडल लॉन्च और सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक जैसे वैकल्पिक ईंधन इंजनों को जल्दी अपनाने से बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में मदद मिली है। दूसरी तरफ यूरोपीय कंपनियां इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड पेशकशों में पिछड़ गई हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही स्कोडा की ओर से लॉन्च की गई सबकॉम्पैक्ट एसयूवी काइलाक से उसे फायदा होने के संकेत हैं।

हर्षवर्धन राणे की एक दीवाने की दीवानियत की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, पहला पोस्टर जारी

हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा ने अपने आने वाली फिल्म एक दीवाने की दीवानियत का नया पोस्टर और रिलीज डेट सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

नया पोस्टर हर्षवर्धन और सोनम के बीच की केमिस्ट्री को खूबसूरती से दशार्ता है। यह फिल्म एक ऐसी कहानी होगी जिसमें प्यार, भावना और ड्रामा होगा।

हर्षवर्धन और सोनम दोनों ने इंस्टाग्राम पर यह पोस्टर शेयर किया और लिखा, 2 अक्टूबर 2025 को गांधी जयंती और दशहरा के दिन सिनेमाघरों में देखिए मोहब्बत, नफरत और एक दीवाने की दीवानियत पोस्टर में सोनम हर्षवर्धन को देख रही हैं, उनके हाथ में एक लाइटर है, जिससे वह गुलाब को जला रहे हैं।

बता दें कि पहले फिल्म का नाम सिर्फ दीवानियत था, अब इसका नाम बदलकर एक दीवाने की दीवानीयत रख दिया गया है। इसके पीछे मेकर्स ने कारण बताया कि पुराना टाइटल फिल्म की कहानी और उसके नए अंदाज से मेल नहीं खा रहा था, इसलिए फिल्म का नाम बदला गया। फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी पहले वाली कंपनी विकिर फिल्म्स से हटकर अब एक नई कंपनी प्ले डीएमएफ के हाथों में आ गई है, जिसकी अगुवाई अंशुल गर्ग कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा पहली बार साथ में काम कर रहे हैं।

यह फिल्म मिलाप जावेरी ने डायरेक्ट की है और राघव शर्मा इसके को-प्रोड्यूसर हैं। मिलाप जावेरी ने इस फिल्म के बारे में कहा कि यह उनकी अब तक की सबसे मजबूत और दिल तोड ? वाली प्रेम कहानी है, जिसे उन्होंने मुश्ताक शेख के साथ मिलकर लिखा है। इसमें प्यार का एक अलग ही पागलपन दिखाया गया है।

अभिषेक बच्चन को एक बच्चे से मिली जिंदगी की बड़ी सीख, जूनियर बच्चन की कालीधर लापता का शानदार ट्रेलर रिलीज

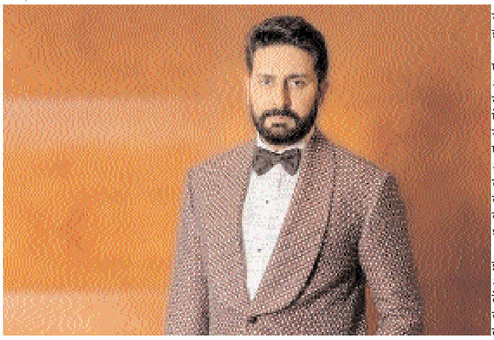

अभिषेक बच्चन इन दिनों रियलिस्टिक सिनेमा में पकड़ बना रहे हैं और लोग उन्हें इस तरह के रोल में पसंद भी करते हैं. उनकी पिछली दो फिल्में आई वांट टू टॉक, और बी हैप्पी बहुत ही सिंपल और आम लोगों से जुड ? वाली कहानियां थीं. जिनमें उनका आम सा दिखने वाला कैरेक्टर जिंदगी की बड़ी सीख दे जाता है. इन दोनों ही फिल्मों को लोगों ने पसंद किया, खासकर अभिषेक की एक्टिंग को सराहना मिली. अब एक बार फिर से जूनियर बच्चन एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो आपके दिल को छू जाएगी. फिल्म का नाम है- कालीधर लापता, इसकी एक झलक आप इसके ट्रेलर में देख सकते हैं.

अभिषेक बच्चन स्टारर कालीधर लापता का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया. फिल्म का ट्रेलर शानदार और दिल को छूने वाला है. क्योंकि अभिषेक इस फिल्म में किसी नामी आदमी या ओवर अचीवर से नहीं बल्कि एक बच्चे से जिंदगी जीना सीख रहे हैं. दरअसल किसी वजह से परेशान होकर अभिषेक का किरदार कालीधर अपना घर छोड़कर चला जाता है, बाहर उसे एक 12-13 साल का बच्चा मिलता है जो उसे जिंदगी की छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढना सीखाता है. साथ ही उसे खुद के लिए जीने के लिए इंस्पायर करता है. कालीधर के घरवाले उसे ढूंढने की कोशिश करते हैं लेकिन वह यह जानते हुए भी घर नहीं जाना जाता है.

तो कैसे एक अपनो को छोड़कर एक अजनबी बच्चे संग कालीधर अपनी एक अलग दुनिया बसाता है यही उसकी कहानी है. ट्रेलर में कई ऐसे डायलॉग हैं जो दिल को छूते हैं जैसे बच्चा कहता है- हर रिश्ते की एक एक्सपायरी डेट होती है, अब से अपने लिए जीना सीखो, वो करो जो तुम्हारा मन करे. जिसके बाद कालीधर हर वो छोटी छोटी चीजें करता है जो वो कभी करना चाहता था.

ट्रेलर में कॉमेडी, ड्रामा, सस्पेंस, इमोशन सबकुछ देखने को मिलेगा. अभिषेक ने अपने एक्स हैंडल पर ट्रेलर शेयर करते हुए कहा, कभी-कभी लाइफ में दूसरा मौका मिलने लगता है और यही वह समय होता है जब सबसे अलग एक्सपीरियंस और रिश्ते बनते हैं. उन्होंने फिल्म को एक दिल को छू लेने वाली स्लाइस-ऑफ-लाइफ फिल्म भी कहा.

कहानी, म्यूजिक और डायलॉग के साथ फिल्म की कास्ट भी बेहतरीन है. अभिषेक बच्चन, कालीधर का किरदार निभा रहे हैं वहीं दैविक बगेला (बल्लू) और जीशान अय्युब अहम रोल में हैं. फिल्म को मधुमिता ने निर्देशित की है और जी स्टूडियो ने प्रोड्यूस की है. कालीधर लापता 4 जुलाई को जी5 पर प्रीमियर होने वाली है. अभिषेक हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आए जो अभी सिनेमाघरों में चल रही है.

विजय अग्रवाल पुनः बने अग्रवाल समाज के अध्यक्ष

रायपुर। अग्रवाल समाज के वरिष्ठ सदस्य व समाज के अध्यक्ष विजय अग्रवाल एक बार पुनः अग्रवाल समाज के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए है। शनिवार को नाम वापसी का अंतिम दिन था और उनके प्रतिद्वंधी सुरेश गोयल ने अंतिम समय में अपना नाम वापस ले लिया और विजय अग्रवाल के समर्थकों के भी नाम वापस लेने के बाद निर्वाचन पदाधिकारियों ने विजय अग्रवाल को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर दिया। निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया और उन्होंने जल्द ही अपनी नई कार्यकारिणी की घोषित करने की बात कहीं।

न्यूज गैलरी

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने एनएफएसयू और एनएफएसएल का किया भूमिपूजन

00 नवा रायपुर के बंजारी में 40 एकड़ में बनेगा दोनों संस्थानों का सर्वसुविधायुक्त आधुनिक भवन

00 साइंटिफिक इन्वेस्टीगेशन के साथ ही फोरेंसिक विज्ञान, अपराध विज्ञान, खोजी अनुसंधान और फोरेंसिक मनोविज्ञान में शिक्षा व प्रशिक्षण की मिलेगी सुविधा

रायपुर। केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नवा रायपुर के ग्राम बंजारी में राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) और राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला (एनएफएसएल) के भवनों के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। नवा रायपुर के बंजारी में 40 एकड़ में दोनों राष्ट्रीय संस्थानों के सर्वसुविधायुक्त आधुनिक भवन बनाए जाएंगे। परिसर में दोनों संस्थानों के भवनों के निर्माण के लिए प्रारंभिक रूप से 130-130 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा, छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डा. रमन सिंह, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम और वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप भी भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

एनएफएसएल देश की सबसे हाइटेक फोरेंसिक लैब है। इसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ को साइंटिफिक इन्वेस्टीगेशन के क्षेत्र में बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। वहीं एनएफएसयू फोरेंसिक विज्ञान के अध्ययन के लिए देश का शीर्षस्थ संस्थान है। यह फोरेंसिक विज्ञान, खोजी विज्ञान और अपराध विज्ञान में विशेषज्ञता के कोर्सेज संचालित करती है। वर्ष 2020 में इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा दिया गया है। राज्य में इसकी स्थापना से फोरेंसिक विज्ञान, अपराध विज्ञान, खोजी अनुसंधान और फोरेंसिक मनोविज्ञान जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में शिक्षा और प्रशिक्षण सुलभ होगा।

इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस, विधायकगण सर्वश्री किरण देव, इंद्र कुमार साहू, अनुज शर्मा और गुरू खुशवंत साहेब, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन और पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम सहित गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह के छत्तीसगढ़ आगमन पर मुख्यमंत्री साय ने स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर किया स्वागत

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ आगमन पर आज स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, विधायक श्री धर्मलाल कौशिक, श्री किरण देव, श्री अमर अग्रवाल, श्री पुरंदर मिश्रा, श्री अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब , मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी दयानंद, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री लाल उमेद सिंह उपस्थित थे।

केंद्रीय स्तर का कोई मंत्री नहीं पहुंचा है अबूझमाड़, आज आ रहे हैं केंद्रीय गृहमंत्री शाह अबूझमाड़ के इरकभट्टी

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन यानी 23 जून को सुबह 11:15 बजे बीएसएफ के हेलीकॉप्टर से नारायणपुर के इरकभट्टी स्थित बीएसएफ कैंप जाएंगे। यहां वे अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्रामीणों से संवाद करेंगे, ग्राम भ्रमण करेंगे और बीएसएफ कैंप में जवानों के साथ भोजन और चर्चा में हिस्सा लेंगे । श्री शाह का दोपहर 3:30 बजे इरकभट्टी कैंप से रायपुर लौटने का कार्यक्रम है। शाम 4:30 बजे वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

उल्लेखनिय है कि अबूझमाड़ के जंगलों में 21 मई को डीआरजी के जवानों ने शीर्ष कैडर नक्सली संगठन के महासचिव बसव राजू को ढेर दिया था। यह नक्सल इतिहास की अब तक सबसे बड़ी सफलता है। इस मुठभेड़ के एक महीने बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 23 जून को अबूझमाड़ के इरकभट्टी कैंप पहुंच रहे हैं। यहां वे उन डीआरजी जवानों से मुलाकात करेंगे जिन्होंने बसव राजू को ढेर करते हुए नक्सलवाद की रीढ़ पर प्रहार किया था। अमित शाह ने पिछले दिनों दिल्ली में कहा था कि अब वे उन जवानों से मिलने के लिए उत्सुक है, जिन्होंने बसव राजू को ढेर किया है। बताया जा रहा है कि श्री शाह जवानों से मुलाकात के दौरान उनके अनुभव पर चर्चा करते हुए उन्हें आगे के ऑपरेशन के लिए प्रोत्साहित करेंगे, इस दौरान जवानों के साथ लंच भी करेंगे।

पूरे देश सहित बस्तर से नक्सलवाद के खात्मे का जबसे अभियान शुरू हुआ है, तब से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह लगातार नक्सलियों की मांद में दाखिल हो रहे हैं। इससे पहले भी वे सुकमा और बीजापुर के धुर नक्सल प्रभावित कैंपों में पहुंच चुके हैं। अब वे पहली बार अबूझमाड़ जाने वाले हैं, ऐसा करने वाले वे देश के पहले गृहमंत्री होंगे। केंद्रीय स्तर का कोई भी मंत्री आज तक अबूझमाड़ नहीं पहुंचा है, लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह वहां जाने वाले है जहां कभी नक्सलियों का सबसे मजबूत गढ़ हुआ करता था । शाह का अबूझमाड़ प्रवास नक्सलियों का मनोबल तोडने और जवानों हौसला का बढ़ाने वाला होगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अबूझमाड़ प्रवास के तय कार्यक्रम के अनुसार 23 जून को सुबह 11:15 बजे नारायणपुर के नियद नेल्लानार योजना के तहत विकसित गांव में जाएंगे। वहां से दोपहर 2.20 बजे अबूझमाड़ के इरकभट्टी कैंप पहुंचेंगे। यहां दोपहर 3.20 तक जवानों के साथ लंच करते हुए संवाद करेंगे। अबूझमाड़ के जिस इरकभट्टी गांव में शाह डीआरजी जवानों से मिलेंगे, उस गांव का कायाकल्प नियद नेल्लानार योजना के तहत किया गया है। शासन ने यहां मुलभूत योजनाएं पहुंचाते हुए इसे मॉडल विलेज के रूप में विकसित किया है। धुर नक्सल प्रभावित रहे इस गांव में हुए बदलाव को अमित शाह करीब से देखेंगे और यहां उन ग्रामीणों से बात करेंगे। अमित शाह दोपहर 3:30 बजे इरकभट्टी कैंप से रायपुर लौटने का कार्यक्रम है। शाम 4:30 बजे वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

देश की अखंडता के लिए आजीवन लड़ते रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

एक निशान एक संविधान और एक प्रधान का नारा डॉ. मुखर्जी ने दिया, 00 23 जून पुण्यतिथि पर विशेष

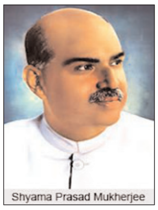
Shyama Prasad Mukherjee

रायपुर। लम्हों ने खता की और सदियों ने सजा पाई ऐसे में बरबस डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पुण्य स्मरण हो जाता है जिन्होंने कश्मीर को भारत का अखंड अंग बनाने की पुरजोर वकालत की थी और उसके लिए अपने प्राणों का शेख अब्दुला की जेल में उत्सर्ग कर दिया। डॉ. श्यामा प्रसाद का बलिदान आज इतिहास के पन्नों पर दर्ज है। जम्मू-कश्मीर जो भारत का मुकुट और दुनिया की जन्नत रही है आज उग्रवाद आतंकवाद के कारण लहुलुहान है। डॉ. मुखर्जी पहले व्यक्ति थे जिन्होंने यह कल्पना की थी कि विभाजन की पीड़ा नासूर बनेगी फिर तुष्टिकरण की नीति का अंत नहीं होगा। एक निशान एक संविधान और एक प्रधानमंत्री का नारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिया। भारत के दूसरे राज्यों के लोग जम्मू-कश्मीर में जमीन नहीं खरीद सकते थे। यह जम्मू-कश्मीर पर लागू नहीं होता था। जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35ए द्वारा दिए गए विशेष दर्जे को हटाने के लिए भारतीय संसद ने 5 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी। राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के शिल्पी डॉ. मुखर्जी की अनन्य राष्ट्र भक्ति की गौरव गाथा ऐतिहासिक है। उनकी जिद के कारण पाकिस्तान के रूप में संपूर्ण पंजाब और बंगाल तश्तरी में भेंट नहीं किया जा सका। लेकिन जम्मू कश्मीर को दोहरे मापदण्डों में लाकर भारत और उसके मुकुट प्रदेश को लहुलुहान होने को छोड़ दिया नतीजा आज हमारे सामने है। वे जीवन पर्यन्त जम्मू कश्मीर भारत विलय और अखंडता के लिए संघर्ष करते रहे। भारत के मुकुट प्रदेश जम्मू कश्मीर के मर्म को डॉ. मुखर्जी ने देश की आजादी के दौरान ही समझ लिया था। राष्ट्रीय एकता अखंडता के प्रतीक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई सन 1901 को कलकत्ता के आशुतोष मुखर्जी के यहां हुआ था। भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने शुरू से ही अनुच्छेद 370 का विरोध किया। उन्होंने इसके खिलाफ लड़ाई लड? का बीड़ा उठाया था। उन्होंने कहा था कि इससे भारत छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट रहा है। मुखर्जी ने इस कानून के खिलाफ भूख हड़ताल की थी। वो जब इसके खिलाफ आन्दोलन करने के लिए जम्मू-कश्मीर गए तो उन्हें वहां घुसने नहीं दिया गया। वे गिरफ्तार कर लिए गए थे। 23 जून 1953 को हिरासत के दौरान ही उनकी रहस्यमय ढंग से मृत्यु हो गई।

डॉ. श्यामा प्रसाद में बचपन से ही निडरता आज्ञापालन शिक्षण के प्रति गहन रूचि और विलक्षण स्मरण शक्ति देखी जा सकती थी। कई बार अपने स्कूल के गरीब विद्यार्थियों को वे अपनी पुस्तक दे देते थे यह कहकर मुझे सब पाठ याद है। उनका शांत शालीन स्वभाव और कक्षा में प्रथम आने के कारण सभी शिक्षक उन्हें चाहते थे। भवानीपुर इंस्टीट्यूट में उन्होंने शिक्षा ग्रहण की और सन 1917 में प्रथम श्रेणी में मेट्रिक पास हुए। प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लेकर सेन 1921 में बी ए की पदवी प्राप्त की। उन्होंने वर्ष 1923 में बांग्ला में एम ए की उपाधि ली और फिर लॉ की भी डिग्री हासिल की। वर्ष 1926 में वे इंग्लैण्ड से बैरिस्टर होकर स्वदेश लौटे। उनकी विद्वता के लिए इतना कहना पर्याप्त होगा कि वे 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्व विद्यालय के उप कुलपति पद से सम्मानित किए गए। डॉ. मुखर्जी सन 1942 में बंगाल प्रांत के हक मंत्रीमंडल से इस्तीफा देकर स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में कूद पड़े। ब्रिटिश सरकार ने जब भारत के विभाजन पर प्रस्ताव किया और कांग्रेस ने लीग के उग्रवादी तेवरों के सामने घुटने टेक कर बंगाल और पंजाब प्रदेश पाकिस्तान के रूप में भेंट करने में रजामंदी दिखाई तो डॉ. मुखर्जी ने इसका प्रबल विरोध किया। महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल के अनुरोध पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आजाद भारत के पहले केन्द्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री बनने सहमत हो गए। उन्होंने भारी उद्योग मंत्रालय संभाला और चिंतरंजन लोकोमोटिव के निर्माण की आधार शिला रखी लेकिन सरदार पटेल के अवसान के पूर्व तत्कालीन सरकार की तुष्टिकरण नीतियों के कारण मतभेद गहरा हो गया और उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया और राष्ट्रवादी प्रखर चिंतन की नई दिशा को सार्थक दिशा दी। डॉ. मुखर्जी के उस भाषण पर गौर किए जाने की आवश्यकता है जो उन्होंने 26 जून सन 1952 को संसद में दिया था उन्होंने कहा था जब भारत आजाद है और जम्मू कश्मीर का उसमें संवैधानिक विलय हो चुका है तो जम्मू कश्मीर के जनमानस को वही अधिकार क्यों नहीं जो सारे भारत के नागरिक को दिए गए हैं। एक निशान एक संविधान और एक प्रधानमंत्री का नारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिया।

आगामी विधानसभा सत्र में सामाजिक बहिष्कार जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ सक्षम कानून बनाया जाये - डॉ. मिश्र

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कि हमारे यहाँ सामाजिकऔर जातिगत स्तर पर सक्रिय पंचायतों द्वारा सामाजिक बहिष्कार के मामले लगातार सामने आते रहते हैं। पिछले दिनों जशपुर में 1 परिवार, कोंडागांव में 1 परिवार तथा केशकाल में 10 परिवारों, सरायपाली में 5 परिवारों, बगीचा कांसाबेल में 1 परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने की घटना सामने आई है ग्रामीण अँचल में ऐसी घटनाएँ बहुतायत से होती है जिसमें जाति व समाज से बाहर विवाह करने, समाज के मुखिया का ककहना न मानने, पंचायतों के मनमाने फरमान व फैसलों को सिर झुकाकर न पालन करने पर किसी व्यक्ति या उसके पूरे परिवार को समाज व जाति से बहिष्कार कर दिया जाता है व उसका समाज में हुक्का पानी बंद कर दिया जाता है। कुछ मामलों में तो स्वच्छता मित्र बनने पर, तो कहीं आर.टी.आई. लगाने पर भी समाज से बहिष्कृत कर दिया गया है। पूरे प्रदेश में 30 हजार से अधिक व्यक्ति सामाजिक बहिष्कार जैसी कुरीति के शिकार हैं। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति सामाजिक बहिष्कारजैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ जनजागरण एवं प्रताड़ित लोगों की मदद के लिए पिछले कुछ वर्षों से लगातार कार्य कर रही है। समिति सभी जनप्रतिनिधियों को पत्र लिखकर आगामी विधानसभा सत्र में सामाजिक बहिष्कार के खिलाफ कानून बनाने की मांग कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में महाराष्ट्र विधानसभा में सभी सदस्यो ने सामाजिक बहिष्कार प्रतिषेध अधिनियम के संबंध में महत्वपूर्ण कानून को बिना किसी विरोध के सर्वसम्मति से11 अप्रैल 2016 को पारित कर दिया तथा 20 जून 2017 को माननीय राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी मिलने के बाद 3 जुलाई 2017 से पूरे महाराष्ट्र में लागू कर दिया गया ।इसी प्रकार हमारे प्रदेश में भी सामाजिक बहिष्कार प्रतिषेध अधिनियम की महती आवश्यकता महसूस की जा रही है।

डॉ. मिश्र ने आगे कहा कि सामाजिक बहिष्कार के कारण विभिन्न स्थानों से आत्महत्या, हत्या, प्रताड?ा व पलायन की खबरें लगातार समाचार पत्रों में आती रहती है। इस संबंध में अब तक कोई सक्षम कानून नहीं बन पाया है इसलिए ऐसे मामलों में कोई उचित कार्यवाही नहीं हो पाती है न ही रोकथाम का कोई प्रयास होता है। सामाजिक बहिष्कार के मामलों के आँकड़े कको लेकर नेशनलक्राइम रिकार्ड ब्यूरो, राज्य सरकार, पुलिस विभाग के पास कोई अब तक रिकार्ड जानकारी नहीं है ऐसी जानकारी सूचना केअधिकार के अंतर्गत प्राप्त हुई है। जबकि ऐसी घटनाएँ लगातार होती है। इस संबंध में सामाजिकक बहिष्कार प्रतिषेध अधिनियम को आगामी विधानसभा सत्र में सामाजिक बहिष्कार केसंबंध में सक्षम ककानून बनाने के लिए पहल करें ताकि अनेक प्रताड़ितों को न्याय मिल सके।

जब उम्मीद की डोर थमने लगीज मुख्यमंत्री बने संबलः मुख्यमंत्री की मदद बनी शालू के सपनों की सीढ़ी

00 बेटी, तुम आगे बढ़ो हम सब तुम्हारे साथ हैं - मुख्यमंत्री, 00 अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टबॉल खिलाड़ी शालू डहरिया को दी वीडियो कॉल पर शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ की बेटी और 12 बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी सॉफ्टबॉल खिलाड़ी शालू डहरिया के चेहरे पर उस वक्त मुस्कान की लहर दौड़ गई, जब स्वयं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उन्हें वीडियो कॉल कर न सिर्फ शुभकामनाएं दीं, बल्कि उनके सपने को पूरा करने के लिए जरूरी आर्थिक मदद भी प्रदान किया ।

शालू डहरिया का चयन 14 से 20 जुलाई, 2025 को चीन के सिआन में होने वाली एशिया यूथ सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है।छत्तीसगढ़ से इस ओपन टूर्नामेंट के लिए केवल दो महिला खिलाडि?ों का चयन हुआ है, जिनमें शालू डहरिया भी शामिल हैं। लेकिन इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भागीदारी के लिए आवश्यक 1.70 लाख की फीस उनके लिए एक बड़ी बाधा बन गई थी। आर्थिक रूप से साधारण परिवार से आने वाली शालू के पिता प्राइवेट सुरक्षा गार्ड हैं और माँ एक छोटे से ब्यूटी पार्लर का संचालन करती हैं। बावजूद इसके शालू ने आठवीं कक्षा से सॉफ्टबॉल खेलना शुरू किया और अब तक एक गोल्ड मेडल सहित 12 बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने शालू डहरिया को वीडियो कॉल कर कहा ₹बेटी, तुम आगे बढ़ोज

हम सब तुम्हारे साथ हैं। छत्तीसगढ़ को तुम पर गर्व है। अच्छा खेलो, मेरी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं। देश और प्रदेश का नाम रोशन करो।₹ मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार बेटियों को केवल प्रोत्साहित नहीं करती, बल्कि जरूरत पड? पर उनके सपनों को पंख देने के लिए भी हमेशा तत्पर रहती है।

संवेदनशीलता की मिसाल बनी यह पहल - मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दिशानिर्देश पर त्वरित अमल करते हुए जांजगीर चांपा कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने शालू को ?1.70 लाख की सहायता राशि का चेक सौंपा और प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। शालू की माता श्रीमती अल्का डहरिया ने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी की संवेदनशील पहल और आर्थिक सहायता से मेरी बेटी को अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय की यह पहल बताती है कि सरकार सिर्फ योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं, जरूरत की घड़ी में हाथ पकड़कर साथ निभाने वाली साथी है। बेटियों के सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

KJ
स्थापना - 1928
मानक पथप्रदर्शक 100% Hallmark Jewellery
कंचन ज्वेलर्स
स्वर्ण एवं रजत आभूषणों का विशाल संग्रह
सदर रोड, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)
फोन - 07774-222309

सरगुजा संभाग
अम्बिकावाणी
■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

ब्रम्हचर्य ही परमात्मा के समीप जाने का साधन है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रौनियार विवाह दर्पण पत्रिका को किया लोकार्पित - 10

अम्बिकापुर सोमवार, 23 जून 2025

■ एक जुलाई से तिलसिंवा स्थित मां दुर्गा मंदिर का चार दिवसीय वार्षिकोत्सव- 12

पहाड़ी कोरवा की आत्महत्या मामला...आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने एनएच में किया चक्काजाम

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

बलमरामपुर-रामानुजगंज जिले के बरियों चौकी अंतर्गत भेस्की गांव में पहाड़ी कोरवा की आत्महत्या मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने एनएच-३४३ पर बरियों-धौरपुर मार्ग के पास चक्काजाम किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारे लगाए। उन्होंने मृत पहाड़ी कोरवा के परिजनों को २ करोड़ रुपए का मुआवजा देने समेत ७ सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

वहीं ग्राम भेस्की निवासी पहाड़ी कोरवा भइरा को प्रताडित कर आत्महत्या करने पर विवश कर दिया। आदिवासी व्यक्ति को जिन्दा क्रशर में डाल कर हत्या कर दी गई। इस संबंध में उन्होंने ७ सूत्रीय मांगें की। सर्व आदिवासी समाज के चक्काजाम के दौरान एनएच के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। पुलिस बल उन्हें समझाने का प्रयास करती रही।

सर्व आदिवासी समाज का कहना है कि आत्महत्या कर चुके भइरा के परिजन को २ करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता राशि डीएमएफ फंड या आरोपी विनोद अग्रवाल की संपत्ति कुर्क कर प्रदान की जाए। ग्रामीण जुबरो की भूमि को विनोद अग्रवाल द्वारा शिवा के नाम रजिस्ट्री कराई गई। इसे निरस्त किया जाए तथा इसमें शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध एसडीएससी एक्ट की धारा ३ (१) (एफ) ३ (१) (द) ३ (२) (वीए) जोडकर गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि आरोपी विनोद अग्रवाल द्वारा आदिवासी बोदरो पिता धीरसाय गोंड को ३ साल पूर्व क्रशर में जिंदा डालकर हत्या कर दी गई थी। इस प्रकरण को फिर से ओपन कर इसमें शामिल आरोपियों के खिलाफ एसटीएससी एक्ट के तहत एफआईआर कर गिरफ्तार किया जाए।सर्व आदिवासी समाज ने मांगों के क्रम में कहा कि विनोद अग्रवाल व प्रवीण अग्रवाल द्वारा ग्राम भेस्की निवासी सोमार साय, घासी, चमार साय, गोदरो, भोला, बईगा ग्राम बरियों की कुबेर साय समेत अन्य लोगों की सैकड़ों एकड़ जमीन शिवा व कमला के नाम फर्जी रजिस्ट्री कराई गई है। इसे निरस्त कर जमीन वापस दिलाई जाए। वहीं ग्राम भेस्की, बरियों, बघिमा, घोरघडी, डिगनगर में संचालित सभी क्रशरों जांच कर अवैध लीज को निरस्त किया जाए।

इसके अलावा कृष्णा एवं सोमारी की संयुक्त खाते की भूमि को सह खातेदार कुबेर को अगवा कर छल-कपट से विनोद अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, सुनिल अग्रवाल, सुदामा उर्फ बाबुलाल श्रीवास्तव, उदय कुमार शर्मा, कमला देवी, राहुल सिंह, यशवंत कुमार द्वारा फर्जी रजिस्ट्री करा ली गई है। इस संबंध में बरियों चौकी में दिए गए आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग शामिल है।

कार्मिक सम्पदा पोर्टल पर शासकीय सेवकों की जानकारी अद्यतन करने के सम्बंध में दिशा-निर्देश जारी

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने बताया कि राज्य के शासकीय सेवकों के सेवा अभिलेखों को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखने हेतु प्रत्येक शासकीय सेवकों का कार्मिक सम्पदा मॉड्यूल में व्यक्तिगत जानकारी सही एवं पूर्ण भरी होना आवश्यक है तथा शासकीय सेवकों के कार्मिक सम्पदा मॉड्यूल में व्यक्तिगत जानकारी अद्यतन करने हेतु संचालनालय द्वारा एम्प्लॉई कॉर्नर एप निर्मित किया गया है एवं एम्प्लॉई कॉर्नर वेब एप्लीकेशन को संशोधित किया गया है। इसके माध्यम से वे सभी शासकीय सेवक जिनका एम्पलाई कोड जारी हो चुका है, वे मेकर के रूप में स्वयं की जानकारी अद्यतन कर सकेंगे तथा चेकर (कार्यालय प्रमुख) द्वारा इन जानकारियों को सेवा पुस्तिका के अभिलेखों के आधार पर अद्यतन किया जाएगा। उपरोक्त प्रक्रिया कि सम्पूर्ण जानकारी पर जाकर महत्वपूर्ण सूचना के अन्तर्गत प्रथम सूचना पर क्लिक कर प्राप्त की जा सकती है।

चार माह पूर्व खोदा गया गढ़ढा बना जानलेवा

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दरिमा में हमर लैब नया भवन निर्माण हेतू चार माह पूर्व खोदी गई नींव जो अब बड़े-बड़े गढ्?ढे हो गये है, कर्मचारियों एवं आम जनता के लिये परेशानी का कारण बनते जा रहा है। लगभग चार माह पूर्व जेसीबी से बड़े-बड़े २४ गढ्?ढे खोदे गये जो आजतक पूरे भरे नहीं गये है, बस कॉलम का ढाँचा-सरिया लगा कर खड़ा किया गया है। गढ्?ढे यथावत हैं। उन्हें भरने की फुरसत निर्माण एजेंसी को नहीं मिली है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दरिमा का कम्प्यूटर कक्ष तथा वैक्सीन रूम वहीं बगल में हैं जहाँ गर्भवती और शिशुवती महिला आवश्यक कागज जमा करने एवं जन्म प्रमाण पत्र बनवाने आते हैं। साथ ही अस्पताल के ज्यादातर कर्मचारी एवं शासकीय क्वाटर में रहने वाले कर्मचारीगण भी इसी रास्ते से आना जाना करते हैं। यही स्थिति रही और गढ्?ढों एवं मिट्टी को भरकर समतल नहीं किया गया तो कोई भी बड़ी अनहोनी हो सकते है।

तेज रफ्तार बोलेरो वाहन रिहायशी क्षेत्र में डिवाइड को टक्कर मार किराना दुकान की दीवार को किया क्षतिग्रस्त

नशे में धुत्त से वाहन सवार, स्थानीय लोगों की लगी भीड़, दिखा आक्रोश

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

तेज रफ्तार बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर कई लोगों के को कुचलते कुचलते नगर के रिहाईसी क्षेत्र में राजू जायसवाल के किराना दुकान में रात्रि कालीन १०:३० बजे के आसपास जा घुसी, जहां अन्य लोग भी बाल-बाल बच गए।

वाहन की जोरदार टक्कर से दीवाल एवं डिवाइडर क्षतिग्रस्त हो गई, तेज रफ्तार वाहन द्वारा डिवाइडर को टक्कर मारने से मोहल्ले के सभी लोग आनन फानन में दौड़ते हुए अपने घरों से सड़क पर निकले तो देखा इस तरह का घटनाक्रम घट चुका था, तथा वाहन में बैठे शराब के नशे में धूत लोग होश में नहीं थे।इस घटनाक्रम से मोहल्ले में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते सैकड़ो लोगों की भीड़ हो गई। माहौल गर्म एवं उग्र हो गया लोगों में आक्रोश फैल गया। नगर के अंदर शराब के नशे में वाहन चलाना या दुर्घटना करना कोई नई बात नहीं है ।आए दिन शराब के नशे में एक्सीडेंट होना आम बात हो गयी है। तेज रफ्तार वाहन प्रतापपुर शहर में भी तेज रफ्तार से चलते हुए निकलते हैं जिन पर कार्रवाई नहीं होने के कारण इनके हौसले बुलंद है। बताया जा रहा है कि नशे के हालत में स्कार्पियो सवार लोगों द्वारा तेज रफ्तार से वाहन चलाने की वजह से कई लोगों की जान जाते-जाते बच गई।

बताया जा रहा है कि वाहन चालक कम से कम १२० के रफ्तार से वाहन चला रहा था। सबसे बड़ी बात यह है कि दुकान संचालक कुछ देर पहले ही अपने प्रतिष्ठान को बंद करके अपने घर चले गए थे तथा भीड़भाड़ वाले स्थान होने के कारण उक्त स्थान पर लोग हमेशा रहते हैं सड़कों पर लोगों का आना-जाना होता है। इस तरह की घटना होने से कई लोग बाल बाल बच गए नहीं तो बड़ी दुर्घटना हो जाती। कुछ महीने पूर्व ही इस स्थान पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक का मौत हो गयी थी। टैंकर ने युवक को कुचल दिया था। इस घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस में वाहन चालक सहित वाहन में बैठे हुए लोगों को थाना ले गई जिन पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही गई।

तेज डायग्नोस्टिक ब्लड बैंक/सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल(MRM)हॉस्पिटल
बाबूपारा, गोड़ा तालाब के सामने अम्बिकापुर
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं . . .
जनरल सर्जरी : ऑपरेशन –
– सभी प्रकार के हर्निया, हाइड्रोसील
– पाइल्स (बवासीर)
– फिसर/फिस्टुला (भगंदर)
– स्तन संबंधी ऑपरेशन।
– पेट की बीमारियों (अपेन्डिक्स आदि) एवं पेशाब मार्ग की समस्याओं के ऑपरेशन।
– सभी सामान्य ऑपरेशन की सुविधा।
जनरल सर्जरी के ऑपरेशन हेतु
✦ आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित मेजर एवं माइनर ऑपरेशन थियेटर्स।
✦ सभी जीवन रक्षक उपकरणों की उपलब्धता से सुरक्षित ऑपरेशन की व्यवस्था।
✦ अनुभवी एवं कुशल शल्य चिकित्सा टीम।
✦ स्वच्छ वातावरण एवं सुव्यवस्था।
✦ उचित दरों पर उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा प्रदान करने हेतु संस्था संकल्पित है।
✦ आयुष्मान कार्ड सुविधा उपलब्ध एवं निशुल्क ऑपरेशन, भर्ती एवं उपचार किया जा रहा है।

डॉ. मनोज भारती
MBBS, MS Surgeon
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें
07774222555, 9425583780, 9826183780
8224007799, 8718003300, 6262639090

63 गांवों के 9000 हेक्टेयर में नहरों से पानी छोड़ने को लेकर सिंचाई विभाग ने दी अपनी सहमति

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

घुनघुट्टा श्याम परियोजना के कैचमेंट एरिया के ६३ गांवों के ९००० हेक्टेयर में नहरों में पानी छोड़ने को लेकर सिंचाई विभाग ने अपनी सहमति दे दी है। बांध में २५ प्रतिशत पानी होने का हवाला देकर सिंचाई विभाग नहर में पानी नहीं छोड़ रहा था। इस बात को लेकर आज पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में कृषकों के दल ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बांध के जलस्तर का अवलोकन किया। इसमें यह स्पष्ट हुआ कि विगत ४ दिनों की बारिश के बाद बांध में लगभग ४२ प्रतिशत पानी भर गया है, साथ ही बांध के जलस्त्रोत से निरंतरता भरपूर पानी बांध में आ रहा है। इस बांध से सिंचाई के साथ ही साथ अम्बिकापुर शहर को पेयजल की आपूर्ति भी की जाती है। इस कारण जलस्तर कम होने से अधिकारियों ने नहरों में पानी छोड़ने से मना किया था। खरीफ का सीजन प्रारंभ होने और खेत में पर्याप्त पानी नहीं होने से श्याम परियोजना के कैचमेंट एरिया के किसान परेशान थे। पानी की कमी की वजह से धान के थरहा का काम प्रभावित था। इससे चिंतित किसानों ने आज पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में बांध का दौरा कर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से चर्चा की, जिसके फलस्वरूप अधिकारियों ने नहर में पानी छोड़ने का आश्वासन दिया है। इस दौरान पारस राजवाड़े, पवन राजवाड़े, संजीव कश्यप उमाशंकर प्रमेन्द्र सरजाल, विनोद राजवाड़े हीरालाल राजवाड़े, कन्नीलाल, गीता, रविशंकर कुशवाहा, रविशंकर नायक, दिनेश, राज कश्यप राकेश सोनी सहित कई कृषक और ग्रामीण मौजूद थे।

खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन,

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर नियंत्रण हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को बतौली क्षेत्र अंतर्गत खनिज वाहनों की जांच के दौरान अवैध परिवहन करते हुए ०२ हाईवा गिट्टी एवं ०३ ट्रेक्टर रेत जप्त किया गया। इन प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम १९५७ की धारा २१(४) एवं एमएमडीआर की धारा २१(५) एवं २३ के तहत कार्यवाही करते हुए १,२२,३३६ रुपए का अर्थदण्ड जमा करवाया गया है। खनिज अधिकारी श्रीमती त्रिवेणी देवांगन द्वारा बताया गया

आर्म्स एक्ट का आरोपी गिरफ्तार,2 नग धारदार गड़ासा किया गया जप्त

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

सार्वजानिक स्थान पर गड़ासा लहराकर आमनागरिकों कों डरा धमकाकर भयभीत करने वाले आरोपी को चौकी रघुनाथपुर पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देशन मे सरगुजा पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों मे संलिप्त आसामाजिक तत्वों एवं उपद्रवी तत्वों के विरुद्ध लगातार सख़्ती से कार्यवाही कर लगातार धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम में २१ जून कों चौकी रघुनाथपुर पुलिस टीम कों जरिये मुखबीर सूचना मिली की रघुनाथपुर सड़कपारा एन एच ४३ रोड़ मे आनंद विश्वकर्मा नामक युवक अपने दोनों हाथो मे लोहे का धारदार गड़ासा लेकर लहराते हुए आमनागरिकों कों डरा धमकाकर भयभीत कर रहा हैं।

सूचना पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही कर मौके पर पहुंचकर आनंद विश्वकर्मा की घेराबंदी कर पकड़कर आरोपी के कब्जे से ०२ नग लोहे का धारदार गड़ासा जप्त कर पूछताछ किया गया। आरोपी द्वारा अपना नाम आनंद विश्वकर्मा आत्मज केदारनाथ विश्वकर्मा उम्र २६ वर्ष निवासी रघुनाथपुर सड़कपारा चौकी रघुनाथपुर थाना लुन्ड्रा का होना बताया।आरोपी से जप्त ०२ नग लोहे का गड़ासा के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर कोई वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नही किया गया,

आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर सार्वजानिक स्थान पर धारदार गड़ासा रखकर लहराते हुए आमनागरिकों कों भयभीत करना स्वीकार किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से चौकी रघुनाथपुर/थाना लुन्ड्रा मे धारा २५, २७ आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे चौकी प्रभारी रघुनाथपुर उप निरीक्षक दिलीप दुबे, प्रधान आरक्षक दीनानाथ भारती, आरक्षक राकेश एक्का, बहादुर एक्का, भूपेंद्र सिंह, मकरध्वज सक्रिय रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रौनियार विवाह दर्पण पत्रिका को किया लोकार्पित

समाज द्वारा रौनियार जाति को केंद्रीय ओबीसी सूची में जोड़ने की मांग, मुख्यमंत्री ने कहा पत्रिका से समाज की नई पीढ़ी को मिलेगी प्रेरणा

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

रौनियार (गुप्ता) समाज के अनुषंगी घटक रौनियार दर्पण परिवार द्वारा प्रकाशित पुस्तक रौनियार नागरिक अलंकरण सह वैवाहिक स्मारिका भाग-२ का औपचारिक का लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के हाथों २१ जून को हुआ। मुख्यमंत्री जी ने अपने गृह ग्राम बगिया स्थित निवास पर रौनियार दर्पण परिवार एवं समाज के विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल के आग्रह पर पत्रिका को आमजनों के लिए लोकार्पित किया। पत्रिका में माननीय मुख्यमंत्री जी का शुभकामना संदेश भी प्रकाशित हुआ है।

रौनियार दर्पण पत्रिका हेतु सरगुजा सांसद श्री चिन्तामणि महाराज जी और रायगढ़ सांसद श्री राधेश्याम राठिया जी ने भी शुभकामना संदेश देकर समाज की ख्याति, उन्नति और सफलता की कामना की है। उल्लेखनीय है पत्रिका का औपचारिक विमोचन कुछ ही दिन पूर्व माननीय सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो जी के द्वारा हुआ है।

पत्रिका का अवलोकन करने के बाद माननीय मुख्यमंत्री श्री साय जी ने इसके कलेवर, सामग्री, प्रेरक लेख एवं वैवाहिक डाटा संकलन कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पत्रिका में प्रकाशित

सुयश, मिसाल और उपलब्धि खण्ड सराहनीय है। राजनीति के क्षेत्र में समाज के बढ़ते कदम के लिए उन्होंने समाज को बधाई दी। आगे उन्होंने कहा कि समाज की नई पीढ़ी को पत्रिका से अवश्य प्रेरणा मिलेगी, शादी विवाह के रिश्ते आसानी से तय होंगे और आने वाले समय में समाज के लोग और उल्लेखनीय सफलता और सम्मान हासिल करने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने नारी शक्तियों के लिए आशीर्वाद देते हुए रौनियार दर्पण के संपादक मंडल की सराहना की और कहा मोबाइल के युग में पत्रिका का प्रकाशन बहुत ही सार्थक कार्य है। पूरी टीम बधाई की पात्र है।

इस मुलाकात के दौरान रौनियार समाज के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश संयोजक श्री प्रमोद गुप्ता, आकाश गुप्ता एवं दर्पण के संयोजक यतींद्र गुप्ता के नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री जी से रौनियार जाति को केंद्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल कराने के मांग का ज्ञापन सौंपा और माननीय मुख्यमंत्री जी से इस पर संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री जी ने मांग को स्वीकार किया तथा अन्य राज्यों से आवश्यक दस्तावेज जुटाकर रायपुर में भेंट करने की बात कही और समुचित पहल का आश्वासन दिया। लोकार्पण के उपरांत समाज की ओर से माननीय मुख्यमंत्री जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय जी के

संयुक्त चित्र से सुसज्जित आकर्षक आभार प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत जशपुर श्री सालिक साय जी विशेष तौर पर उपस्थित रहे। समाज ने उन्हें भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में समाज की ओर से गडला इकाई के अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, आकाश गुप्ता, कल्याण प्रसाद गुप्ता, नारायण गुप्ता, अयोध किशोर गुप्ता, रोहित गुप्ता, परमेश्वर गुप्ता आदि उपस्थित रहे ।

रौनियार दर्पण पत्रिका परिवार से संयोजक यतींद्र गुप्ता, अध्यक्ष ज्योति गुप्ता, जिला प्रभारी नीलू गुप्ता, वितरण प्रभारी राधेश्याम गुप्ता, मीनाक्षी गुप्ता आदि सम्मिलित हुए।

संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग संगम दिवस का आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।आज महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग संगम दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती लक्ष्मी सिंह (लेक्चरर डाइट कॉलेज अंबिकापुर), श्रीमती सुधा चौधरी (योग एक्सपर्ट और ट्रेनर) ,श्रीमती अमृता जायसवाल (मेंबर ऑफ नवा बिहान),रेखा दीदी (सदस्य गायत्री परिवार) उपस्थित हुए । कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश स्तुति एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया । योग संगम की शुभारंभ गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ हुआ ।उन्होंने बताया कि योग एवं मंत्र, शारीरिक व मानसिक शांति और सफल जीवन का आधार है, तथा गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ ही अनेक आसन , प्राणायाम ,और योग मुद्रा

कराकर उनकी महत्व को समझाते हुए दैनिक जीवन में शामिल करने का सुझाव देते हुए बताया कि इससे मानव स्वस्थ एवं सफल जीवन जीते हुए सुखद,सफल और समरसता पूर्ण समाज का निर्माण कर सकता है। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अतिथियों के द्वारा 'करें योग रहें निरोग का नारा दिया ।यह नारा योग के महत्व को उजागर कर व्यक्ति, परिवार एवं समाज में योग की अस्मिता को स्थापित किया। कार्यक्रम में निरंतरता रखते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय डॉ.अंजन सिंह ने योग के महत्व को बताए तथा अपने वक्तव्य में कहे कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि एक जीवन शैली है,यह एक तन ,मन और आत्मा का संतुलन स्थापित कर जीवन को स्वास्थ्य ,शांत और सुखद बनाता है। कार्यक्रम की अगली कड़ी में प्राचार्य द्वारा योग एवं उल्लास नवभारत साक्षरता की शपथ दिलाई गयी, इसके पश्चात सभी अतिथियों का महाविद्यालय परिवार की ओर सेआभार व्यक्त करते हुए उन्हें शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया गया ।

समस्त कार्यक्रम के प्राचार्य महोदय डॉक्टर अंजन सिंह के मार्गदर्शन एवं सहायक अध्यापक सुमन पाण्डेय, डॉ. पूजा दुबे ,डॉ.रानी पाण्डेय, चंदा सिंह, नीरू त्रिपाठी ,एवं श्वेता त्रिपाठी, के निरीक्षण एवं निर्देशन तथा द्वितीय सेमेस्टर के समस्त प्रशिक्षार्थियों के सहभागिता से संपन्न सफलता पूर्ण संपन्न हुआ।

राजस्व पटवारी संघ की हुई जिला स्तरीय बैठक

प्रतापपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

राजस्व पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार साहू के द्वारा जिला स्तरीय बैठक किया गया, जिसमें सभी पटवारिओ की उपस्थित मे यह निर्णय लिया गया कि शासन की मंशा अनुसार चौहद्दी नकल पूर्णतया हस्तलिखित बंद किया जाए,वर्तमान में समस्त रिकार्ड कम्प्यूटरकृत होने के कारण ऑनलाइन अभिलेख से सभी कार्य संचालित किया गया है, शासन के द्वारा पूर्व मे निर्देश जारी कर दिया जा चुका है,जिसमें सूरजपुर जिला के समस्त पटवारी आदेश का पालन करते हुए लिखित चौहद्दी नकल न देने का निर्णय लिये है , हस्तलिखित चौहद्दी के चलते किसानों को बहुत सारी परेशानियों का भी सामना करना पड़ता था

जिससे अब नहीं करना पड़ेगा द्य तथा साथ में पटवारी साथियों पर भी कई आरोप लगाया जाता था जिससे सभी को निजात मिलेगी, कलेक्टर महोदय के ज्ञापन में निवेदन किया गया है कि सभी उप पंजीयन कार्यालय मे ऑनलाइन डिजिटल सिंगनेचर को मान्य करने का निर्देशित करने का कस्ट करें द्य निवेदन किया गया है कि सभी तहसीलों में पटवारी की पासबुक सर्विस बुक एरियास, सीआर संधारित नहीं हो पाया है सभी तहसील के अधिकारियों को निर्देशित करने की कृपा करें।

हाइब्रिड धान मक्का लेते समय रहें सतर्क -मुमताज अंसारी

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुमताज अंसारी ने हाइब्रिड धान मक्का लेते समय सतर्क रहने की अपील की है एवं हाइब्रिड धान मक्का एवं खाद्य लेने पर बिल भी प्राप्त दुकानदार से करने की अपील की है ताकि किसान ठगी के शिकार न हो एवं डुप्लीकेट बीज उन्हें न मिले। पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुमताज अंसारी ने कहा कि पिछले बार नकली हाइब्रिड मक्का एवं धान का बीज धोखे से कई किसानों ने खरीद लिया था। बाद में धान एवं मक्का नहीं हुआ जिससे किसानों को भारी क्षति हुई। उन्होंने किसानों से अपील की की सतर्क रहकर हाइब्रिड धान एवं मक्का खरीदे एवं साथ में बिल जरूर ले ताकि बाद में इसकी शिकायत खराब होने पर की जा सके। मुमताज अंसारी ने कृषि विभाग से मांग की है की मनमानी दर में हाइब्रिड धान मक्का एवं खाद्य की बिक्री न हो सके इसके लिए विभाग को विशेष सतर्क होने की आवश्यकता है जिस प्रकार से किसानों का शोषण कई बार हुआ इस बार भी न हो सके इसकी जवाबदारी कृषि विभाग की होनी चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान मे कराया गया योग

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान मे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर २१ जून को अणुव्रत समिति अंबिकापुर ने तीन स्थानों पर जीवन विज्ञान के तहत योग कराया प्रशिक्षिका स्वीटी जैन ने श्वास प्रेक्षा के साथ योग कराया, विभिन्न आसन, सूक्ष्म क्रिया कराते हुए हर आसन का महत्व बताया। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, जन शिक्षण संस्थान, एवं ज्ञानशाला मे योग कराया.

छत्तीसगढ़ प्रभारी ममोल कोचेटा के निर्देशन मे यह प्रकल्प पूर्ण हुआ.अणुव्रत समिति अध्यक्ष धनपत जी महनोत एवं पुरी समिति का सहयोग रहा.

योग के नशा मुक्त रहने की प्रेरणा देते हुए नशा मुक्ति का संकल्प भी कराया गया. सरस्वती शिक्षा

महाविद्यालय की प्राचार्य श्रद्धा मिश्रा, रानी रजक, उर्मिला यादव, प्रियलता, मिथलेश, एवं विद्यार्थी, जन शिक्षण संस्थान के डायरेक्टर एम सिद्धकी, अंचल ओझा, मुख्य अतिथि बार कॉन्सिल के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता,सरगुजा साइंस ग्रुप के संस्थापक अंचल ओझा अणुव्रत समिति सदस्य सुषमा जायसवाल, जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षणार्थी, ज्ञानशाला के विद्यार्थी एवं ज्ञानशाला की शिक्षिकाये योग दिवस का लाभ ली। आभार श्रीमती ममोल कोचेटा ने सभी का दिया।

दो दिवसीय शिविर में चिकित्सा सेवा लेने उमड़ी भीड़, हजारों लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना प्राथमिकता-नेताम

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

जिला प्रशासन एवं दीन-हीन सेवा समिति संयुक्त तत्वाधान में जिला मुख्यालय बलरामपुर के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय प्रांगण में दो दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर का समापन प्रदेश के आदिम जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं कृषि विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम के गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। समापन कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं दीन-हीन सेवा समिति की संरक्षिका श्रीमती पुष्पा नेताम, संस्थापक श्रीमती मनिषा सिंह, गणमान्य नागरिक श्री बाबूलाल अग्रवाल, गोपालकृष्ण मिश्र, नगर पालिका रामानुजगंज के अध्यक्ष श्री रमन अग्रवाल, बलरामपुर जनपद अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, जनपद अध्यक्ष रामचन्द्रपुर श्री मुन्द्रिका सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर उपस्थित रहे।

वृहद स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में जिला प्रशासन एवं दिन हीन सेवा समिति के चिकित्सकों की भूमिका को सराहते हुए कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि यह आयोजन सभी के सहयोग से सफल हो पाया है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर केवल उपचार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक प्रभावशाली जरिया भी होते हैं। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन और प्रयासों के फलस्वरूप स्वास्थ्य सेवाओं को दूरस्थ अंचलों तक पहुंचाया जा रहा है, जहां आम तौर पर लोग चिकित्सकीय सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग अक्सर तब डॉक्टर के पास जाते हैं जब तकलीफ असहनीय हो जाती है, जबकि समय रहते जांच और ईलाज से गंभीर बीमारियों को रोका जा सकता है। मंत्री श्री नेताम ने आगे बताया कि इस शिविर के माध्यम से जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया और क्षेत्र के लोगों को व्यवस्थित ढंग से विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेने का अवसर मिला। शिविर में अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति में निःशुल्क सेवाएं प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक व्यवस्थित और प्रभावशाली बनाने के लिए सरकार सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा

च्मैं सेवा के लिए हूँ, हमारा उद्देश्य लोगों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाना हैज्ज और हम निरंतर सुधार की दिशा में काम कर रहे हैं। मंत्री श्री नेताम ने शिविर में स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम, जिले के सभी चिकित्सकों तथा शिविर में ड्यूटी पर लगे समस्त कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में और भी वृहद स्वास्थ्य शिविर तथा आई कैंप आयोजित करने की बात कही ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को समय रहते गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

दीन-हीन सेवा समिति की संस्थापक श्रीमती मनीषा सिंह ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही जीवन का मूल आधार है। जब शरीर स्वस्थ होता है, तभी मन भी प्रसन्नचित्त रहता है और व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्यों को पूरा कर पाता है। श्रीमती सिंह ने बताया कि यह शिविर समाज के उन वर्गों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा जो सामान्यतः चिकित्सा सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य कल्याण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ताकि हर नागरिक एक खुशहाल और सुरक्षित जीवन जी सके। स्वास्थ्य शिविर में हृदय रोग, शिशु रोग, त्वचा रोग, हड्डी रोग सहित अनेक विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। शिविर में हजारों लोगों ने लाभ उठाया और आवश्यक परीक्षण एवं परामर्श प्राप्त किया। श्रीमती सिंह ने इस अवसर पर मंत्री श्री नेताम के नेतृत्व की भी सराहना की और बताया कि उनके मार्गदर्शन में जिले में बेहतर कार्य संपन्न हुए हैं। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि जिले के लगभग ५० बच्चों की जटिल हृदय सर्जरी निःशुल्क कराई गई है, जिससे न केवल उन बच्चों को नया जीवन मिला है। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा है।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य शिविर का लाभ देने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि शिविर में आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि मितानिनों की भी सक्रिय भूमिका से शिविर में अधिक से अधिक लोग पहुँच पाए और लाभान्वित हुए। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं। कार्यक्रम में आये हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भी जिला प्रशासन एवं दीन-हीन सेवा समिति के द्वारा आयोजित इस शिविर की सराहना की। सत्य साईं हॉस्पिटल रायपुर से आये विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. योगेश साठे ने बाल हृदय रोग की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस शिविर में १५० बच्चों के हृदय की जांच की गई है, जिसमें २५ बच्चों को चिन्हांकित किया गया है, जिनका ईलाज रायपुर में निःशुल्क किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज मेकाहारा के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंह ने भी कैंसर बीमारी की विस्तृत जानकारी दी एवं कहा कि इस शिविर के माध्यम से ७० मरीजों का जांच किया गया है, जिसमें २८ मरीजों का चिन्हांकन किया गया है, जिनको बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा। समापन पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आये सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों को शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में चिरायु योजना अंतर्गत स्वास्थ्य हुए बच्चों ने मुख्य अतिथि मंत्री श्री रामविचार नेताम को गुलाब का फूल भेंट कर धन्यवाद दिया। इस दौरान अतिथियों ने संवाद कर बच्चों का हाल-चाल जाना। कार्यक्रम में ०५ टीबी मरीजों को पोषण आहार, राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम अंतर्गत ०५ हितग्राहियों को वाकिंग स्टिक, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत ०४ हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, ०३ हितग्राहियों को सिकलसेल दिव्यांगता सर्टिफिकेट, ०२ हितग्राहियों को बस पास का वितरण किया गया। साथ ही चिरायु कार्यक्रम योजना अंतर्गत ०५ स्वस्थ हुए बच्चों को स्वास्थ्य प्रमाण पत्र दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत सिंह ने बताया कि इस दो दिवसीय वृहद स्वास्थ्य शिविर में लगभग ५२०० लोगों ने पंजीयन कराकर लाभ लिया।

दो दिवसीय विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर में डीकेएस हॉस्पिटल रायपुर से डॉ. हेमंत कुमार शर्मा सह प्राध्यापक एवं उप अधीक्षक, डॉ. देवांश मिश्रा न्यूरो सर्जन, डॉ. वरूण अग्रवाल सहायक प्राध्यापक, डॉ. ताज मोहम्मद सिद्दीकी यूरो सर्जन, डॉ. नितिन शर्मा सह प्राध्यापक, डॉ. कृष्ण नंद ध्रुव सह प्राध्यापक, डॉ. रमन श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक, मेडिकल कॉलेज मेकाहारा रायपुर से डॉ. वेदप्रकाश वर्मा सहायक प्राध्यापक, डॉ. प्रतीक गुप्ता जूनियर रेसिडेंट, श्री बी.के. शुक्ला सहायक कार्यालय अधीक्षक, श्री खोगेन्द्र साहू एम. एस. डब्ल्यू, डॉ. राहुल स्वरूप सिंह सह प्राध्यापक, डॉ. वेद प्रकाश सीनियर रेसिडेंट, श्री सत्य साई हॉस्पिटल रायपुर से डॉ. योगेश साठे पीडिया कॉडियोलॉजिस्ट, डॉ. निखिल शुक्ला पीडिया कॉडियोलॉजिस्ट, श्री जगदीश राव ट्रस्ट ऑफिसर, श्री वेकट कोम्पेला ट्रस्ट ऑफिसर, श्री प्रदीप वर्मा, बॉयोमेडिकल इंजीनियर, सुश्री किरण वर्मा नर्स, श्री उमा साहू नर्स, फजान खान काउंसलर, हितेश्वरी नर्स, मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर से डॉ. पी. के. सिन्हा प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष चर्मरोग, डॉ. संदीप तम्मिनिडी सह प्राध्यापक मनोरोग, डॉ. गोपाल कृष्ण दामले सह प्राध्यापक ई. एन. टी., डॉ. उषा आर्मो सहायक प्राध्यापक ई.एन.टी., डॉ. मोहित लाल गुप्ता सीनियर रेसीडेंट मेडिसिन, डॉ. नवनीत दुबे सीनियर रेसीडेंट मेडीसीन, डॉ. आर. एस. मरकाम प्रसूती रोग विशेषज्ञ, डॉ. रजनी किशोर एक्का प्रसूति रोग विशेषज्ञ, डॉ. अनिश पाण्डेय एम.एस.सर्जरी, डॉ. चन्द्रशेखर गुप्ता एम.डी. पैथोलॉजी, जिला चिकित्सालय बालोद से डॉ. रविशंकर भगत एमडी मेडिसिन, वी. केयर हॉस्पिटल रायपुर से डॉ. सी.एम. सिदार एमडी मेडिसिन, डॉ. अंजली जलान, डॉ. तन्मय अग्रवाल जनरल सर्जन ने अपनी सेवाएं दी।

www.ambikavani.com | अम्बिकावाणी | अम्बिकापुर, सोमवार 23 जून 2025 | 11

अमानक खाद-बीज के विक्रय पर कड़ी कार्यवाही करने के दिये निर्देश

स्वास्थ्य शिविर एवं मौसमी बीमारियों के लिए आवश्यक तैयारियां करें सुनिश्चित :- कलेक्टर

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में जिला संयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, मानसून की आवश्यक तैयारियां, राजस्व प्रकरण, खाद-बीज की उपलब्धता, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई।

जिले में मानसून के आगमन के साथ संभावित मौसमी बीमारियों और सर्पदंश जैसी आपात स्थितियों को देखते हुए कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा कर जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों और मोबाइल मेडिकल यूनिट्स की तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के मौसम में स्वास्थ्य सेवाओं को सतर्कता एवं तत्परता के साथ संचालित किया जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। कलेक्टर ने वनांचल क्षेत्रों में विशेष रूप से सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

बैठक में सर्पदंश के बढ़ते मामलों पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने जिले के प्रत्येक प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में एंटीवेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर श्री कटारा ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सर्पदंश के मामलों में आमजनों को भी जागरूक करें कि किसी भी सर्पदंश पीड़ित को जीवन रक्षक उपचार में एक पल की देरी भारी पड़ सकती है, इसके लिए सांप के काटने पर बैगा, गुनिया का सहारा न लेकर सीधे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंच इलाज कराएं। कलेक्टर ने दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करने तथा शिविरों में लोगों की सामान्य जांच के साथ ही मलेरिया, डेंगू, त्वचा रोग, पेट संबंधी संक्रमणों की विशेष जांच करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने खाद-बीज की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन की शुरूआत के साथ ही जिले में किसानों की मांग और खेतों में सक्रियता बढ़ गई है, ऐसे में किसानों को समय पर और गुणवत्ता युक्त खाद एवं बीज उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कोई भी किसान खाद या बीज के लिए परेशान न हो। जिले के प्रत्येक विकासखंड में पर्याप्त मात्रा में खादों का भंडारण किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी समिति या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि अमानक बीजों की बिक्री के मामले में दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि संबंधित विभाग खाद-बीज विक्रेताओं के गोदामों, सहकारी समितियों और बिक्री केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान यदि कोई गड़बड़ी पाई गई, तो संबंधित संस्था पर तत्काल कार्यवाही करें। कलेक्टर ने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि किसानों को उपलब्ध खाद-बीज की जानकारी अवश्य दें। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के द्वारा किसानों को उचित खेती की तकनीक, मिट्टी परीक्षण और जल प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दें ताकि उत्पादन में सुधार हो सके।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य निम्न वर्गीय परिवारों को पक्का, सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत विकासखंडवार स्वीकृत, पूर्ण हो चुके और शेष निमार्णाधीन आवासों की जानकारी लेते हुए निर्माण में प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्र जहां आवास निर्माण सबसे धीमा है, उन पंचायतों में नियमित निगरानी रखते हुए आवास निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति लाएं।

कलेक्टर श्री कटारा ने राजस्व प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राजस्व अधिकारियों से लंबित प्रकरणों का शीघ्र और प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा सुधार, भूमि अभिलेख अद्यतन तथा विवादित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे प्रकरण जो सीधे आम जनता से जुड़े होते हैं, इनका समय पर निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने ऑनलाइन सेवाओं की स्थिति की भी जानकारी ली।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर एस लाल, सर्व अनुविभागीय अधिकारी सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

जैव विविधताओं व वन्यजीव सम्पदाओं से भरपूर केशकाल घाट इलाके में वन्य प्राणी हिरण का झुंड दिखा

कोंड़ागांव। बस्तर संभाग का कोंड़ागांव जिले के केशकाल वन परिक्षेत्र जैव विविधताओं एवं वन्यजीव सम्पदाओं से भरपूर इस घाटी के इलाके में एक दर्जन से भी अधिक हिरण का झुंड देखने को मिला। जैसे ही वन विभाग के अधिकारियों की हिरणों के बारे में जानकारी मिल तो काफी उत्साहित हुए।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार शाम 5:30 बजे केशकाल के कुछ युवक घाट के नीचे घूमने गए हुए थे, वापसी के दौरान बंदरो का वे वीडियो बना रहे थे, इसी दौरान वन विभाग के द्वारा की गई घेराबंदी एवं उसके मुख्य द्वार के अंदर एक दर्जन से अधिक हिरण देखकर रुक गए, लेकिन जैसे ही उनके रुकने का भनक हिरणों को लगी तो तत्काल जंगल की ओर भाग गए, लेकिन इस बीच वे लोग अपने कैमरे में वीडियो बना लिए थे। केशकाल वन परिक्षेत्र में तैनात वनकर्मियों का कहना है कि समय-समय पर अक्सर उस क्षेत्र में हिरणों की हलचल देखी जाती है ।

केशकाल वनमंडलाधिकार दिव्या गौतम ने कहा कि मीडिया के साथियों से यह जानकारी मिली कि घाटी के नीचे बड़ी संख्या में हिरण विचरण करते नजर आए हैं। केशकाल वनमण्डल अंतर्गत लगातार दुर्लभ वन्यजीवों का नजर आना काफी खुशी की बात है, तथा यह एक आदर्श वन की निशानी भी है। इससे यह साबित होता है कि यह क्षेत्र वन्य सम्पदाओं, वन्यजीवों, एवं वनस्पतियों से भरपूर है,

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. अभिजीत कुमार कोहाट
MD, DM (Neurology)
मस्तिष्क रोग एवं नस रोग समस्याएँ
- लकवा, पैरालिसिस, मिर्गी एवं सिर दर्द का इलाज
- दिमागी बुखार, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर रोग)
- पार्किंसन बीमारी, गर्दन, बांह और पैरों का दर्द

डॉ. राहुल अहलूवालिया
MS, MCH, Neurosurgery
छ.ग. के सुप्रसिद्ध मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ
- पीठ में अकड़न, रीढ़ की हड्डी में असहनीय दर्द
- रीढ़ की हड्डी में झुकाव, सूजन
- हाथों और पैरों की मांसपेशियों में खिंचाव, कमजोरी, सुन्नपन

डॉ. रोशन वर्मा
MD (T.B. & Respiratory Diseases)
श्वास, छाती, एलर्जी एवं टी.बी. रोग विशेषज्ञ
- खांसी में खून आना।
- सांस लेने में तकलीफ होना।
- बार-बार सर्दी-जुकाम होना या छिंक आना।

डॉ. गौरव त्रिपाठी
M.D, D.M., Cardiology
रायपुर के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ
- सीने में दर्द या भारीपन, सांस लेने में तकलीफ, जल्दी थक जाना
- अनियमित हृदय गति,जी मचलना, सीने में जलन
- लगातार पसीना, नींद न आना, घबराहट एवं बैचेनी

तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर
सरगुजा संभाग का सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 TESLA MRI

29 जून 2025,
माह के पांचवा रविवार

अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
8224007799,8718003300,6262639090

आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सुविधा उपलब्ध

दुर्दांत नक्सली हिड़मा के इलाके में पहली बार ग्रामीणों ने जवानों के साथ किया सामूहिक योगाभ्यास

जगदलपुर। दक्षिण बस्तर के अतिसंवेदशील इलाके के पहाड़ी में जवान और ग्रामीण मिलकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में नक्सली दहशत को पीछे छोड़ते हुए खुले मन से आज पहली बार दुर्दांत नक्सली हिड़मा के गृहग्राम पूवर्ति, सिलगेर और टेकलगुड़ेम इलाके में सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया ।नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात सुरक्षाबलों के लिए योग न केवल मानसिक शांति और तनाव मुक्ति का माध्यम है, बल्कि यह उनकी शारीरिक फिटनेस को भी सशक्त बनाता है। जवानों ने कहा कि योग उनकी ड्यूटी में संतुलन बनाए रखने और मनोबल बढ़ाने में मदद करता है। कमांडेंट राकेश शुक्ला ने बताया कि पहली बार ग्रामीण परिवार को खुशहाल देखा। ग्रामीण देवाराम ने बताया कि पूरे इलाके में पहली बार योग को जाना और देखा क्योंकि इलाके में अब नक्सली दहशत नहीं है, बच्चे स्कुल जा रहे हैं, और पूरा गांव मुख्य धारा से जुड़ रहा है।

ग्रामीणों ने पहली बार जाना कि क्या होता है योग

150वीं बटालियन के कमांडेंट राकेश शुक्ला ने बताया कि सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में दुर्दांत नक्सली हिड़मा के गृहग्राम पूवर्ति, सिलगेर और टेकलगुड़ेम स्थित सीआरपीएफ कैंपों में जवानों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया वही सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित जवानों संग ग्रामीणों योग किया। उन्होने बताया कि यह तस्वीर तुमालपाड़ की पहाडी जहां जावनों ने ग्रामीणों के साथ योग किया, ग्रामीणों ने पहली बार जिंदगी में जाना कि योग क्या होता है।

संभाग स्तरीय स्वास्थ्य समीक्षा बैठक संपन्न

अम्बिकापुर । आज सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा की अध्यक्षता में संभागीय मुख्यालय अम्बिकापुर स्थित सभाकक्ष में संभाग स्तरीय मासिक स्वास्थ्य समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी बरसात के मौसम में संभावित डायरिया व अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए रणनीतियां बनाई गईं।

बैठक में आयुक्त श्री दुग्गा ने सभी जिले के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पहुंचविहीन ग्रामों एवं टोलों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाए और दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए। सर्पदंश के बढ़ते मामलों की आशंका को देखते हुए सभी शासकीय अस्पतालों में एन्टी स्नेक वेनम वैक्सीन की उपलब्धता अनिवार्य करने के निर्देश भी दिए।

सभी स्वास्थ्य केंद्रों को समय पर संचालन हेतु कहा गया तथा संबंधित कर्मचारियों को मुख्यालय में ही निवास करने का निर्देश जारी किया गया। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि कोरिया, सूरजपुर एवं बलरामपुर जिलों की राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में प्रगति संतोषजनक नहीं है। अतः इन जिलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

पहाड़ी कोरवा एवं पंडो जनजातियों में कुष्ठ और क्षय रोग की रोकथाम के लिए विशेष शिविर लगाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, अस्पतालों में स्टाफ की कमी होने पर शासन स्तर से पद स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजने की बात कही गई।

बैठक में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत कार्ड निर्माण पर बल दिया गया तथा निमार्णाधीन स्वास्थ्य भवनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित निर्माण एजेंसियों को दिए गए। बायो मेडिकल वेस्ट मेनेजमेंट में कंपनी के जितने भी भुगतान शेष हैं उन्हे तत्काल भुगतान करने हेतु निर्देशित किया।

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY
(स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी., ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं
- जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
- सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
- 24X7 आपातकालीन सुविधा
- क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
- एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
- निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
- 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता: माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैंड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

दिल्ली में डिवाइडर तोड़ते हुए तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने कई लोगों को कुचला, हालत गंभीर

नई दिल्ली,22 जून (ए)। दिल्ली में शनिवार रात एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें कई लोग घायल हो गए. दरअसल, उत्तर पूर्वी दिल्ली में तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने डिवाइडर की ग्रिल को तोड़ते हुए सड़क किनारे खड़ी कार को टक्कर मार दी. इतना ही नहीं, वहां खड़ी महिलाओं और बच्चों को भी कुचल दिया. घटना के बाद घायलों को जग प्रवेश अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत देखते हुए उन्हें एलएनजेपी अस्पताल में रेफर कर दिया गया. बताया गया कि घटना शनिवार रात करीब 11 बजे घटी.
लोगों के मुताबिक, तेज मिनी ट्रक सीलमपुर बाजार रोड पर अचानक अनियंत्रित हो गई थी. इसके बाद डिवाइडर ग्रिल तोड़ते हुए मिनी ट्रक ने कार में टक्कर मारी और वहां मौजूद महिलाएं व बच्चे भी चपेट में आ गए. आसपास मौजूद लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर पुलिस को इसकी सूचना दी. हादसे में 4-5 लोग घायल हुए हैं, जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं.

अमानक खाद-बीज के विक्रय पर कड़ी कार्यवाही करने के दिये निर्देश ...पेज 11

मानसून की सक्रियता से शुरू हुआ भारी बारिश का दौर, मौसम विभाग ने दिया अलर्ट

नईदिल्ली,22 जून (ए)। देश के कई राज्यों में मानसून की भारी बारिश का दौर शुरू हो गया है, वहीं दूसरी तरफ इससे उत्तर भारत में पारा नीचे आने से गर्मी से राहत मिलती नजर आ रही है। कुछ जगह बादल छाए रहने से भी तापमान में गिरावट दर्ज हुई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 22 जून को मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, झारखंड, ओडिशा, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की आंशका जताई है।

मानसून की सक्रियता के चलते शनिवार को राजस्थान के कई इलाकों में भारी बारिश हुई और कुछ जगह अति भारी बारिश दर्ज की गई। जोधपुर में तेज बारिश के बीच पुलिया से फिसलकर एक कार बहकर 5 फीट गहरे नाले में गिर गई, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार, 22-23 जून को भरतपुर, जयपुर, कोटा संभाग समेत 22 जिलों में कहीं भारी तो कहीं सामान्य बारिश होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में मानसून के पहुंचने से बारिश का दौर शुरू हो गया है, जिससे लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने पूर्वांचल से लेकर पश्चिमी और बुंदेलखंड में भारी बारिश का अनुमान जताया है। बिहार में भी मानसून पूरी तरीके से सक्रिय हो चुका है। रविवार को भी राज्य में मेघ गर्जन और वज्रपात के साथ मूसलाधार बारिश का अलर्ट है। दूसरी तरफ पंजाब में भी मानसून के आगमन की संभावना है।

दिल्ली एनसीआर में शनिवार शाम को हुई हल्की बारिश से अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री नीचे 34.5 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार सुबह से ही ठंडी हवा चलने और बादल छाने से मौसम सुहाना हो गया है। दिन में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होने के आसार हैं। यह सिलसिला 27 जून तक रुक-रुक कर चलता रहेगा। लगातार बदल रही मौसमी परिस्थितियों के बीच 1-2 दिन के भीतर दिल्ली में मानसून के दस्तक देने की संभावना है। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में बीती रात से बारिश हो रही है। इसके चलते पिथौरागढ़ में चीन सीमा को जोड़ने वाले मुनस्यारी-मिलम हाईवे चट्टान खिसकने से अवरुद्ध हो गया। रुद्रप्रयाग में गौरीकुंड के पास भूस्खलन के चलते यातायात बाधित रहा। रविवार को देहरादून, नैनीताल समेत आस-पास के क्षेत्रों में बहुत भारी बारिश का आरेंज अलर्ट जारी किया है और कुछ जगह भूस्खलन हो सकता है।

ईसीआई का बड़ा कदमः मीडिया के सहयोग से मतदाता जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी

नई दिल्ली,22 जून (ए)। भारत निर्वाचन आयोग मीडिया के सहयोग से मतदाता पहुंच बढ़ाने के लिए पहली बार केंद्रीय स्तर पर एक राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला आयोजित करेगा. 7 जुलाई को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में यह कार्यशाला होगी. सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस बाबत पत्र भेजा है. ईसीआई ने पत्र में लिखा है, दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में 7 जुलाई को एक राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला आयोजित की जाएगी. कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्रीय मीडिया के साथ आयोग के जुड़ाव को मजबूत करना तथा चुनावी जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए एक मजबूत संचार नेटवर्क विकसित करना है. पत्र के अनुसार, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 10 प्रमुख क्षेत्रीय मीडियाकर्मी कार्यशाला में भाग लेंगे. इसके अलावा सीईओ कार्यालय के अधिकारी जो सीधे मीडिया और संचार कार्य से जुड़े हैं, वे भी कार्यशाला में भाग लेंगे. पत्र में कहा गया है, क्षेत्रीय मीडियाकर्मियों के लिए हवाई यात्रा (इकोनॉमी क्लास) और हवाई अड्डे से आने-जाने का खर्च शुरू में सीईओ कार्यालय द्वारा वहन किया जाएगा. जिसकी प्रतिपूर्ति ईसीआई द्वारा की जाएगी. आवास और अन्य व्यवस्थाएं आईएचआईडीईएम द्वारा प्रबंधित की जाएंगी. कार्यशाला का व्यापक उद्देश्य रणनीतिक मीडिया सहयोग के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाना, क्षेत्रीय मीडिया पेशेवरों के साथ संपर्क को मजबूत करना और ईसीआई संचार की पहुंच को अधिकतम करने के लिए संचार नेटवर्क विकसित करना है.

प्रॉपर्टी ब्रोकर के पास मिला सोनम का काला बैग, अंदर रखी थी पिस्टल, शिलोम हिरासत में

इंदौर ,22 जून (ए)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में पुलिस ने शनिवार देर रात बड़ा एक्शन लेते हुए प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स को हिरासत में ले लिया है। शिलांग पुलिस को थी जिस काले बाग की तलाश थी, वह प्रॉपर्टी ब्रोकर के पास मिला। इस बैग में एक पिस्टल रखी हुई थी। इसके साथ ही नकद पैसे और सोनम के गहने भी थे। पुलिस ने प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स को हिरासत में ले लिया है। शिलोम पर आरोप है कि उसने आरोपी विशाल चौहान को किराए पर फ्लैट दिया, जिसमें हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी छिपी हुई थी। इस मामले में पुलिस को अहम सुराग एक ऑटो चालक से मिला। रैपिडो ऐप से बुक इस ऑटो को 3 मई को नंदबाग से बैग लेकर रवाना किया गया था, जिसे हीराबाग में एक युवक ने रिसीव किया। जांच में स्पष्ट हुआ कि यही बैग राजा और सोनम का था, जो घटना के बाद फ्लैट में छिपा दिया गया था।

एसआईटी टीम ने 3 से 10 जून तक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें सिलोम अपनी कार में बैग लेकर जाते हुए कैद हुआ। यह वही बैग था, जिसमें देशी पिस्टल, पांच लाख रुपये, राजा की चेन, मोबाइल, सोनम के कपड़े और आभूषण रखे गए थे। राजा की हत्या की साजिश पहले गोली मारकर हत्या करने की थी, जिसके लिए राज ने सिकलीगर से पिस्टल खरीदी थी, लेकिन बाद में प्लान बदलकर गला घोंटने की वारदात की गई।

जब एसआईटी ने शिलोम को पूछताछ के लिए फोन किया तो वह बचने की कोशिश करता रहा और अंततः फोन बंद कर भागने लगा। इसकी सूचना शिप्रा थाना पुलिस को दी गई और टोल नाके पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में शिलोम ने कबूला कि उसने बैग घर में छिपाकर रखा था। इसके बाद उसे मेडिकल जांच के लिए एमवाय अस्पताल लाया गया और फिर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। अब तक की जांच में साफ हो चुका है कि शिलोम ने न सिर्फ फ्लैट उपलब्ध कराया, बल्कि साक्ष्य छुपाने और आरोपी की मदद करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी वजह से उसे केस में सह अभियुक्त बनाया गया है और जल्द ही शिलांग ले जाया जाएगा।

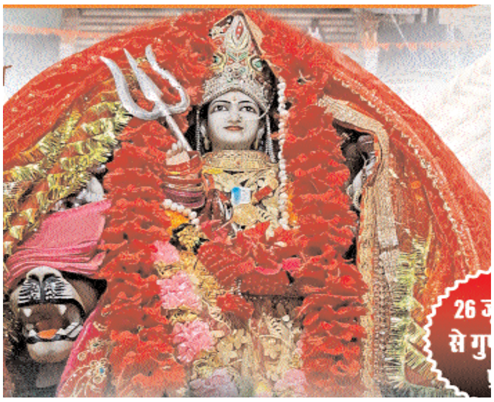

एक जुलाई से तिलसिंवा स्थित मां दुर्गा मंदिर का चार दिवसीय वार्षिकोत्सव

०० दुर्गा मंदिर परिवार का आयोजन

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। नगर सीमा से लगे तिलसिंवा स्थित जगत जननी मां दुर्गा मंदिर के २७ वें वार्षिकोत्सव मानने की जोरदार तैयारी की जा रही है ।इस वर्ष १ जुलाई से ४ जुलाई तक यह उत्सव मनाया जाएगा। दुर्गा मंदिर परिवार के संचालक दीपक अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी चार दिवसीय वार्षिकोत्सव भव्य रूप से मनाए जाने का निर्णय लिया गया है ।श्री अग्रवाल ने बताया कि गुप्त नवरात्र जो २६ जून से शुरू हो रहा है के ही दिन से मां दुर्गा की विशेष पूजन शुरू हो जाएगा। इस मंदिर की आज से २७ वर्ष पूर्व स्थापना हुई थी ।तब से अब तक माता रानी की कृपा से प्रत्येक वर्ष बेहद उल्लास के साथ स्थापना दिवस वार्षिकोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है ।इस वर्ष गुप्त नवरात्र २६ जून से शुरू हो रहा है ।एक जुलाई को विशेष रुद्राभिषेक,२ जुलाई को प्रातः ९ बजे सिंचाई कालोनी स्थित शिवमंदिर से कलश यात्रा,इसी दिन दोपहर ३ बजे से दादी रानी सती का मंगल पाठ,३ जुलाई को अखण्ड रामायण व ४ जुलाई को हवन पूजन व भंडारे के साथ वार्षिकोत्सव का समापन होगा ।श्री अग्रवाल ने नगर के सभी धर्म प्रेमियों से वार्षिकोत्सव में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

किसानों के खेत तक पहुंचेगा विज्ञान, वैज्ञानिक अब सप्ताह में तीन दिन करेंगे दौरा

नई दिल्ली,22 जून (ए)। भारत सरकार ने देश के कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. इसके तहत अब वैज्ञानिक सप्ताह में तीन दिन खेतों में जाकर किसानों से सीधी बातचीत करेंगे और उन्हें नवीनतम कृषि तकनीकों, बीजों की गुणवत्ता, मृदा परीक्षण, जल प्रबंधन, फसल रोग नियंत्रण और उन्नत खेती विधियों की जानकारी देंगे. इस निर्णय का उद्देश्य पारंपरिक खेती को वैज्ञानिक आधार पर सुदृढ़ करना और किसानों की आमदनी को बढ़ाना है. आईसीएआर-आईएआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.एस. बाना के अनुसार, जब वैज्ञानिक खेतों में जाकर किसानों से सीधा संवाद करते हैं, तो न केवल वैज्ञानिक शोध का सही उपयोग होता है, बल्कि किसानों की जमीनी समस्याओं को भी वास्तविक समय में समझा जा सकता है. सरकार ने यह भी तय किया है कि कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) को इस पहल का मुख्य केंद्र बनाया जाएगा. हर जिले में केवीके एक नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगा, जो इस अभियान का संचालन करेगा. इस योजना का एक पायलट चरण पहले ही लागू किया जा चुका है, जिसमें 2,170 वैज्ञानिकों की टीमों ने 1.42 लाख गांवों का दौरा किया और 1.34 करोड़ किसानों से सीधे संवाद स्थापित किया. किसानों ने बताया कि इस पहल से उन्हें अपने खेतों में सुधार के लिए ठोस मार्गदर्शन मिला. उत्तर प्रदेश के किसान अमरपाल ने कहा, गांव में जब वैज्ञानिक आए और हमें मिट्टी परीक्षण, बीज चयन और जल प्रबंधन की जानकारी दी, तो हमारी समझ में आया कि हम विज्ञान के सहारे अपनी खेती को और बेहतर बना सकते हैं. हालांकि यह पहल स्वागत योग्य है, कुछ वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि सप्ताह में तीन दिन फील्ड विजिट की अपेक्षा सप्ताह में एक या दो दिन तय किए जाएं ताकि अन्य शोध कार्यों पर असर न पड़े. डॉ. अमित शर्मा (केवीके जम्मू) का कहना है, किसानों से संवाद करना जरूरी है, लेकिन हमें एक संतुलन बनाना होगा ताकि अनुसंधान और फील्ड वर्क दोनों सुचारू रूप से चलें. राकेश कुमार (केवीके उजवा, दिल्ली) ने बताया कि अभी तक कोई स्पष्ट कार्य योजना (लेआउट प्लान) नहीं दी गई है, लेकिन वे लगातार किसानों के साथ संवाद बनाए हुए हैं.यह पहल न केवल किसानों को सशक्त बनाएगी, बल्कि वैज्ञानिक शोध को जमीन पर लागू करने का एक व्यावहारिक मॉडल भी प्रस्तुत करेगी. अगर इसे योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया गया, तो यह भारत की कृषि प्रणाली में दीर्घकालिक और सतत सुधार ला सकती है. किसानों और वैज्ञानिकों के बीच की यह नई साझेदारी आने वाले समय में देश की खाद्य सुरक्षा, उत्पादन क्षमता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मील का पत्थर साबित हो सकती है.

ईरान से 290 भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी, 'ऑपरेशन सिंधु' का आंकड़ा हुआ 1117

० 'ऑपरेशन सिंधु' के जरिए कई नागरिक पहुंचे भारत ० १८ जून को हुई थी 'ऑपरेशन सिंधु' की शुरूआत ० अब तक १११७ भारतीय नागरिक लौट चुके स्वदेश

नई दिल्ली : ईरान-इजरायल के बीच संघर्ष की वजह से भारतीय नागरिकों को भी काफी परेशानी झेलनी पड़ी है। इसको देखते हुए भारतीय सरकार ने १८ जून को 'ऑपरेशन सिंधु' की शुरूआत की थी, जिसके तहत ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित भारत वापस लाया जा रहा है।

इस कड़ी में ईरान के शहर मशहद से एक और प्लेन रविवार रात २९० नागरिकों को लेकर दिल्ली पहुंचा। इन छात्रों में बड़ी संख्या में कश्मीर के छात्र थे। 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत भारत सरकार ईरान से अब तक १,११७ भारतीय नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश ला चुका है।

ईरानी दूतावास का बयान आया सामने

भारत के इस प्रयास को ईरान का भी साथ मिला, जिसने भारत से शत्रुता के बाद भी भारतीय नागरिकों की खातिर अपना हवाई क्षेत्र खोल दिया।

इसको लेकर दिल्ली में ईरानी दूतावास के उप-प्रमुख मोहम्मद जावेद हुसैनी ने कहा, 'ईरान का हवाई क्षेत्र फिलहाल बंद है, लेकिन हम भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए इसकी सुविधा प्रदान कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अतिरिक्त उड़ानों की योजना बनाई जा सकती है। उन्होंने यहां भारत सरकार के साथ सभी तरह के सपोर्ट बात की।

निकाले गए लोगों ने भयावहता को याद किया

'ऑपरेशन सिंधु' के तहत जैसे ही भारतीय नागरिक दिल्ली पहुंचे, वैसे ही दिल्ली एयरपोर्ट 'भारत माता की जय' और 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे से गूंज उठा। दिल्ली पहुंचने वाले ईरान से आए छात्रों ने अपना डर साझा किया और 'ऑपरेशन सिंधु' के लिए भारतीय अधिकारियों की जमकर तारीफ की।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने मशहद से पहुंची एक शरणार्थी के हवाले से कहा, 'भारत सरकार ने हमारे लिए बहुत कुछ किया है। मैं यह बता नहीं सकती कि अपने देश पहुंचकर आपको कितनी शांति महसूस होती है।'

छात्रों ने जताया भारत सरकार का आभार

ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज की एमबीबीएस छात्रा सेहरिश रफीक ने एएनआई को बताया, 'ईरान में स्थिति काफी विनाशकारी थी। पहले तो हमें उम्मीद नहीं थी कि यह इतना बढ़ जाएगा। सभी कश्मीरी वास्तव में भारत सरकार के आभारी हैं।'

बिहार में बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को हर महीने मिलेंगे 1100 रुपये, नीतिश कुमार ने महिलाओं को दी बड़ी सौगात

0 विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बड़ा ऐलान 0 दिव्यांगजनों, विधवा महिलाओं को मिलेगी सौगात

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बड़ा और जनसंपर्क बढ़ाने वाला फैसला किया है। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत मिलने वाली मासिक राशि को ४०० रुपये से बढ़ाकर ११०० रुपये कर दिया है। यह ऐलान शनिवार को मुख्यमंत्री के एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल से किया गया।

इस फैसले का लाभ राज्य के करीब १.९ करोड़ ६९ हजार २५५ लोगों को मिलेगा। बढ़ी हुई राशि जुलाई १० तारीख से लाभार्थियों के खातों में डेविट (डायरेक्ट वेनिफिट ट्रांसफर) के जरिए भेजी जाएगी।

बुजुर्गों को मिलेगा सम्मानजनक जीवन

मुख्यमंत्री ने कहा, च्बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका सम्मान और जीवन यापन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।ज्ञ् वर्तमान में बिहार में वृद्धजन पेंशन योजना के करीब ५० लाख लाभार्थी हैं।

यदि कोई नागरिक ६० वर्ष या उससे अधिक उम्र का है और उसे किसी अन्य स्त्रोत से पेंशन नहीं मिल रही है, तो वह इस योजना का लाभ उठा सकता है।

विशेष रूप से ८० वर्ष से अधिक उम्र वालों को पहले ही ५०० रुपये मिल रहे थे, जिन्हें भी अब ११०० रुपये मिलने लगेंगे।

दिव्यांगजनों को भी मिलेगी राहत

बिहार विकलांगता पेंशन योजना के अंतर्गत ९.६४ लाख दिव्यांगजन लाभान्वित हो रहे हैं। पहले उन्हें ४०० रुपये प्रतिमाह मिलते थे। अब उन्हें भी ११०० रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलेगी।

हाल ही में उनके खातों में ३.८६ करोड़ डीबीटी के जरिए ट्रांसफर किए गए हैं।

विधवा महिलाओं को मिलेगी बड़ी सौगात

लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत ८.६३ लाख विधवा महिलाओं को पहले ४०० रुपये प्रतिमाह की पेंशन दी जाती थी। अब उन्हें भी ११०० रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलेगी। सरकार का यह फैसला महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

चुनाव से पहले मास्टर स्ट्रोक?

विशेषज्ञों का मानना है कि नीतीश सरकार का यह फैसला विधानसभा चुनाव २०२५ के मद्देनजर एक मास्टर स्ट्रोक है। लंबे समय से पेंशन बढ़ाने की मांग हो रही थी, और इस ऐलान से सरकार ने बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों का भरोसा फिर से जीतने की कोशिश की है।

बढ़ी हुई पेंशन कब से मिलेगी?
तारीखः १० जुलाई २०२५
विधिः डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डेविट)
राशिः ११०० रुपये प्रति माह (पहले ४०० रुपये)

इसरो ने शुरू की स्पैडेक्स-2 मिशन की तैयारी

0-देश की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम

नईदिल्ली,22 जून (ए)। अंतरिक्ष में 2 उपग्रहों को सफलतापूर्वक एक साथ लाने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने दूसरे स्पैडेक्स मिशन की योजना तैयार कर रही है। इस बार 2 उपग्रहों को अंडाकार कक्षा में स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह देश की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। पहला स्पैडेक्स मिशन सफल रहा था, जिसमें 220 किलोग्राम के 2 सेटेलाइट्स 470 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक गोलाकार कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित हुए थे।

आगामी स्पैडेक्स-2 मिशन और भी अधिक चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि, इसमें दीर्घवृत्ताकार कक्षा में डॉकिंग शामिल है। ऐसा इसलिए है क्योंकि, उपग्रहों का प्रक्षेप पथ और वेग दीर्घवृत्ताकार कक्षा में बदलता रहता है, जिससे एक बिंदु के लिए की गई गणना कुछ मिनटों के बाद बदल जाती है। मामले से परिचित एक वैज्ञानिक ने कहा, एक वृत्ताकार कक्षा में डॉकिंग दीर्घवृत्ताकार कक्षा में डॉकिंग की तुलना में बहुत आसान है। स्पैडेक्स-2 मिशन को चंद्रयान-4 के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

16 जनवरी को शुरू हुए पहले स्पैडेक्स मिशन में 2 उपग्रहों को एक-दूसरे के तब करीब लाया गया, जब तक कि वे सफलतापूर्वक डॉक नहीं हो गए। इस प्रयोग ने उपग्रहों के बीच शक्ति साझा करने और एक यूनिट के रूप में कमांड प्राप्त करने की क्षमता को भी दिखाया। इससे भारत, अमेरिका, रूस और चीन के बाद अंतरिक्ष में डॉकिंग क्षमताओं का प्रदर्शन करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया।

दिल्ली-एनसीआर में आज फिर होगी झमाझम बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

नई दिल्ली,22 जून (ए)। दिल्ली-एनसीआर में बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है. उधर भारत मौसम विज्ञान विभाग की तरफ से बारिश और आंधी को लेकर रविवार और सोमवार के लिए अलर्ट जारी कर दिया है. रविवार सुबह सात बजे दिल्ली का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिनों के मुकाबले अधिक हैं. वहीं अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है. इसके अलावा गरज और चमक के साथ बारिश होने की भी संभावना जताई गई है. इस दौरान हवा 50-60 किलोमीटर की रफ्तार से चल सकती है. सोमवार को भी ऐसा ही मौसम रह सकता है. इससे पहले शनिवार को शाम होते ही बारिश हुई, साथ ही तेज हवा चलने से लोगों को गर्मी से राहत मिली. अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम रहा. वहीं न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम था. हवा में नमी का स्तर 84 से 56 प्रतिशत रिकॉर्ड किया गया. केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में रविवार सुबह 6:30 बजे औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 68 दर्ज किया गया. वहीं एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 77, गुरुग्राम में 72, गाजियाबाद में 68 और ग्रेटर नोएडा में एक्यूआई 86 दर्ज किया गया. दिल्ली के इलाकों की बात करें तो अलीपुर में 76, आनंद विहार में 71, अशोक विहार 68, आया नगर 68, बवाना में 74, बुराड़ी क्रॉसिंग में 72, चांदनी चौक में 62, मथुरा रोड में 74, डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में 51, द्वारका सेक्टर 8 में 96, डीटीयू में 85,